Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Monday, 08 July 2024 ● Year : 02 ● Issue : 170 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

**सुविचार**

जिस प्रकार बिना जल के धान नहीं उगता, उसी प्रकार बिना विनय के प्राप्त की गई विद्या फलदायी नहीं होती

-भगवान महावीर

Taapsee Pannu Reveals She....

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 6,900 |
| चांदी | : | 99.30 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

**BRIEF NEWS**

## धोनी ने सलमान संग मनाया जन्मदिन

**MUMBAI:** इंडियन क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने अपना 43वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया। इस खास मौके पर बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान भी उनके साथ मौजूद रहे। धोनी का जन्मदिन उनके दोस्तों और परिवार के बीच सेलिब्रेट किया गया। सलमान खान के साथ उनकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिससे फैंस में खुशी की लहर दौड़ गई। धोनी और सलमान को एक साथ देखकर फैंस बेहद उत्साहित हो गए हैं। धोनी के फैंस ने भी सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई संदेश भेजे।

## कुलगाम में मुठभेड़ छह आतंकी ढेर

**KULGAM :** कुलगाम जिले के चिन्नीगाम में चल रही मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक और आतंकी को मार गिराया है। जिले में चिन्नीगाम और मुदेरगाम में दो स्थानों पर हुई मुठभेड़ में अब तक छह आतंकवादी मारे जा चुके हैं। इन दोनों मुठभेड़ में दो सैनिक भी बलिदान हुए हैं। अधिकारियों ने कहा कि कुलगाम जिले के चिन्नीगाम में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन आतंकी संगठन के एक कमांडर सहित पांच आतंकवादी मारे जा चुके हैं। चिन्नीगाम में अभी भी सुरक्षाबलों का अभियान चल रहा है। मारे गए आतंकियों के कब्जे से तीन एके 47 और एक पिस्तौल बरामद हुई है।

## भारत ने जिम्बाब्वे से जीता दूसरा टी-20

**NEW DELHI :** भारत ने जिम्बाब्वे को दूसरे टी-20 में 100 रन से हरा दिया। भारत ने हरारे स्पोर्ट्स क्लब में रविवार को टॉस जीतकर पहले बैटिंग की। अभिषेक शर्मा के शतक और ऋतुराज गायकवाड के 77 रन के सहारे भारत ने 234 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह जिम्बाब्वे के खिलाफ किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इससे पहले, 2018 में ऑस्ट्रेलिया ने 229 रन का स्कोर बनाया था। जवाबी पारी में जिम्बाब्वे 134 रन बनाकर ऑलआउट हो गया। यह भारत की जिम्बाब्वे के खिलाफ रन के अंतर से सबसे बड़ी जीत रही।

## राजभवन की शिकायत पर हुई कार्रवाई

**KOLKATA :** केंद्र सरकार ने कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल और पुलिस उपायुक्त इंदिरा मुखर्जी के खिलाफ आनुशासनात्मक कार्रवाई की है। दोनों पुलिस अधिकारियों पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के कार्यालय को बदनाम करने का आरोप है। दोनों पुलिस अधिकारियों पर राज्यपाल के कार्यालय के बारे में झूठी अफवाहें फैलाने का आरोप है। इससे पहले राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने केंद्र सरकार को एक रिपोर्ट भेजी थी। रिपोर्ट में कोलकाता पुलिस आयुक्त और उपायुक्त पर गलत तरीके से काम करने का आरोप लगाया गया था।

# पुरी रथयात्रा में हादसा, एक श्रद्धालु की मौत, 400 घायल

**PURI (AGENCY) :** पुरी की जगन्नाथ रथयात्रा में रविवार को हादसा हो गया, जिसमें एक श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि 400 से ज्यादा घायल हो गए हैं। यह दुर्घटना भगवान बलभद्र के रथ तालध्वज को खींचने के दौरान हुई। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घायलों को पुरी के जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज चल रहा है। प्रारंभिक सूचना के अनुसार घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना।

**शाम ढली तो माहौल में छाया सन्नाटा :** पुरी में रविवार को रथयात्रा का उत्सव अपने चरम पर था। लाखों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए उमड़े थे। दोपहर करीब 5.20 बजे पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने रथों की पूजा-अर्चना की और छेरा पहरा रस्म अदा की। इसके बाद जैसे ही भगवान बलभद्र के रथ तालध्वज को खींचने की प्रक्रिया शुरू हुई, भीड़ बेकाबू हो गई। देखते ही देखते भगदड़ मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे और एक-दूसरे पर गिरने लगे। भगदड़ इतनी ज्यादा थी कि लोगों को संभलने का मौका ही नहीं मिला।

पुरी में निकली रथ यात्रा में उमड़ा जनसैलाब ● फोटोन न्यूज

## रांची में उमड़ा जनसैलाब, सीएम हुए शामिल

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड की राजधानी रांची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार (7 जुलाई) को पत्नी कल्पना सोरेन और अपने एक बेटे के साथ रथ यात्रा में भाग लिया। रस्साबंधन के बाद उन्होंने रथ भी खींचा। इसके पहले 3 बजे से ही श्री विष्णुसहस्रनामर्चना शुरू हो गई। इसमें पुरुष और महिला दोनों ने भाग लिया।

**कल्पना सोरेन और बेटे के साथ पहुंचे हेमंत सोरेन :** रथ यात्रा में रांची के सांसद संजय सेठ, झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन, उनका एक बेटा, कांग्रेस नेता सुबोध कांत सहाय, हटिया के विधायक नवीन जायसवाल भी रथ यात्रा में शामिल हुए। 5:11 बजे रथ से सीढ़ी को हटा दिया गया। इसके बाद रस्साबंधन हुआ और मुख्यमंत्री ने थोड़ी देर के लिए रथ खींचा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 4:30 बजे जगन्नाथपुर पहुंच गए। 5:10 मिनट पर पूजा-अर्चना खत्म हुई।

जगन्नाथपुर की रथयात्रा में पत्नी के साथ शामिल सीएम हेमंत सोरेन ● फोटोन न्यूज

## बांग्लादेशी घुसपैठियों की खैर नहीं, सीमा पर एआई कैमरों से हो रही निगरानी

### बीएसएफ ने और कड़े किए सुरक्षा इंतजाम

**AGARTALA (AGENCY) :** भारत-बांग्लादेश सीमा पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) युक्त कैमरे से निगरानी की जा रही है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ओर से इन विशेष कैमरों का उपयोग सुरक्षा बढ़ाने और घुसपैठियों की रोकथाम के लिए किया जा रहा है। बीएसएफ के अधिकारियों का कहना है कि कैमरे और चेहरे की पहचान करने वाले उपकरणों सहित अत्याधुनिक तकनीक के उपयोग से सीमा पर निगरानी बढ़ाई गई है। इससे घुसपैठ, अपराध और अन्य अवैध गतिविधियों को रोका जाएगा।

**तस्करों पर नकेल के लिए अभियान :** बीएसएफ के त्रिपुरा फ्रंटियर के महानिरीक्षक ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि संवेदनशील सीमा चौकियों पर जवानों की संख्या बढ़ा दी गई है और सीमावर्ती क्षेत्रों में दलालों और तस्करों के नेटवर्क पर नकेल कसने के लिए विशेष अभियान शुरू किए गए हैं।

**मुख्यमंत्री ने दिए सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश :** त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने भी बीएसएफ को निर्देश दिया कि घुसपैठ पर अंकुश लगाने के लिए राज्य में भारत-बांग्लादेश सीमा पर अपनी निगरानी बढ़ा दी जाए। बीएसएफ ने रविवार को कहा कि उसने सीमा पर अपनी सुरक्षा और कड़ी कर दी है। राज्य पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ अभियानों पर ध्यान दिया जा रहा है।

**198 बंग्लादेशी नागरिक पकड़े गए :** बीएसएफ के आईजी ने कहा कि इसके परिणाम जमीन पर दिखाई दे रहे हैं। मौजूदा वर्ष में 29 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ की जब्ती की गई है और 198 बांग्लादेशी नागरिकों और 12 रोहिंग्याओं को पकड़ा गया है।

# देवघर में तीन मंजिला इमारत गिरी, तीन लोगों की हुई मौत

### आठ घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन, चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

**DEOGHAR (AGENCY) :** झारखंड के देवघर में रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। नगर थाना क्षेत्र के सीता होटल के पास बमबम बाबा पथ हंसकुप मुहल्ले में एक तीन मंजिला इमारत ढह गयी। हादसे के बाद शुरू हुआ एनडीआरएफ और प्रशासन की टीम का रेस्क्यू ऑपरेशन आठ घंटे बाद खत्म हुआ। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि चार लोग सुरक्षित निकाले गए।

इस हादसे में मनीष दत्त द्वारी (50), सुनील यादव (35) और सुनील यादव की पत्नी सोनी देवी (28) की मौत हो गई। दिनेश बर्नवाल, मुन्नी बर्नवाल, सत्यम और अनुपमा देवी घायल हैं, जिनका सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद एनडीआरएफ और स्वास्थ्य विभाग की टीम को घटनास्थल पर पहुंची। मौके पर डीसी और एसपी कैंप किया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीम ने तेजी से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। बताया जाता है कि यह भवन सीताकांत झा का है। तीन मंजिला इस भवन में किराएदार रह रहे थे। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण भवन कमजोर होता जा रहा था। इस दौरान ग्राउंड फ्लोर पर कंस्ट्रक्शन का भी काम हो रहा था, जिस वजह से मकान और भी ज्यादा कमजोर हो गया था। शनिवार देर शाम हुई बारिश के बाद मकान रविवार सुबह धंस गया, जिस कारण से दूसरे और तीसरे मंजिल पर रह रहे लोग मकान के अंदर फंस गए।

ध्वस्त हुए मकान की तस्वीर ● फोटोन न्यूज

## गुजरात के सूरत में ढही पांच मंजिला इमारत, मलबे से निकाले गए 7 शव

**SURAT :** सूरत के सचिन डीएमनगर क्षेत्र में पालीगाम में शनिवार दोपहर ढही पांच मंजिला इमारत के मलबे से रविवार सुबह तक 5 लोगों के शव निकाले गए हैं। जिसके बाद हादसे में मृतकों की संख्या 7 हो गई है। एक महिला को रेस्क्यू टीम ने मलबे से जिंदा निकाला था, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य पिछले 12 घंटे से जारी है। सूरत के सचिन स्थित पालीगाम में शनिवार दोपहर ढाई बजे के आसपास एक 5 मंजिला इमारत ढह गई। मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका में फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ की टीमों ने बचाव अभियान शुरू कर दिया था। मलबे से अबतक 7 लोगों के शव निकाले गए हैं जिसमें अभिषेक केवट, साहिल, शिवपूजन केवट, परवेश केवट, ब्रिजेश गौंड शामिल हैं। एक अन्य का शव मिला है जिसकी पहचान नहीं हुई है। प्रशासन के अनुसार शनिवार रात 9.10 बजे मलबे से पहला शव निकाला गया। इसके बाद शनिवार रात 11.50 बजे दूसरा शव निकाला गया।

# हाथरस हादसे पर किया गया चौंकाने वाला दावा

**LUCKNOW :** हाथरस हादसे में मौत की वजह को लेकर साकार हरि के वकील एपी सिंह ने नया दावा पेश किया है। उन्होंने डिब्बों से निकली जहरीली गैस को मौत की असली वजह बताया है। साकार हरि बाबा के वकील एपी सिंह ने रविवार को बताया कि हाथरस में सत्संग के बाद हादसा बाबा की बढ़ती लोकप्रियता के खिलाफ एक साजिश है। हादसे के गवाहों ने उनसे संपर्क किया। गवाहों को कहना है कि 15-16 लोग जहरीली गैस के डिब्बे ले जा रहे थे, जिन्हें उन्होंने भीड़ में खोल दिया था। जिससे वहां भगदड़ मच गई। वकील एपी सिंह ने कहा कि मैंने मारे गए लोगों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट देखी है और इससे पता चला है कि उनकी मौत दम घुटने से हुई है, न कि किसी अन्य कारण से।

### राहुल गांधी ने सीएम योगी को लिखा पत्र

**NEW DELHI :** उत्तर प्रदेश के रायबरेली से कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर हाथरस हादसे के पीड़ितों को मिलने वाले मुआवजे में बढ़ोतरी का अनुरोध किया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल ने अपने पत्र में हाथरस पीड़ितों से मुलाकात और उनसे हुई बातचीत का जिक्र किया है।

### आयोग ने कहा-हर जिम्मेदार से करेंगे बात

**NOIDA:** उत्तर प्रदेश सरकार का न्यायिक आयोग हर उस व्यक्ति से बात करेगा जिससे दो जुलाई को हाथरस में मची भगदड़ के मामले की जांच के लिए बात करना आवश्यक होगा। जांच आयोग के एक सदस्य ने रविवार को यह बात तब कही जब उनसे पूछा गया कि क्या स्वयंभू भोले बाबा से पूछताछ की जाएगी।

# अध्ययन में किया दावा-उत्तर भारत में दो दशकों में 450 घन किलोमीटर भूजल घटा

**NEW DELHI (BHASHA) :** उत्तर भारत में साल 2002 से लेकर 2021 तक लगभग 450 घन किलोमीटर भूजल घट गया और निकट भविष्य में जलवायु परिवर्तन के कारण इसकी मात्रा में और भी गिरावट आएगी। एक नये अध्ययन में यह दावा किया गया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर में सिविल इंजीनियरिंग और पृथ्वी विज्ञान के 'विक्रम साराभाई चेयर प्रोफेसर' और अध्ययन के मुख्य लेखक विमल मिश्रा ने बताया कि यह भारत के सबसे बड़े जलाशय इंदिरा सागर बांध की कुल जल भंडारण मात्रा का करीब 37 गुना है। शोधार्थियों ने अध्ययन के दौरान यह पता लगाया कि पूरे उत्तर भारत में 1951-2021 की अवधि के दौरान मानसून के मौसम (जून से सितंबर) में बारिश में 8.5 प्रतिशत कमी आई। इस अवधि के दौरान इस क्षेत्र में सर्दियों के मौसम में तापमान 0.3 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है।

**दरकते पहाड़, उफनती नदियों के बीच मौसम विभाग ने जारी किया रेड अलर्ट**

# उत्तराखंड में बारिश से हाल बेहाल, चारधाम यात्रा रोकी गई

**DEHRADUN (AGENCY) :** दरकते पहाड़, उफनती नदियां और हादसों की आहट... उत्तराखंड में इन दिनों भयावह मंजर दिख रहा है। यहां भारी बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग का जहां रेड अलर्ट है तो सरकार भी आपदा के दृष्टिगत हाई अलर्ट मोड पर है। सुरक्षा तंत्र भी पूरी तरह चौकन्ना है।

इन दिनों पहाड़ों पर हो रही बारिश की वजह से जगह-जगह लैंडस्लाइड का खतरा बढ़ता जा रहा है। बारिश के बीच पहाड़ दरक रहे हैं, जो लोगों के लिए खतरा बन सकते हैं। वैसे तो उत्तराखंड में बारिश के मौसम में पहाड़ों का दरकना कोई बड़ी बात नहीं है। यहां रह रहे लोग भले ही इसके आदी हो गए हों, लेकिन बाहरी लोगों के लिए यह मंजर डरा देने वाला है। इन दिनों चारधाम यात्रा भी थम गई है। उत्तराखंड में भारी बारिश को लेकर मौसम विभाग ने पहले से ही लोगों को आगाह कर दिया है, ताकि वह सुरक्षित रह सकें। राज्य के लोग भी सोच समझकर ही बाहर निकलें।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह ने चारधाम यात्रा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को बारिश के दौरान यात्रा न करने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने कहा है कि जब तक बारिश थम न जाए, आगे की यात्रा न करें। यात्रियों से आग्रह किया गया है कि वह जहां हैं, वहीं पर रहें। किसी भी दशा में आगे बढ़ना खतरे से खाली नहीं है। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी जिलाधिकारियों को हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही भारी बारिश के चलते संभावित आपदाओं के दृष्टिगत लोगों से भी सावधानी बरतने व सुरक्षित स्थलों पर रहने की अपील की है।

वहीं उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ गया है।

हरिद्वार, ऋषिकेश, पिथौरागढ़, बागेश्वर, उत्तरकाशी, चंपावत आदि जिलों में नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। प्रशासन लोगों को नदियों और नालों के पास नहीं जाने की हिदायत दे रहा है। साथ ही नदियों के किनारे रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। बारिश के मौसम में राज्य की कई सड़कें अवरुद्ध हैं।

उत्तराखंड मे बारिश के कारण टूटी सड़क ● फोटोन न्यूज

### बिगड़े मौसम ने यात्रा में डाली रुकावट

उत्तराखंड में मौसम के बिगड़े मिजाज ने चारधाम यात्रा में भारी रुकावट डाल दी है। 10 मई को केदारनाथ, गंगोत्री-यमुनोत्री के कपाट खुलने के साथ चारधाम यात्रा की शुरुआत हुई थी। इसके बाद 12 मई को बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ उत्तराखंड के चारों धामों की यात्रा विधिवत रूप से शुरू हो गई थी परंतु दो माह भी नहीं बीते और मौसम की मार के आगे चारधाम यात्रा को लेकर प्रशासन के सभी इंतजाम धरे के धरे रह गए। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने केदारनाथ और अन्य धामों में हो रही बर्फबारी और भारी बारिश के चलते श्रद्धालुओं को जगह-जगह सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया। गढ़वाल मंडलायुक्त व चारधाम यात्रा प्रशासन संगठन ऋषिकेश अध्यक्ष विनय शंकर पांडेय ने बताया कि चारधाम यात्रियों से अपील की है कि वे सात जुलाई को ऋषिकेश से आगे चारधाम की यात्रा प्रारम्भ न करें। जो तीर्थयात्री जिस जगह पर यात्रा के लिए पहुंच गए हैं, वे उसी स्थान पर विश्राम करें।

# घर के आंगन के उपग्रह से ली गई तस्वीरें होंगी उपलब्ध

**NEW DELHI:** क्या आप अपने घर के आंगन के उपग्रह से तस्वीर लेना चाहते हैं? यह जल्द ही संभव हो सकता है क्योंकि बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष क्षेत्र के स्टार्टअप 'पिक्सल' की एक ऐसा ऑनलाइन सॉफ्टवेयर लाने की योजना है जिससे आप उसके उपग्रहों द्वारा पृथ्वी की खींची गयी तस्वीरों को देख सकते हैं। 'पिक्सल स्पेस' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सह-संस्थापक अवैस अहमद ने यहां 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पृथ्वी निगरानी स्टूडियो शुरू करना अंतरिक्ष आधारित डेटा को बेहद कम शुल्क पर आम आदमी तक उपलब्ध कराने के प्रयासों का हिस्सा है। पिक्सल का यह पृथ्वी निगरानी स्टूडियो 'औरोरा' इस साल के अंत तक शुरू हो सकता है जिससे उपग्रहों द्वारा ली गई पृथ्वी की 'हाइपरस्पेक्ट्रल' छवियों और डेटा विश्लेषण को सभी के लिए सुलभ बनाया जा सकेगा।

अहमद ने कहा, यह 'गूगल अर्थ' इस्तेमाल करने जितना आसान होगा लेकिन उपग्रह से ली गयी छवियां अधिक उन्नत होंगी।'

अहमद उन चुनिंदा उद्यमियों में से एक हैं जो अंतरिक्ष क्षेत्र में उल्लेखनीय काम कर रहे हैं।

अहमद ने कहा, 'तस्वीर लेने का काम हमारे उपग्रहों को सौंपा जाएगा और आप भुगतान कर यह तस्वीर ले सकेंगे।'

BRIEF NEWS

## सीजे ने बासुकीनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

**DUMKA :** झारखंड उच्च न्यायालय के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश डॉ विद्युत रंजन सारंगी ने सपरिवार फौजदारी दरबार बाबा बासुकीनाथ धाम पहुंचकर पूजा अर्चना की। मुख्य न्यायाधीश डॉ सारंगी के बासुकीनाथ धाम पहुंचने पर बासुकीनाथ धाम में विधि व्यवस्था पूरी तरह चुस्त दुरुस्त नजर आई। इस दौरान दुमका के उपायुक्त ए दोड्डे, पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार, जरमुंडी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मंदिर परिसर में मौजूद रहे।

## अवैध शराब कारोबारी को पुलिस ने पकड़ा

**PALAMU :** जपला आरपीएफ ने रांची सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस में छापामारी की। इस दौरान झारखंड से बिहार ले जाई जा रही भारी मात्रा में शराब के साथ मोहम्मदगंज के कदंडा गांव निवासी सूर्यमल कुमार भुइयां की गिरफ्तार किया गया है। आरपीएफ जपला पोस्ट के निरीक्षक राजेश कुमार मीणा और उप निरीक्षक कार्तिक बिंजा के नेतृत्व ने की गई छापामारी में देसी और विदेशी शराब बरामद की गई है। आरपीएफ निरीक्षक राजेश कुमार मीणा ने बताया कि बरामद शराब का मूल्य 55500 बताया है। उन्होंने कहा कि झारखंड से बिहार जाने वाली सभी ट्रेनों में लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

## हॉस्टल में बच्ची की मौत डेंगू से मरने का दावा

**KHUNTI :** सीएम एक्सीलेंस स्कूल के छात्रावास में रह रही तोरपा की 11 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की पहचान मोनिका होरो के रूप में हुई है। बच्ची अम्मा पकना स्थित उलिहातु गांव की रहने वाली थी। बताया जा रहा है कि उसे बुखार था और उसे सदर अस्पताल भेजा गया था लेकिन वहां से उसे रिम्स रेफर कर दिया गया लेकिन रिम्स में बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की मौत डेंगू से होने का दावा किया जा रहा है। लेकिन कोई अधिकारी इस मामले पर कुछ भी खुलकर बोलने को तैयार नहीं हैं।

## जयप्रकाश जनता दल की प्रदेश समिति का विस्तार

**RANCHI :** कांके ब्लॉक चौक शिव मंदिर रोड स्थित जयप्रकाश जनता दल के प्रदेश कार्यालय में सुबोध कुमार की अध्यक्षता में रविवार को हुई बैठक में झारखंड प्रदेश समिति का विस्तार किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री अशोक दास ने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में झारखंड प्रदेश में चुनाव लड़ने का फैसला लिया गया है एवं समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए हमारा संगठन प्रमुखता से कार्य करेगी। साथ ही लोहिया, जयप्रकाश नारायण, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, कपूर्री ठाकुर के आदर्शों पर जेपी जनता दल कार्य करेगी। प्रदेश अध्यक्ष सुबोध कुमार ने कहा कि सड़क से लेकर सदन तक गरीबों की आवाज जेपी जनता दल बनेगी।

### शहर के नौ स्थानों से निकली भव्य रथयात्रा, भक्तिमय रहा वातावरण

# भगवान जगन्नाथ के उद्घोष से दिनभर गूंजती रही लौहनगरी

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** महाप्रभु भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा का रथ रविवार को शहर में धूमधाम से निकला, जिसमें लौहनगरी जय जगन्नाथ के उद्घोष से गूंजती रही। शहर के 9 स्थानों से भव्य रथ यात्रा निकली, जिसमें इस्कॉन द्वारा राम मंदिर बिष्टुपुर, बेल्डीह नागा मंदिर, उत्कल एसोसिएशन साकची, गांधी आश्रम न्यू बाराद्वारी, कालीबाड़ी नामदा बस्ती गोलमुरी, बड़ा हनुमान मंदिर मानगो, गीता भवन सोनारी, रथ गली जुगसलाई और जगन्नाथ मंदिर परसुडीह शामिल थे। सभी स्थानों पर भगवान की पूजा-अर्चना के बाद दोपहर करीब तीन बजे सुसज्जित रथ पर आरूढ़ कर भगवान को नगर भ्रमण कराया गया। इस दौरान सड़क किनारे श्रद्धालुओं ने महाप्रभु से आशीर्वाद मांगा, जबकि जाने-माने लोगों ने भगवान की सेवा कर आशीर्वाद मांगा। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने उत्कल एसोसिएशन सहित अन्य स्थानों पर रथयात्रा में शामिल हुए। इसके साथ ही भगवान मौसी बाड़ी चले गए, जहां से 8 दिन बाद घुरती रथ निकलेगी। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि प्रभु जगन्नाथ, भगवान विष्णु के अवतार और कृष्ण के स्वरूप माने जाते हैं। रथयात्रा परिवार के सदस्यों के साथ जीवन की यात्रा का प्रतीक है। मंदिर से भगवान का उदय पृथ्वी पर सामान्य मनुष्यों के बीच उनकी उपस्थिति का प्रतीक है, यह पर्व हमारे अतुल्य भारत में अनेकता में एकता का उदाहरण है। महाप्रभु श्री जगन्नाथ, सुभद्रा एवं बलभद्र की ईश्वरीय त्रिमूर्ति हम सभी का जीवन सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं धन-धान्य से परिपूर्ण करें।

रथयात्रा में शामिल श्रद्धालु। ● फोटोन न्यूज

## लोहरदगा के ठाकुरबाड़ी और जगन्नाथ स्वामी मंदिरों में उमड़ा भक्तों का सैलाब

मंदिर परिसर में जुटे भक्त। ● फोटोन न्यूज

**LOHARDAGA :** जिले के सभी ठाकुरबाड़ी मंदिरों और प्रभु जगन्नाथ स्वामी के मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान परंपरानुसार संपन्न हुआ। भगवान जगन्नाथ स्वामी, बहन शुभद्रा और भाई बलभद्र का भव्य श्रृंगार किया गया। ठाकुरबाड़ी मंदिरों में पौ फटने के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई। ठाकुर बाड़ी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए श्री शंकर न्यास ट्रस्ट के स्वयंसेवकों ने व्यवस्था की कमान संभाल रखी थी। संध्या काल में प्रभु की रथ यात्रा धूमधाम से निकाली गई। भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र और बहन शुभद्रा के साथ रथ पर आरूढ़ हो मौसी के घर घूमने गए। श्रद्धालुओं द्वारा भगवान का रथ बड़े उत्साह और श्रद्धा भाव के साथ खींचा गया। नौ दिनों के पश्चात प्रभु घर लौटेंगे। ठाकुरबाड़ी के अलावा नगर के तिवारी दुरा मंदिर और तेतरतर स्तिथ मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रभु का दर्शन और पूजा अर्चना किया।

# छावनी परिषद के खिलाफ होगा चरणबद्ध आंदोलन

आंदोलन के लिए बैठक करते किसान। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS RAMGARH :** रामगढ़ छावनी परिषद के अधिकारी किसानों और सब्जी विक्रेताओं के लिए परेशानी की जड़ बन चुके हैं। अक्सर सब्जी विक्रेताओं के साथ उनके कर्मी बदतमीजी करते हैं। सब्जी बेचने आने वाले महिला और पुरुषों को कोई स्थाई जगह तक नहीं मुहैया कराई जाती। छावनी परिषद की अधिकारियों को इन सारी बातों की जानकारी तो है, लेकिन कोई पहल नहीं करते। लिहाजा अब किसानों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। रविवार को शहर के पटेल छात्रावास में किसानों और सामाजिक कार्यकताओं की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक की अध्यक्षता वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मनोज कुमार महतो और संचालन द्वारिका प्रसाद ने किया। इस दौरान सर्वसम्मति से किसान सहयोग समिति का गठन किया गया। यह समिति किसानों के लिए चरणबद्ध आंदोलन चलाएगी। आंदोलन की शुरूआत छावनी परिषद के सीईओ को ज्ञापन देने से की जाएगी। सोमवार को किसान सहयोग समिति का प्रतिनिधिमंडल ज्ञापन के माध्यम से स्थाई डेली मार्केट निर्धारित करने, शौचालय , शेड तथा पीने के लिए स्वच्छ पानी आदि मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने की मांग करेगा। ज्ञापन देने के लिए मुर्रम कला, कांकेबार, चेटर, गोसा, बूढ़ाखुखरा, गंडके, गोडातू , दोहाकातू, उसरा, जमीरा , बहातू, चाहा, छत्तर, कुन्दरू, बारलौंग, कोठार, कैथा, हहूवा , गोबरदरहा आदि गावों के सैंकड़ों की संख्या में समाजसेवी, बुद्धिजीवी ,किसान आदि शामिल होंगे ।

# मरम्मत के दौरान गिरा मकान, मलबे में दबने से एक महिला की मौत, एक घायल

**PHOTON NEWS KHUNTI :** जिले के अड़की प्रखंड क्षेत्र में मरम्मती के दौरान एक किसान का मकान गिर गया। मकान के मलबे में दबने से किसान की पत्नी की मौत हो गई। वहीं उनका एक बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। दो अन्य बेटों को मामूली चोटें आई हैं। घटना अड़की प्रखंड क्षेत्र के के पुरनानगर की है। मृतिका की पहचान किसान युधिष्ठिर की पत्नी बिनीता देवी के रूप में हुई है। वहीं उनका 15 वर्षीय बेटा रूपेश प्रमाणिक गंभीर रूप से घायल हो गया है। वहीं महादेव प्रमाणिक और विशाल प्रमाणिक को मामूली चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार बताया जा रहा है कि यह घटना उस समय हुई जब किसान युधिष्ठिर प्रमाणिक बारिश से बचने के लिए कुछ लोगों के साथ अपने घर की मरम्मत करवा रहे थे, तभी अचानक मिट्टी की दीवार गिर गई। जिसके कारण युधिष्ठिर की पत्नी और दो बच्चे खपेड़ल घर के नीचे दीवार में दब गए। शोरगुल सुनकर ग्रामीण जुटे और मिट्टी में दबे लोगों को बाहर निकाला गया और तुरंत सभी को रिम्स ले जाया गया। रिम्स में महिला की मौत हो गई जबकि 15 वर्षीय बेटा जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। इस हादसे में दो अन्य बेटे भी घायल हो गए हैं। इस हादसे के बाद अड़की प्रखंड क्षेत्र के समाजसेवी गरीब किसान की मदद के लिए आगे आए हैं। पूरनानगर के समाजसेवी कमलेश प्रमाणिक ने बीडीओ और थाना प्रभारी को घटना की जानकारी देते हुए सरकारी लाभ दिलाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि युधिष्ठिर और उसका परिवार मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था।

क्षतिग्रस्त मकान। ● फोटोन न्यूज

## युवक को गोली मारने के दो आरोपी गिरफ्तार

**RAMGARH :** पुलिस ने भुरकुंडा ओपी क्षेत्र में गोलीबारी करने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें सायल शिवाजी रोड निवासी शिवराज उर्फ शिवा और सायल पीपला सेंटर निवासी विक्रम कुमार शामिल हैं। एसपी डॉ बिमल कुमार ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि पांच जुलाई को पोड़ा गेट के पास रात 9:00 बजे ओमप्रकाश शाह पर गोली चली थी। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसका इलाज अभी भी मेदांता अस्पताल में चल रहा है। उन्होंने बताया कि ओम प्रकाश शाह और शिवराज और शिवा के बीच आपसी रंजिश थी, जिसकी वजह से उसने उसपर गोली चलाई। इस मामले में तत्काल पतरातू इंस्पेक्टर योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में एक टीम बनाकर जांच शुरू की गई।

# निर्दयी मां ने जंगल में ले जाकर दो मासूम बच्चों को जहर देकर की हत्या

**PHOTON NEWS GIRIDIH :** गिरिडीह में एक निर्दयी मां ने अपने दो मासूम बच्चों की हत्या जहर देकर कर दी। 8 साल की राधिका सोरेन और 6 साल के मासूम सचिन सोरेन को उनकी निर्दयी मां सोना देवी ने पीरटांड़ थाना के जंगल में ले जा कर जहर खिलाई, और दोनों की मौत हो गई। ये दोनों मासूम के पिता सुख लाल सोरेन को भी पता नहीं चला। क्योंकि, वो खाना खा कर रात में सो गया था। वही दूसरे दिन रविवार की सुबह जब कुछ ग्रामीण पशु चराने जंगल गए, तो देखा कि जंगल के नाले में दोनों मासूम का शव फेंका हुआ है। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी सुख लाल सोरेन को दिया। तो पिता सुख लाल सोरेन अपने दोनों बच्चो के शव को देख कर वही बेसुध हो गया। गनीमत तो ये रहा कि दोनों मासूम के शव पर किसी जंगली जानवर की नजर नहीं पड़ा। वही आरोपी मां सोना देवी अपने तीसरे मासूम को लेकर फरार हो गई। लेकिन दोनों मासूम की हत्या कर और अपने तीसरे मासूम को लेकर कहा फरार हुई। ये भी स्पष्ट नहीं हुआ है। घटना पीरटांड़ थाना इलाके के धावाटांड गांव का है तो पीरटांड़ पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। वही एसडीपीओ सुमित प्रसाद भी मामले में नजर रखे हुए है। लेकिन 8 साल की मासूम राधिका सोरेन और 6 साल के सचिन सोरेन की मां सोना देवी ने हत्या क्यों की, और अपने तीसरे मासूम को लेकर फरार क्यों हुई। इस दौरान जानकारी मिलने के बाद पीरटांड़ थाना प्रभारी भी घटनास्थल पहुंच कर जांच में जुट गए।

घटना की जानकारी होने पर दुखी ग्रामीण। ● फोटोन न्यूज

# एक ही परिवार के तीन युवकों को ट्रक ने रौंदा, एक की मौत

घटना के बाद गमगीन परिजन। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS DUMKA :** जिले के जामा थाना क्षेत्र के महारो मोड़ पर ओवरब्रिज के नीचे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक से जा रहे एक परिवार के तीन युवकों को रौंद दिया। जिसमें एक की मौत हो गई जबकि दो गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे में ट्रक का चालक भी घायल है। सभी घायलों का इलाज चल रहा है। दरअसल दुमका जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मुखराली गांव के एक परिवार के तीन युवक नयन पाल, चयन पाल और मिथुन पाल जो आपस में चचेरे भाई हैं, शनिवार की शाम अपने फूफा के घर गये थे। उनके यहां दो दिवसीय नाग पूजा का आयोजन था। शनिवार रात तीनों ने पूजा के अवसर पर आयोजित भंडारे में भाग लिया और आज वहां से अपने घर मुखराली लौट रहे थे। वे अपने घर से महज 6-7 किलोमीटर दूरी पर थे कि उसी वक्त दुमका शहर की ओर से आ रहे एक ट्रक ने उसकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया।

## खिड़की तोड़कर घर में घुसे चोर, लाखों के जेवर उड़ाए

**RAMGARH :** रामगढ़ थाना क्षेत्र के डूबाखेत मोहल्ले में चोरों ने एक घर से लाखों रुपए के जेवर चुरा लिए हैं। इस मामले में रविवार को घर की मालकिन गुंजन कुमारी के द्वारा रामगढ़ थाने में प्राथमिक की दर्ज कराई गई है। गुंजन कुमारी ने पुलिस को बताया है कि शनिवार की रात वह अपने घर में बच्चों के साथ सोई हुई थी। जब सुबह उनकी नींद खुली तो उन्होंने देखा कि उनके घर का एक खिड़की टूटा हुआ है। जब उन्होंने अन्य कमरों की छानबीन की तो पता चला कि उनके घर में रखे दो आलमारी और चार बक्सों का ताला चोरों ने तोड़ दिया है। अलमारी और बक्से में रखे लाखों रुपए के जेवर चोर उड़ा ले गए हैं। चोरी गए जेवर में सोने का हार, मंगलसूत्र, गले का चेन, मांग टीका, अंगूठी, कंगन, पायल व अन्य जेवर शामिल हैं।

# लोहरदगा में बढ़े सर्पदंश के मामले प्रतिदिन अस्पताल पहुंच रहे मरीज

**PHOTON NEWS LOHARDAGA :** जिले में सर्पदंश के मामले में अचानक बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2024 में अब तक सर्पदंश से पांच लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं पिछले माह जून में सर्पदंश के 38 मामले सामने आए थे। जुलाई में भी लगभग हर दिन सर्पदंश के मामले आ रहे हैं। इस कारण लोग सहमे हुए हैं। जून के महीने से सर्पदंश के मामलों में बढ़ोतरी का जो सिलसिला शुरू हुआ था, वह अब भी जारी है। हर दिन लोहरदगा सदर अस्पताल में दो से तीन सर्पदंश के मामले पहुंच रहे हैं।ज्यादातर मामलों में देखा जाता है कि सांप के डसने के बाद लोग इलाज कराने की बजाय अंधविश्वास के चक्कर में झाड़-फूंक कराते हैं। जिसकी वजह से लोगों की मौत हो जाती है। वहीं कई बार सांप के काटने के बाद लोग डर के कारण अटैक से मर जाते हैं। लोहरदगा में विशेष रूप से दो खतरनाक जहरीले सांप पाए जाते हैं। जिसमें कोबरा और करैत शामिल है। साल 2024 में कोबरा और करैत के काटने के कई मामले सामने आए हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस साल बरसात में ही नहीं, बल्कि गर्मी के मौसम में भी सर्पदंश के मामले काफी अधिक सामने आए थे। ज्यादा गर्मी पड़ने की वजह से धरती गर्म होने लगी और सांप बाहर आने लगे थे। जिसकी वजह से सर्पदंश के मामले बढ़ गए थे। राहत वाली बात यह है कि लोहरदगा सदर अस्पताल से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक में एंटी स्नेक वेनम उपलब्ध है। गंभीर विषय यह है कि ज्यादातर लोग सांप काटने के बाद इलाज कराने की बजाय झाड़-फूंक पर ज्यादा ध्यान देते हैं।

## दो गुटों में जमकर हुई मारपीट, मामला दर्ज

**RAMGARH :** शहर का पंचवटी अपार्टमेंट का पार्क शनिवार की रात जंग का मैदान बन गया। यहां दो गुटों में जमकर मारपीट हुई। कोई बैट-विकेट लेकर तो कोई गमला फेंक कर जानलेवा हमला कर रहा था। किसी के हाथ में चाकू था तो किसी के हाथ में बेल्ट। इस मामले में दोनों गुटों की तरफ से रविवार को रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पहली प्राथमिक नानक ढाबा होटल के मालिक जितेंद्र सिंह पवार ने दर्ज कराई है। इस प्राथमिक में उन्होंने कहा है कि वह जब पार्क में पहुंचे तो अरुण गोयल ने गमला फेंक कर उन पर जानलेवा हमला किया। साथ ही उनके साथ मारपीट की। जब राजेश कुमार उन्हें रोकने गए तो उन्हें भी बेल्ट से पीटा गया। इसके बाद उनके बेटे और भतीजे भी जब वहां पहुंचे तो अरुण गोयल के द्वारा उन दोनों की भी पिटाई की गई।

### कार्यकर्ता भाजपा की रीढ़, कांग्रेस-झामुमो-राजद परिवार की पार्टी: बाबूलाल मरांडी

# अंगवस्त्र देकर सम्मानित किए गए बीजेपी कार्यकर्ता

**PHOTON NEWS GIRIDIH :** रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गिरिडीह स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के सभागार में पार्टी कार्यकर्ता सम्मान कार्यक्रम एवं विजय संकल्प सभा को संबोधित किया। मरांडी ने अंगवस्त्र एवं पटका देकर बूथ के कार्यकताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की पूंजी है। केवल चुनाव ही नहीं, बल्कि दिन-प्रतिदिन होने वाले सांगठनिक कार्यक्रमों को कार्यकर्ता ही सफल बनाता है। अभियान को पूरा करता है। मरांडी ने कहा कि ऐसे कार्यकर्ता ही भाजपा की ताकत हैं। वैचारिक लड़ाई को आगे बढ़ाने के सहयोगी हैं। ऐसे कार्यकताओं के बल पर ही देश में तीसरी बार मोदी सरकार का संकल्प पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि इंडी एलायंस ने दुष्प्रचार की पराकाष्ठा कर दी। क्या-क्या नहीं कहा। संविधान बदलने से लेकर आरक्षण खत्म करने का दुष्प्रचार किया। लोगों को भड़काए लेकिन जनता ने भाजपा एनडीए को वोट दिया। साथ ही कहा कि भाजपा कार्यकताओं की पार्टी है जबकि कांग्रेस-झामुमो-राजद परिवार की पार्टी है। मरांडी ने कहा कि नेताओं को तो रोज सम्मानित किया जाता है लेकिन कार्यकर्ता चुपचाप काम में जुटा रहता है। जनता के सवालों से जूझता है। जनप्रतिनिधियों से संबंधित शिकायतों को सुनता है और सब कुछ सहन कर जनता की सेवा में जुटा रहता है। समस्याओं के समाधान में हर संभव प्रयास करता है। मरांडी ने कहा कि झारखंड में एनडीए को 81 लाख से ज्यादा वोट मिले जबकि इंडी एलायंस 61 लाख पर ही सिमट गया। राज्य की नौ लोकसभा सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों की जीत हुई। 52 विधानसभा क्षेत्रों में एनडीए की जीत हुई। राज्य में सत्ताधारी गठबंधन के तत्कालीन मुख्यमंत्री सहित सातमंत्री अपने-अपने क्षेत्रों में इंडी एलायंस के प्रत्याशी को जीत नहीं दिला सके। मरांडी ने कहा कि जनता का इशारा और इरादा स्पष्ट है। जनता ठगबंधन सरकार के लूट, भ्रष्टाचार, वादा खिलाफी से ऊब चुकी है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार भारत की सबसे भ्रष्ट सरकार है। आज विकास के काम ठप हैं। विधि व्यवस्था ध्वस्त है। पुलिस प्रशासन केवल उगाही में लगा है। किसी कार्यालय में बिना पैसे का कोई काम नही हो सकता। बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। व्यापारियों को जेल से धमकी मिलती है। रंगदारी नहीं देने पर जान खतरे में है। पिछले साढ़े चार वर्षों में एक भी उद्योग राज्य में नहीं लगा। मरांडी ने कहा कि शिबू सोरेन परिवार को सत्ता की भूख ऐसी कि बिना कोई आरोप के अपने ही मुख्यमंत्री को इस्तीफा देने के लिए बाध्य कर दिया। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन परिवार को राज्य को लूटने के लिए सत्ता चाहिए उन्हें जनता के विकास से कुछ भी लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि जैसे लोकसभा चुनाव में इंडी एलायंस को धूल चटाई है वैसे ही विधानसभा चुनाव में अपने परिश्रम और प्रभाव से झारखंड से भी भ्रष्ट निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकना है। मरांडी ने कहा कि भाजपा ने जैसे राज्य बनाया है वैसे ही राज्य का विकास भाजपा और एनडीए सरकार ही कर सकती है।

कार्यकर्ता सम्मान कार्यक्रम में उपस्थित बाबूलाल मरांडी व अन्य भाजपा नेता। ● फोटोन न्यूज

# 'सरकार में आते ओबीसी समाज को देंगे अधिकार'

**PHOTON NEWS RANCHI :** पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने कहा कि इस राज्य की एक बड़ी आबादी के साथ इस राज्य की सरकार खिलवाड़ कर रही है। राज्य सरकार ने चुनावी घोषणा में वादा किया था कि जैसे ही सरकार में हम आएंगे 6 माह के अंदर ओबीसी समाज का अधिकार देने का काम करेंगे। लेकिन सरकार के विदाई वर्ष में भी इस राज्य के ओबीसी समाज के साथ लॉलीपॉप दिखाने का काम किया गया। वे रविवार को ओबीसी एकता अधिकार मंच के अरगोड़ा स्थित केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस सरकार में बैठे मंत्री और मुख्यमंत्री केवल घोषणाएं करते हैं, धरातल पर एक भी काम नहीं हो रहा है और ओबीसी समाज को छला जा रहा है। हम ओबीसी समाज की लड़ाई को मजबूती के साथ विधानसभा में रखने का काम करेंगे और हम ओबीसी समाज के लोगों से आग्रह करते हैं कि इस लड़ाई को मजबूती के साथ एकजुटता के साथ खड़ा होकर लड़ाई लड़े ताकि ओबीसी समाज का हक अधिकार मिल सके। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि ओबीसी समाज के साथ हम कंधों से कंधा मिलाकर चलेंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित सुदेश महतो।

BRIEF NEWS

## एडीजी अभियान आज करेंगे समीक्षा बैठक

**RANCHI :** एडीजी अभियान कल सोमवार को जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी और जिलों के एसएसपी व एसपी के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इस बैठक में डायल-112 इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम (इआरएसएस) के कार्यों से संबंधित छह बिंदुओ पर चर्चा होगी। गौरतलब है कि डायल-112 एक इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम (इआरएसएस) है। यह केंद्र की महत्वाकांक्षी योजना है। इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से किसी भी मुसीबत में सिर्फ एक ही नंबर याद रखना होगा और किसी भी समय कॉल कर पुलिस की सहायता ले सकते हैं। वर्तमान में अपराध संबंधित सूचना के लिए डायल-100, आग लगने की स्थिति में डायल 101 और एंबुलेंस के लिए डायल 108 पर संपर्क करना पड़ रहा है।

## सम्मान समारोह 14 को

**RANCHI :** झारखंड साहित्य अकादमी स्थापना संघर्ष समिति के समारोह का आयोजन रांची प्रेस क्लब में 14 जुलाई को आयोजित किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष शिरोमणि महतो व महासचिव नीरज नीर ने बतया कि दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक आयोजित इस कार्यक्रम में 12 साहित्यकारों को सम्मानित किया जाएगा। सम्मानित होने वाले साहित्यकारों में बिरसा मुंडा शिखर सम्मान- जयनंदन, जमशेदपुर को समग्र साहित्यिक अवदान के लिए दिया जाएगा।

## एनएसएस स्वयंसेवकों ने लगाए 221 पौधे

**RANCHI :** रांची विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से आयोजित वन महोत्सव सप्ताह के तहत- एक पेड़ मां के नाम, कार्यक्रम में रविवार को गवर्नमेंट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, कांके के परिसर में वृहद पैमाने पर पौधरोपण अभियान सह जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इसका नेतृत्व रांची विश्वविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार ने किया। बतौर मुख्य अतिथि वाईबीएन विश्वविद्यालय के निदेशक रामजी यादव, मौजूद थे। कार्यक्रम के तहत कॉलेज महाविद्यालय परिसर में जामुन, नीम, पीपल, अमरूद, आंवला, अशोक, अर्जुन, गुलमोहर आदि के 221 पौधे एनएसएस स्वयंसेवकों ने लगाए और उनका संरक्षण करने का भी संकल्प लिया।

## अनुबंध कर्मियों की मांग पूरी नहीं हुई तो 20 से आंदोलन

**RANCHI :** झारखंड राज्य अनुबंध कर्मचारी महासंघ झारखंड के केंद्रीय समिति की बैठक प्रेस क्लब रांची में विक्रांत ज्योति की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक का संचालन सुशील कुमार पाण्डेय केंद्रीय संयुक्त सचिव ने किया। बैठक में उपस्थित विभिन्न विभागों के संविदा कर्मियों ने एक स्वर में कहा कि वर्तमान सरकार विगत पौने पांच वर्षों के कार्यकाल में संविदा संवाद में दिए गए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के वक्तव्यों का अनुपालन नहीं हो सका।

### सियासी गलियारों में मंत्री बनने वाले विधायकों के नामों की चर्चा तेज

# आज विस में बहुमत साबित करेंगे हेमंत, कैबिनेट का होगा विस्तार

**PHOTON NEWS RANCHI :** सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड विधानसभा में अपना बहुमत साबित करना है। विधानसभा में विभिन्न दलों के विधायकों की संख्या के आधार पर देखें तो उनकी जीत आसान है। इस बीच सियासी गलियारों में ऐसी सूचना तैर रही है कि बहुमत साबित करने के बाद हेमंत सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार सोमवार को ही या मंगलवार को हो सकता है।

**कल्पना भी बन सकती है मंत्री :** इसके साथ झारखंड में मंत्री बनने वालों की नाम पर भी चर्चा तेज हो गई है। चर्चा यहां तक है कि हेमंत सोरेन की पत्नी व गांडेय विधायक कल्पना सोरेन को भी मंत्री बनाया जा सकता है। मंत्रिमंडल विस्तार पर जेएमएम प्रवक्ता मनोज पांडेय के अनुसार, इस बार जेएमएम से एक नए मंत्री का चेहरा सामने आ सकता है। दरअसल हाल के दिनों में सोरेन के जेल जाने के बाद कल्पना सोरेन जिस तरह से झारखंड की राजनीति में सक्रिय हुई हैं, उसके मुताबिक आने वाले दिनों उन्हें निश्चित तौर पर कोई बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है।

### बैद्यनाथ राम बन सकते हैं 12वां मंत्री

सोरेन मंत्रिमंडल में सीएम को छोड़कर 6-4-1 के फॉर्मूले के तहत कैबिनेट का विस्तार होगा। मतलब सोरेन कैबिनेट में इस बार 6 जेएमएम, 4 कांग्रेस और 1 आरजेडी कोट से मंत्री बन सकते हैं। नए कैबिनेट में मिथिलेश ठाकुर, बसंत सोरेन, दीपक बिरुआ, हफीजुल हसन, बेबी देवी, सत्यानंद भोक्ता का मंत्री बनना तय माना जा रहा है। जेएमएम से बैद्यनाथ राम को 12वें मंत्री के तौर पर मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है।

### इरफान अंसारी का मंत्री बनना लगभग तय

हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल में कांग्रेस के जिन विधायकों के शामिल होने की चर्चा है, उनमें डॉ. इरफान अंसारी का नाम भी शामिल है। जामताड़ा विधायक इरफान का मंत्री बनना लगभग टाइम माना जा रहा है। बता दें कि टेंडर कमीशन घोटाला में आलमगीर आलम की गिरफ्तारी और फिर मंत्रिपद से इस्तीफे के बाद कांग्रेस कोटे के 3 ही मंत्री रह गए थे। आलमगीर आलम की जगह नया मंत्री बनाया जाना था। अब अल्पसंख्यक समुदाय से इरफान अंसारी ही एकमात्र विधायक हैं, इसलिए उन्हें मंत्री बनाया जाएगा।

### भाजपा नेता कुणाल ने पार्टी से किया रिजाइन

रविवार को भारतीय जनता पार्टी के नेता कुणाल षाड़ंगी ने पार्टी से रिजाइन कर दिया है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर उन्होंने अपने इस्तीफे की कॉपी पोस्ट करके यह जानकारी दी है। इस्तीफे की प्रति कुणाल षाड़ंगी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह को भी भेजी है। बता दें कि कुणाल ने 4 जुलाई को हेमंत सोरेन के शपथ लेने पर उनको सोशल मीडिया साइट एक्स के जरिए बधाई दी थी। हेमंत सोरेन को भैया कहकर संबोधित किया था। कुणाल षाड़ंगी ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को संबोधित पत्र में लिखा है- पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्याग पत्र। उन्होंने कहा है कि गहन चिंतन एवं आत्ममंथन करने के बाद यह फैसला किया है। पत्र में लिखा है कि पिछले कई महीने से महसूस कर रहा हूं कि कई बार पूर्वी सिंहभूम जिले की बुनियादी समस्याओं से जुड़े विषयों और संगठनात्मक विषयों को आप तक पहुंचाया। जब प्रदेश प्रवक्ता के पद से

कुणाल षाड़ंगी ● फोटोन न्यूज

इस्तीफा दिया था, तो मुझे उम्मीद थी कि मैंने जो विषय पार्टी के समक्ष रखे हैं, उसका पार्टी संज्ञान लेगी, लेकिन दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि स्थिति आज भी जस की तस बनी हुई है। कुणाल ने कहा है कि पूर्वी सिंहभूम जिले की जनता के हित में जरूरी है कि मैं उनकी आवाज को जोरदार तरीके से बुलंद करूं। उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाऊं, भाजपा में रहकर मैं ऐसा कर पाऊंगा, ऐसा मुझे नहीं लगता। इसलिए आपसे आग्रह है कि मेरा इस्तीफा स्वीकार करें।

### अस्पताल में भर्ती, स्थिति गंभीर

# पूर्व पार्षद वेद सिंह को अपराधियों ने मारी गोली

अस्पताल में बाहर जुटे लोग। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS RANCHI :** पूर्व पार्षद को अपराधियों ने गोली मार दी है जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। धुर्वा थाना क्षेत्र में अपराधियों ने ये दुस्साहस की है। अपराधियों ने पूर्व पार्षद वेद सिंह को सरेशाम गोली मार दी। वेद सिंह पर अपराधियों ने उस वक्त हमला किया जब वे रविवार की शाम धुर्वा बस स्टैंड के पास स्थित एक चाय दुकान में बैठे हुए थे। इसी दौरान तीन हमलावर मौके पर पहुंचे और ताबड़तोड़ गोलियां चलाना शुरू कर दिया। अपराधियों के द्वारा की गई गोलीबारी में वेद सिंह को तीन गोली लगने की सूचना है।

### रेकी कर मारी गोली

वेद सिंह धुर्वा के जाने माने व्यक्ति हैं, वह हर रोज शाम में समय मे बस स्टैंड स्थित चाय दुकान पर आकर बैठा करते थे। वेद सिंह पर हमला करने के लिए अपराधियों ने रेकी की थी, अपराधी जानते थे की वेद सिंह हर दिन चाय दुकान पर आते हैं, इसीलिए वहीं पर उन पर हमला किया गया।

स्थानीय लोगों के द्वारा वेद सिंह को नजदीक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। गोलीबारी के समय चाय दुकान में भगदड़ मच गई, इसी क्रम में गोली मारने वाले अपराधी का पिस्टल भी मौके पर गिर गया।

## जिलों में तैनात 10 एसआई का विशेष शाखा में तबादला

**RANCHI :** राज्य के जिलों में तैनात 10 एसआई का तबादला विशेष शाखा किया गया है। डीजीपी के आदेश पर डीआईजी कार्मिक ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है। विशेष शाखा के अनुरोध पर यह तबादला किया गया है। इसमें बोकारो जिलाबल में तैनात एसआई अशोक कुमार सिंह, प्रदुम्न सिन्हा, रांची जिलाबल में तैनात एसआई अभय कुमार ओझा, बंधन तिर्की, सुनील कुमार, जमशेदपुर जिलाबल में तैनात एसआई जीतवाहन महतो, विराज हेंब्रम, धनबाद जिलाबल में तैनात एसआई रणवीर कुमार सिंह, सुक्का उरांव और साहेबगंज जिलाबल में तैनात अनिल उरांव का तबादला विशेष शाखा रांची किया गया है। संबंधित एसएसपी ओर एसपी को अविलम्ब विरमित करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही अनुपालन प्रतिवेदन भी मांगा गया है।

# सीआईडी ने की थानेदार सहित तीन पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की अनुशंसा

**PHOTON NEWS RANCHI :** कैरेक्टर वेरीफिकेशन में लापरवाही बरतने के मामले में बरियातू थानेदार पर सीआईडी ने कार्रवाई के लिए पुलिस मुख्यालय से अनुशंसा की है। सीआईडी के द्वारा बरियातू थानेदार सहित तीन पुलिसकर्मियो को निलंबित करने की अनुशंसा की गई है। रांची के जाने-माने बाल अधिकार कार्यकर्ता बैद्यनाथ कुमार ने बरियातू थानेदार सुरेश मंडल, सब इंस्पेक्टर मोहम्मद आफताब और थाने के मुंशी उदयकांत के खिलाफ सीआईडी में शिकायत दर्ज कराई थी। सीआईडी को दिए आवेदन में बैद्यनाथ कुमार ने यह लिखा था कि उन्हें एक आवश्यक कार्य के लिए चरित्र प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। चरित्र प्रमाण पत्र के सत्यापन के लिए उनके कागजात को बरियातू थाना भेजा गया था। चरित्र प्रमाण पत्र को लेकर बैद्यनाथ कई बार बरियातू थाना गए, लेकिन उनकी मुलाकात बरियातू थानेदार से नहीं हो पा रही थी। बैद्यनाथ के अनुसार 6 मई को उन्हें थाने से फोन कर बुलाया गया। थाना पहुंचने के बाद बैद्यनाथ सीधे बरियातू थाना प्रभारी सुरेश मंडल से मिले तो थाना प्रभारी ने बैद्यनाथ को मुंशी उदयकांत से मिलने के लिए भेज दिया। मुंशी उदयकांत ने बैद्यनाथ को बताया कि आपके खिलाफ कई सारे केस दर्ज हैं। इस पर बैद्यनाथ ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि इसी थाने से कई बार उनका चरित्र प्रमाण पत्र जारी हो चुका है, लेकिन मुंशी ने बैद्यनाथ से कहा कि वह जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर आफताब से जाकर मुलाकात कर लें। बैद्यनाथ का आरोप है कि इस दौरान मुंशी ने उनके साथ अभद्र व्यवहार भी किया। वहीं जब बैद्यनाथ ने सब इंस्पेक्टर आफताब से मुलाकात की तो सब इंस्पेक्टर ने कहा कि आपका कैरक्टर सर्टिफिकेट पूर्व में बनाने वाले पदाधिकारी आपके रिश्तेदार होंगे, मैं तो आपके खिलाफ रिपोर्ट कर रहा हूं।

### कैरेक्टर वेरिफिकेशन में गड़बड़ी का मामला

## पुलिस जीप दीवार से टकराई तीन पुलिसकर्मी हुए घायल

**RANCHI :** रांची पुलिस की जीप दीवार से टकरा गयी। इस हादसे में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गये। यह हादसा शनिवार की देर रात करीब दो बजे बरियातू थाना क्षेत्र के चाचा पराठा के पास हुई है। जहां बरियातू थाना की पुलिस जीप अनियंत्रित होकर एक दीवार से जा टकरायी। इस हादसे में ड्राइवर सहित तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। घायलों में ड्राइवर अशोक उरांव, जमादार उदयकांत और एक अन्य जवान शामिल हैं। सभी को इलाज के लिए रिम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि जमादार उदयकांत शनिवार की रात एक जवान और ड्राइवर को लेकर रात्रि पेट्रोलिंग के लिए निकले थे। करीब दो बजे सभी पेट्रोलिंग कर वापस लौट रहे थे, इसी दौरान ड्राइवर को झपकी आ गयी और जीप अनियंत्रित होकर सीधे सामने की दीवार से जा टकरायी। हादसे में पुलिस की जीप भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी।

# हरिओम टावर से कूदकर छात्र ने की आत्महत्या

**PHOTON NEWS RANCHI :** लालपुर थाना क्षेत्र के सर्कुलर रोड स्थित हरिओम टावर से छलांग लगाकर शनिवार देर रात एक छात्र अंकित ने आत्महत्या कर ली। लातेहार जिले का रहने वाला अंकित रांची के मारवाड़ी कॉलेज में बीकॉम की पढ़ाई कर रहा था। वह रांची के पंडरा इलाके में रहता था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रविवार को शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया जायेगा।

सुसाइड नोट में लिखा-अब कोई रास्ता नहीं बचा : अंकित की जेब से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस के अनुसार, सुसाइड नोट में बहुत कुछ स्पष्ट तो नहीं है, लेकिन इतना जरूर लिखा है कि वह काफी दिनों से परेशान चल रहा था और अब उसके पास कोई

रास्ता नहीं बचा है। उसने सुसाइड नोट में यह भी लिखा है कि उसकी आत्महत्या के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। उसने परिवार वालों को अच्छे से रहने और दादी का ख्याल रखने को कहा है। हरिओम टावर के गार्ड ने बताया कि टावर की सभी दुकानें लगभग बंद थीं, उसी दौरान कुछ गिरने की तेज आवाज आई। जाकर देखा तो जमीन पर एक युवक पड़ा था, जिसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। सुसाइड नोट में अपने परिवार के मोबाइल नंबर का उल्लेख था, जिसके माध्यम से पुलिस ने संपर्क कर घटना की सूचना परिजनों को दी। अंकित के पिता पेशे से ड्राइवर हैं।

# रंगा-बिल्ला समेत छह धराए बच्चों से करवाते थे चोरी

**PHOTON NEWS RANCHI :** राजधानी रांची में बच्चों का गैंग बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम दिलाने वाले गिरोह का खुलासा हुआ है। रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा की अगुवाई में गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमे से एक नाबालिग है। रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि 13 जून की रात टाटा सिल्वर स्थित मिश्रा कम्युनिकेशन नाम की मोबाइल दुकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। इस मामले में एक नाबालिग सहित कुल 6 लोगों को पकड़ा गया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से आईफोन सहित 31 से ज्यादा महंगे मोबाइल सेट बरामद किए गए हैं, जो सभी चोरी के हैं। एसएसपी

ने बताया कि इस मामले में कुख्यात पवन कुमार उर्फ रंगा बिल्ला, सुंदर कुमार उर्फ गोलू, राजू कच्छप, गोविंद पंडित और चंदन गाड़ी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों में चोरी के मोबाइल खरीदने वाला चंदन गाड़ी भी शामिल है। रांची एसएसपी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज निकलने पर यह जानकारी मिली कि चोरी को अंजाम देने के लिए इस बार भी कुछ नाबालिगों का इस्तेमाल किया गया था।

## रांची में हथियार और नकदी के साथ बदमाश गिरफ्तार

**RANCHI :** राजधानी की मैकलुस्कीगंज थाना पुलिस ने हथियार के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित का नाम सहजाद अंसारी उर्फ सोनू है। वह मैकलुस्कीगंज थाना क्षेत्र के बाजारटांड़ आजाद नगर का रहने वाला है। इसके पास से एक अवैध देशी पिस्तौल, एक छोटी कैची और चार हजार चालीस रुपये बरामद किया गया। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि एक अपराधी अवैध हथियार के साथ खलारी बाजार टांड में घूम रहा है और किसी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। सूचना के बाद खलारी डीएसपी आरएन चौधरी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

# श्री महावीर दुर्गा मंदिर के वार्षिकोत्सव पर निकली भव्य कलश शोभायात्रा

**PHOTON NEWS RANCHI :** रविवार को रांची के इंद्रपुरी स्थित श्री महावीर दुर्गा मंदिर के आठवे वार्षिकोत्सव पर गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गयी। इसमें 501 कलशधारी महिलाओं सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। कलश शोभा यात्रा सुबह नौ बजे मंदिर परिसर से शुरू हुई। मंदिर समिति के पदाधिकारी और सदस्यों की अगुवाई में कलशधारी महिलाएं भक्ति गीतों पर झूमते और जयघोष करते हुए रातू रोड के रास्ते रानी सती मंदिर आयीं। यहां से कलश में पवित्र जल भरकर सभी वापस मंदिर गये।

कलश शोभायात्रा में शामिल महिलाएं। ● फोटोन न्यूज

रानी सती मंदिर से लाये गये जल से कल सोमवार को मंदिर की शुद्धि की जायेगी। पुजारी प्रतीक पाठक नेम-निष्ठा से पूजन-अनुष्ठान संपन्न करायेंगे। सामुहिक आरती के बाद भंडारे का आयोजन किया जायेगा। सुधीर साहू ने बताया कि रात आठ बजे से मां भवानी जागरण शुरू होगा। स्थानीय भजन मंडली के कलाकार रातभर भक्ति गीतों की सरिता बहायेंगे।

## 10 किलो गांजा के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

**RANCHI :** सुखदेव नगर थाना पुलिस ने गांजा तस्करी के चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 10 पैकेट में 10 किलो गांजा, चार मोबाइल फोन और एक स्कूटी बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में बिहार के वैशाली निवासी अनुराग राय उर्फ अनुराग यादव, बिहार के पटना निवासी धीरज कुमार, तमाड़ निवासी जीत वाहन स्वांसी और अमित स्वांसी शामिल हैं। सभी सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के चुनाभट्ठा चौक स्थित राजेश शर्मा के मकान में किराएदार के रूप में रह रहे थे। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि पूरे क्षेत्र में विधि व्यवस्था और शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए अवैध शराब, आग्नेयास्त्र की बरामदगी के लिए एसएसपी रांची ने एक टीम गठित की है।

### रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची में निर्माणाधीन एलिवेटेड कॉरिडोर का किया निरीक्षण, बोले-

# गुणवत्ता से नहीं किया जाएगा कोई समझौता

**PHOTON NEWS RANCHI :** केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को रातु रोड में नवनिर्मित एलिवेटेड कॉरिडोर का निरीक्षण किया। मंत्री ने अधिकारियों से 15 नवंबर तक काम पूर्ण करने को कहा ताकि 15 नवंबर भगवान बिरसा मुंडा के जयंती पर झारखंड का पहला एलिवेटेड कॉरिडोर रांची की जनता को समर्पित किया जा सके।

सेठ ने कहा कि काम की गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2025 को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है और 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती भी है। ऐसे महान विभूति के जयंती पर इस कॉरिडोर का उद्घाटन हो इससे बड़ा सौभाग्य और क्या हो सकता है। मंत्री ने कहा कि बच्चों को खेलने के लिए कहीं मैदान नहीं बचा है। कॉरिडोर के नीचे 31 मीटर का स्पेस है। इस स्पेस में बच्चों को खेलने की व्यवस्था रात 9 से 11 के बीच सुनिश्चित करें। रविवार को पूरे दिन यह सुविधा हो। खेल का आयोजन ओलंपिक संघ के देखरेख में होगा। वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कैरम, इंडोर गेम सहित अन्य खेलों का आयोजन हो सके। झारखंड पूरे देश को एक प्रेरणा दे सके। ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें। नाली का निर्माण वाटर लेवल लेकर करें ताकि बरसात में पानी रोड पर ना बहे। यह व्यवस्था सुनिश्चित करें। इस कार्य के लिए और कोई जरूरत हो उसे हम पूर्ण करेंगे। रांची के विधायक सीपी सिंह ने भी अधिकारियों को सुझाव दिया और लोगों के सुविधा को ध्यान में रखते हुए काम करने को कहा। निरीक्षण के दौरान एनएचएआई के सभी वरीय पदाधिकारी, भाजपा के महानगर के अध्यक्ष वरुण साहू, सत्यनारायण सिंह, ललित ओझा, संजय जायसवाल, पार्षद ओमप्रकाश, मंडल अध्यक्ष सुबेश पांडे, ओमप्रकाश पांडे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों के बात करते संजय सेठ। ● फोटोन न्यूज

### पिलर पर करें हैंगिंग गार्डन का निर्माण

सेठ ने कहा कि फ्लाई ओवर के ऊपर और नीचे सोहराय पेंटिंग एवं ट्राईबल पेंटिंग की जाए। फ्लाई ओवर के ऊपर लाइट की व्यवस्था और नीचे कलरफुल लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करें। जहां-जहां आबादी अधिक है वहां-वहां कट की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही जहां मार्केट है और पार्किंग की व्यवस्था नहीं है वहां पर पार्किंग के लिए जगह छोड़ें।

# क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के घर के बाहर प्रशंसकों ने मनाया जन्मदिन

**PHOTON NEWS RANCHI :** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का रविवार को 43वां जन्मदिन है। इस खास मौके पर देशभर में उनके प्रशंसक उनका बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। राजधानी रांची में भी प्रशंसकों ने कैप्टन कूल माही का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। प्रशंसकों ने सिमलिया स्थित धोनी के घर के बाहर केक काटा और कट आउट पोस्टर पर उनको केक खिलाया। धोनी के प्रशंसक सुबोध कुशवाहा और कुश्माही एकेडमी के कोच बच्चों के साथ पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि आज माही का 43वां जन्मदिन है। उनके जन्मदिन पर हम कामना करते हैं कि वह हमेशा खुश रहें और आगे भी क्रिकेट खेलते रहे। अहमदाबाद से आये एक प्रशंसक ने कहा कि वह सिर्फ धोनी को देखने और उनका जन्मदिन मनाने अहमदाबाद से रांची आये हैं लेकिन उन्हें अफसोस है कि धोनी से मुलाकात नहीं हो पायेगी। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जतायी कि इस बार नहीं तो अगली बार जरूर उनसे मुलाकात होगी। सात जुलाई, 1981 को धोनी का जन्म तत्कालीन बिहार के रांची में हुआ।

धोनी का जन्मदिन मनाते फैंस। ● फोटोन न्यूज

# बर्मामाइंस में चोरी की एक दर्जन बाइक के साथ नया गैंग धराया

## कंपनी गेट के पास पार्किंग से बाइक की चोरी करता था कालू

**PHOTON NEWS JSR :** बर्मामाइंस पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने बाइक चोर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिसमें लाल बाबा फाउंड्री निवासी सतपाल सिंह और जुगसलाई निवासी अंकित सोनकर उर्फ छोटू शामिल है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की कुल 12 बाइक, बाइक चोरी करने के लिए इस्तेमाल में आने वाली मास्टर चाबी और चार वाहनों की फर्जी आरसी बरामद की है। इसके अलावा पुलिस ने अन्य जगहों से 7 लावारिस बाइक भी बरामद किया है, जिसे बर्मामाइंस थाना क्षेत्र में लावारिस हालत में पाया गया। पुलिस मान रही है कि यह बाइक भी चोरी की है। मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी किशोर कौशल ने रविवार को बमार्माइंस थाने में बताया कि बीते

बरामद बाइक के साथ पुलिसकर्मी ● फोटोन न्यूज

कई दिनों से बर्मामाइंस में बाइक चोरी की घटना बढ़ गई थी, जिसे देखते हुए एक टीम का गठन किया गया था। टीम ने पहले सतपाल सिंह उर्फ कालू को गिरफ्तार किया, जो बाइक चोरी करता था। सतपाल के पास से एक मास्टर चाबी बरामद की गई। इसके बाद पूछताछ में अंकित सोनकर का नाम आया, जो चोरी की बाइक को खपाने का काम करता था।

**सतपाल ने कई वाहनों के नंबर प्लेट बदलकर रखे बंधक :** एसएसपी ने बताया कि सतपाल बर्मामाइंस में कंपनियों के बाहर खड़ी बाइक को मास्टर चाबी की मदद से चुराता था। अंकित उस वाहन का नंबर प्लेट बदल देता था और उसका फर्जी आरसी बना लेता था। इसके बाद पैसे की तंगी का बहाना बनाकर बाइक को 15-20 हजार में बंधक रख देता था। जो रुपये मिलते थे, उसे दोनों आपस में बांट लेते थे। जितनी भी बाइक बरामद की गई है, उसमें से कई बाइक के नंबर प्लेट बदल दिए गए हैं, ताकि किसी को शक ना हो।

एसएसपी ने बताया कि इस संबंध में एक और सदस्य फरार है, जो फर्जी आरसी बनाने का काम करता था। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। मालूम हो कि सतपाल ऊर्फ कालू को पुलिस ने पहले ही पकड़ लिया था, लेकिन बाद में उसे पीआर बाउंड पर पैरवी पर छोड़ दिया था। चूंकि मामला गंभीर था, इसलिए पुलिस उस पर नजर बनाए रखी और अंत में सलाखों के पीछे डाल दिया।

प्रेस कांफ्रेंस में प्रभारी सिटी एसपी ऋषभ गर्ग, सिटी डीएसपी सुधीर कुमार, बर्मामाइंस थानेदार अलोक दुबे समेत घटना का खुलासा करने वाली पूरी टीम उपस्थित थी।

# आजादनगर में सब्जी विक्रेता की हत्या, भाई और भतीजा गिरफ्तार

**JAMSHEDPUR :** आजादनगर थाना क्षेत्र में डंडे और लात-घूंसे से बेरहमी से पिटाई कर सब्जी विक्रेता इसरार की जान ले ली गई। घटना का आरोपी कोई और नहीं बल्कि भाई और भतीजा को ही बताया गया है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी मोनू और भाई इकरार को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपी ● फोटोन न्यूज

### सब्जी बेचने के विवाद में हुई घटना

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि मोनू और इसरार ओल्ड पुरूलिया रोड पर सब्जी बेचता था। सब्जी बेचने के दौरान ही दोनों के बीच विवाद हो गया था। इसके बाद मोनू और भाई इकरार ने उसकी शनिवार की रात डंडे से पिटाई की।

### एमजीएम अस्पताल में तोड़ा दम

घटना के बाद परिवार के लोगों ने इसरार को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान ही दूसरे दिन रविवार को उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद मामले को

### दो साल पहले ही मुरादाबाद से आया था शहर

इसरार के बारे में बताया गया कि वह दो साल पहले ही अपने गांव मुरादाबाद से जमशेदपुर आया था. यहां पर वह सब्जी बेचकर गुजर-बसर करता था. पुलिस गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी कर रही है, जबकि इसरार के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेजा है.

आजादनगर पुलिस ने गंभीरता से लिया और छापेमारी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

## समाचार सार

### डॉ. अजय कुमार ने लगाया हेल्थ चेकअप कैंप

**JAMSHEDPUR :** पूर्व सांसद सह कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य डॉ. अजय कुमार द्वारा रविवार को बागुननगर, टुईलाडुंगरी और बाराद्वारी में हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इसमे काफी लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई। इस कैंप में ब्लड प्रेशर, शुगर, हार्ट, लीवर, आंख सहित कई बीमारियों की जांच की गई।

चिकित्सकों द्वारा लोगों को स्वस्थ रहने के लिए सलाह भी दी गई। शिविर में धर्मेंद्र सोनकर, सुरेंद्र शर्मा, राजा सिंह राजपूत, राकेश साहू, मनीष, रईस रिजवी छब्बन, राजकिशोर प्रसाद, अफसर इमाम, नीरज साहू, लकी गोस्वामी सहित अन्य सक्रिय रहे।

### चाय विक्रेता की थाने में पिटाई का आरोप

**JAMSHEDPUR :** सुंदरनगर थाना में शनिवार को एक चाय विक्रता पीटने का आरोप है। आरोप है कि एक मुखबिर के इशारे पर पुलिस सारा काम कर रही है। इसी तरह का मामला शनिवार को भी सामने आया था। इसके बाद चाय विक्रेता को थाने का एसआई मानिक चंद्र बेहरा थाने लेकर गया और उसकी खूब पिटाई की।

बाद में घटना का विरोध जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू ने किया और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। भुक्तभोगी दिलीप सिंह ने बताया कि वह पिछले 25 सालों से सुंदरनगर में ठेला लगाकर चाय बेच रहा है। उससे थाने का मुखबिर मोटी रकम की मांग कर रहा था। नहीं देने पर उसे थाने पर लाकर प्रताड़ित किया गया।

### संथाली शिक्षक पात्रता परीक्षा में 167 शामिल

**JAMSHEDPUR :** जाहेरथान कमेटी, दिशोम जाहेर करनडीह तथा ट्राइबल कल्चर सोसाइटी (टाटा स्टील फाउंडेशन की इकाई) के संयुक्त तत्वधान में इस वर्ष का प्रथम संताली (संथाली) शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन किया गया। संत पीटर इंग्लिश हाईस्कूल में रविवार को आयोजित परीक्षा में झारखंड, प. बंगाल तथा असम के कुल 167 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। ज्ञात हो कि जाहेरथान कमेटी तथा ट्राइबल कल्चर सोसाइटी पिछले 11 वर्षों से 'ओल चिकि एवं संताली भाषा अध्ययन केंद्रों' का संचालन कर रही है। अबतक 1 लाख से ज्यादा लोगों को ओलचिकि एवं संताली भाषा शिक्षित कर चुकी है। पिछले वर्ष 2023-24 सत्र में लगभग 12000 छात्र पंजीकृत थे। इस सत्र में भी 150 अध्ययन केन्द्र संचालित करने का लक्ष्य है। इसमें मानदेय के आधार पर 150 शिक्षक, 30 समन्वयक तथा 9 प्रशासक नियुक्त किया जाना है।

### तुलसीदास पर स्कूली छात्रों ने लिखा निबंध

**JAMSHEDPUR :** प्रत्येक वर्ष की भांति सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन व तुलसी भवन संस्थान द्वारा डेढ माह तक चलने वाले तुलसी जयंती समारोह के अन्तर्गत 6 जुलाई को महाविद्यालय तथा 7 जुलाई को स्कूली छात्रों के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसका विषय क्रमशः 'तुलसी साहित्य में लोक मंगल की अवधारणा' एवं 'श्री रामचरितमानस के आलोक में श्री हनुमान जी का चरित्र चित्रण' था। इसमें नगर के 3 महाविद्यालयों एवं 12 विद्यालयों से कुल 223 छात्रों ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तुलसी भवन के अलावा बागबेड़ा स्थित 'सरस्वती शिशु विद्या मंदिर' में भी आयोजित की गई।



### भाजपा की विजय संकल्प सभा 10 से

**JAMSHEDPUR :** भाजपा ने विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में रविवार को साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय में संयोजक और सहसंयोजक की बैठक जिला अध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में हुई। इसमें विजय संकल्प सभा के कोल्हान प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि 10 जुलाई से जमशेदपुर महानगर के जुगसलाई, पोटका सहित जमशेदपुर पूर्वी और जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा स्तरीय विजय संकल्प सभा सांसद बिद्युत बरण महतो की देखरेख में होगी। इस सभा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मंडल एवं विधानसभा स्तर पर बूथ अध्यक्ष एवं बूथ कमेटी का अभिनंदन किया जाएगा। इसके अंतर्गत जुगसलाई विधानसभा का कार्यक्रम 10 जुलाई को डॉल्फिन क्लब, बालीगुमा, पोटका विधानसभा का कार्यक्रम 14 जुलाई को और जमशेदपुर पूर्वी का कार्यक्रम 17 जुलाई को बिरसा मुंडा टाउन हॉल, सिदगोड़ा में होगा। जमशेदपुर पश्चिमी के कार्यक्रम की तिथि जल्द घोषित की जाएगी। बैठक में अनिल मोदी, संजीव सिंह, संजीव सिन्हा, मनोज राम, बबुआ सिंह, प्रदीप महतो, सुबोध झा, मुचीराम बाउरी, विजय तिवारी आदि उपस्थित थे।

### कैरेज कॉलोनी में खुला निशुल्क मधुमेह जांच केंद्र

**JAMSHEDPUR :** रथ यात्रा के शुभ अवसर पर बमार्माइंस स्थित कैरेज कॉलोनी में निशुल्क रक्तचाप व मधुमेह जांच केंद्र का उद्घाटन हुओ यह केंद्र रेलवे इंप्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा संचालित किया जाएगा। केंद्र में डिजिटल रैंडम मशीन की व्यवस्था रहेगी, जिसके माध्यम से हर रविवार को सुबह 9 से 11 बजे तक कैरेज कॉलोनी स्थित संगठन के कार्यालय में की जाएगी। उद्घाटन अवसर पर संगठन के चेयरमेन मनोज मिश्रा, डॉ. गुरूमुख सिंह, रेलवे मेकेनिकल विभाग के वरीय अभियंता अमर सिंह माझी, आरपी गुप्ता एवं जेई राहुल कुमार भी उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में एसपी विश्वास, जयराम प्रजापति, राकेश कुमार, एके महतो, विकास ठाकुर, बबलू राव, शिवा, लोचन बारी सहित अन्य सदस्य सक्रिय रहे।

### टिनप्लेट चौक के पास किया गया पौधारोपण

**JAMSHEDPUR :** शहर की संस्था 'कोशिश एक मुस्कान लाने की' के संरक्षक शिवशंकर सिंह के नेतृत्व में रविवार को टिनप्लेट चौक के पास पौधारोपण किया गया। इसके साथ ही पौधों के बड़े होने तक उनकी देखभाल करने का भी संकल्प लिया गया। शिवशंकर सिंह ने कहा कि वृक्ष प्राणवायु प्रदान करते हैं। भावी पीढ़ी के लिए पौधारोपण करना और उसे बचाना बेहद जरूरी है। इससे ही पर्यावरण को स्वच्छ व संतुलित किया जा सकता है।

# रोटरी क्लब जमशेदपुर वेस्ट की नई टीम ने संभाला पदभार

**JAMSHEDPUR :** बेल्डीह क्लब के सभागार में रविवार को रोटरी क्लब जमशेदपुर वेस्ट की नई टीम (2024-25) ने नए अध्यक्ष डॉ. अमित मुखर्जी एवं सचिव दीप्ति सिंह ने अपनी पूरी टीम के साथ पदभार संभाला। पीडीजी प्रतिम बनर्जी ने नई टीम के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को पद की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के प्रथम राज्यपाल प्रभात कुमार उपस्थित रहे।

**रोटरी जमशेदपुर वेस्ट की 2024-25 की नई टीम**

अध्यक्ष डॉ. अमित मुखर्जी, सचिव दीप्ति सिंह, कोषाध्यक्ष मिथिलेश झा हैं। इमिडिएट पास्ट प्रेजिडेंट अध्यक्ष नीता अग्रवाल, एग्जीक्यूटिव सेक्रेटरी आलोक सरकार, प्रसिडेंट इलेक्ट अशोक झा हैं। डायरेक्टर रोटरी फाउंडेशन अमरेश सिन्हा, सर्विस प्रोजेक्ट्स डॉ. रीता झा, पब्लिक इमेज नंदकिशोर अग्रवाल, सदस्य अभिजीत मित्रा, क्लब सर्विस संजीव सहगल, पीस बिल्डिंग ऋषि चंद्राणी, वोकेशनल सर्विस देवेश सिंह चौहान, फेलोशिप रजनीश तलवार, कोऑर्डिनेटर राजेश कुमार, क्लब लर्निंग फैसिलिटेटर प्रतिम बनर्जी, सार्जेंट-एट-आर्म्स अनुपमा सहगल, चेयरमैन (पर्यावरण संरक्षण) विक्रांत तिवारी, चेयरमैन (शिक्षा) कमलेंदु शुक्ला को बनाया गया है। इसी प्रकार चेयरमैन (सीएसआर) जितेंद्र बहादुर सिंह, चेयरमैन (हेल्थ पीपीएच) वर्षा गांधी, चेयरमैन (कम्युनिटी सर्विस) नमन अग्रवाल, क्लब बुलेटिन एडिटर डॉ. सुजाता मित्रा को बनाया गया है। स्टैंडिंग कमेटी के सदस्यों में राजीव तलवार, अंजनी निधि, अमिताभ बख्शी, श्वेता चांद, प्रतिम बनर्जी हैं।

### टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस 11-15 जुलाई रहेगी रद्द

**JAMSHEDPUR :** साउथ इस्ट सेंट्रल रेलवे के बिलासपुर डिवीजन में विकासात्मक कार्य होने के कारण टाटानगर से चलने वाली दो ट्रेन प्रभावित होगी। रेलवे से जारी सर्कुलर के मुताबिक टाटानगर से चलने वाली ट्रेन नंबर 18113 टाटानगर- बिलासपुर एक्सप्रेस 11-15 जुलाई के बीच रद्द रहेगी। वहीं ट्रेन नंबर - 18114 बिलासपुर -टाटानगर एक्सप्रेस 12-16 जुलाई तक रद्द रहेगी।

इसके साथ ही टाटानगर से इतवारी के बीच चलने वाली टाटा-इतवारी एक्सप्रेस बिलासपुर में शार्ट टर्मिनेट रहेगी। ट्रेन नंबर -18109 टाटानगर -इतवारी एक्सप्रेस 12से 15 जुलाई तक शॉर्ट टर्मिनेट रहेगी। वहीं ट्रेन नंबर -इतवारी - टाटानगर एक्सप्रेस 12-17 जुलाई तक बिलासपुर से टाटानगर के लिए खुलेगी। यह ट्रेन इतवारी से बिलासपुर के बीच नहीं चलेगी।

# टैगोर व विवेकानंद में थी वैचारिक समानता : स्वामी कृष्णनाथानंद

**PHOTON NEWS JSR:** साकची स्थित रवींद्र भवन में रविवार को साहित्य मजलिस का 150वां आयोजन हुआ। इसमें रामकृष्ण मिशन कोलकाता से आए स्वामी कृष्णनाथानंद व बांग्ला के प्रखर विद्वान व शिक्षाविद् डॉ. पवित्र सरकार ने स्वामी विवेकानंद व रवींद्रनाथ टैगोर पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में मौजूद दर्शक ● फोटोन न्यूज

पहले वक्ता के रूप में स्वामी कृष्णनाथानंद ने कहा कि स्वामी विवेकानंद एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर में वैचारिक समानता थी। स्वामी विवेकानंद परोपकार और मानवता की भूमि को उर्वरा बनाते थे, जबकि रवींद्रनाथ टैगोर मानव जीवन के साथ प्रकृति व प्रत्येक जीवात्मा के प्रति प्रेम व भावन के साहित्य का सृजन करते थे।

दूसरे वक्ता के रूप में डॉ. पवित्र सरकार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद व रवींद्रनाथ टैगोर मानव जाति के लिए एक वरदान स्वरूप थे, दोनों ने ही उस समय समाज में व्याप्त कुरुतियों को दूर करने के प्रयास के साथ-साथ समाज को आगे करने के लिए अपनी क्षमता से अधिक कार्य किया और रुढ़ियों को तोड़कर एक नई दिशा दी। आज उनके जाने के इतने दशक बाद भी उनके लिखे गए और कही गई बातों को हम इतने जोरदार तरीके से और सामाजिक उत्थान के रूप में याद करते हैं। यह उनके विशाल अस्तित्व को दशार्ता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अचिंतो कुमार दास ने किया। इस अवसर पर टैगोर सोसाइटी के महासचिव आशीष चौधरी ने भी विचार रखे।

# श्रीलक्ष्मीनारायण की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ पांच दिवसीय महायज्ञ संपन्न

## अंतिम दिन भंडारे में हजारों लोगों ने ग्रहण किया महाभोग

**PHOTON NEWS JSR :** गोलमुरी के केबुल टाउन स्थित श्री लक्ष्मीनारायण (बिड़ला) मंदिर में पांच दिन से हो रहे महायज्ञ का समापन प्राण-प्रतिष्ठा के साथ संपन्न हो गया। महायज्ञ के अंतिम दिन रविवार को सुबह सभी मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। श्री लक्ष्मी नारायण, शिव परिवार, हनुमान, मां काली आदि की मंत्रोच्चारण के साथ प्राण-प्रतिष्ठा हुई। इसी क्रम में हवन हुआ और उसके पश्चात यज्ञ की पूणार्हुति हुई।

पांच दिवसीय अनुष्ठान में प्रमुख यजमान जमशेदपुर पूर्वी के विधायक और श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर जीर्णोद्धार समिति के संयोजक सरयू राय थे। विशिष्ट

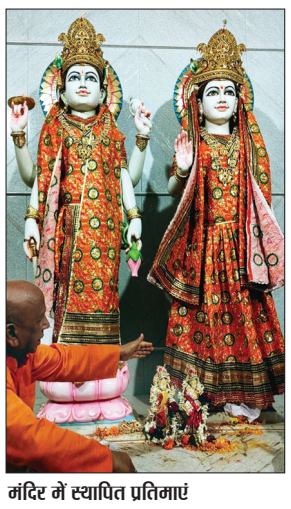

मंदिर में स्थापित प्रतिमाएं

यजमानों में स्थानीय लोग शामिल रहे। बाद में प्रभु का प्रसाद (महाभोग) हजारों लोगों ने ग्रहण किया। आज से भक्त-श्रद्धालु यहां नियमित पूजा-अर्चना कर सकेंगे। इन पांच दिनों में महायज्ञ परिसर का पूरा वातावरण भक्तिमय रहा। मंदिर परिसर में एक यज्ञवेदी बनाई गई थी। समस्त धार्मिक अनुष्ठान वहीं संपन्न हुए।

इस यज्ञ वेदी के ठीक बगल में रामधुन गाने वाली स्त्री-पुरुषों का दल था, जो निरंतर रामधुन गाता रहा। पांच दिनों तक चले इस महायज्ञ को सफल बनाने में आशुतोष राय, हरेराम सिंह, अनिकेत सिंह, असीम, मुकेश सिंह, राघवेंद्र सिंह, पप्पू सिंह आदि की महती भूमिका रही। पूरा महायज्ञ बेगुसराय से पधारे प्रख्यात पंडित गौरीशंकर ठाकुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

### अब 15 तक भरा जाएगा पीजी पहले सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म

**JAMSHEDPUR :** कोल्हान विश्वविद्यालय ने स्नातकोत्तर (पीजी) सत्र 2023-25 के परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि को विस्तारित कर दी है। विवि की ओर से जारी नोटिफिकेशन के तहत अब छात्र 15 जुलाई तक ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भर पाएंगे। इसके लिए उन्हें 200 रुपए विलंब शुल्क देना होगा। विवि की ओर से कहा गया है कि छात्रों की मांग पर फॉर्म भरने की तिथि को बढ़ाया जा रहा है लेकिन इसके बाद तिथि विस्तारित नहीं होगी ऐसे में जिन छात्रों ने अभी तक फॉर्म नहीं भरा है वे फॉर्म भर लें। वहीं परीक्षा की तिथि घोषित करने की जगह परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि विस्तारित करने से अधिकतर छात्रों में नाराजगी है। उनका कहना है कि पहले ही सत्र छह महीने लेट हो गया है। ऐसे में अब परीक्षा लेने में देर करना सही नहीं है। क्योंकि इससे सत्र लगातार लेट होता जाएगा।

# देश के किसी भी कोने में रहें, बस 112 डायल करें, मिलेगी सहायता

जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

**JAMSHEDPUR :** अब किसी भी आपातकालीन सेवा के लिए डायल 112 को तैयार किया गया है। इस डायल 112 में फोन कर देश के नागरिक किसी भी कोने में सुरक्षा और सहायता आसानी से पा सकते हैं। इस महत्वपूर्ण डायल 112 को लेकर आम लोगों को जागरूक करने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक अभियान भी चलाया जा रहा है। डीएसपी-सीसीआर अंजनी तिवारी ने बताया कि डायल 112 का इस्तेमाल देश के किसी भी कोने से किया जा सकता है। पूर्व में पुलिस को बुलाने के लिए लोग 100 और एंबुलेंस के लिए 108 पर फोन करते थे, पर अब यह सारी सुविधा डायल 112 पर ही मिल जाएगी। डायल 112 लोगों को हर आपातकालीन स्थिति में मदद उपलब्ध कराने के लिए 24 घंटे सक्रिय है। किसी भी प्रकार की मुसीबत फोन कर सकते हैं।

**संगोष्ठी** एलबीएसएम कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में बोले डॉ. अशोक कुमार झा

# वैश्विक महाशक्ति बनाने के लिए मल्टी-डिसिप्लिनरी सेमिनार आवश्यक

**PHOTON NEWS JSR :** करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज में आयोजित 'ग्लोबल इश्यूज इन मल्टी-डिसिप्लिनरी एकेडमिक रिसर्च' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी रविवार को संपन्न हो गई। संगोष्ठी के दूसरे दिन के प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार झा ने कहा कि संगोष्ठियां ज्ञान की अभिव्यक्ति का माध्यम होती हैं। वर्तमान में अपने देश को वैश्विक महाशक्ति बनाने के लिए एकेडमिक विकास, विभिन्न विषयों पर शोध और उनके प्रस्तुतिकरण के लिए मल्टी-डिसिप्लिनरी संगोष्ठियों की बहुत आवश्यकता है। प्रथम रिसोर्स पर्सन काशी विद्यापीठ के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अविनाश कुमार सिंह ने 'हिंदी साहित्य : वैश्विक संदर्भ और सामाजिक समाधान' पर कहा कि साहित्य में मौजूद ग्लोबल (वैश्विक) और लोकल (स्थानीय) के बीच अंतर नहीं होता। हर घटना जो वैश्विक होती है, वह स्थानीय भी होती है। इसलिए ग्लोबल और लोकल का द्वंदात्मक मुद्दा नहीं होना चाहिए। उन्होंने उदाहरण के तौर पर बताया कि कोरोना वैश्विक महामारी के भी स्थानीय संदर्भ थे। उन्होंने हिंदी साहित्य और विश्व साहित्य से इस तरह के कई संदर्भ प्रस्तुत किए और बताया कि फणिश्वर नाथ रेणु ने अपनी किताब मैला आंचल में चिकित्सा के क्षेत्र में होने वाले वैश्विक कारोबार का जिक्र किया है। उन्होंने अल्बेयर काम के 'प्लेग' उपन्यास की भी चर्चा की। डॉ. अविनाश कुमार सिंह ने कहा कि शोध की योजना बनाते समय

संगोष्ठी में शामिल वक्ता ● फोटोन न्यूज

कम से कम चार चीजों का ध्यान रखा जाना चाहिए। इसके लिए यूजीसी ने स्ट्रीड जैसे नॉर्म्स को 2019 में लागू किया, जिसका अर्थ है- स्कीम फॉर ट्रांस डिसिप्लिनरी। इसमें चार कारकों की आवश्यकता महसूस की गई कि शोध पहले सोशली रेलीवेंट हो, दूसरा लोकली नीड बेस्ड हो, तीसरा नेशनली रेलिवेंट हो, और चौथा ग्लोबल सिग्निफिकेंट हो। ये चारों चीजें ही किसी शोध को महत्वपूर्ण बनाती हैं, उसको एक वैश्विक पहचान देती है।

दूसरे रिसोर्स पर्सन डॉ. संतोष कुमार खत्री ने भारत की वर्तमान राजनीतिक चुनौतियों पर चर्चा करते हुए कहा कि ये चुनौतियां पारंपरिक हैं, पर इनके स्वरूप और परिप्रेक्ष्य में परिवर्तन भी आया है। तीसरे रिसोर्स पर्सन डॉ. राममिलन कुम्हार ने भारत में महिला सशक्तीकरण विषय पर कहा कि महिलाओं को अधिकार देना उनके व्यक्तित्व और उनकी क्षमता के विकास के लिए अति आवश्यक है। उन्होंने भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी पर विस्तार से चर्चा की। द्वितीय तकनीकी सत्र के अध्यक्ष डॉ. डीके मित्रा ने वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए कई प्रकार की मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च की जरूरत की चर्चा की और इसे बढ़ावा देने पर बल दिया।

**170 प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए :** संगोष्ठी में लगभग 170 प्रतिभागियों ने हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन) जुड़कर ग्लोबल इश्यूज इन मल्टी-डिसिप्लिनरी एकेडमिक रिसर्च को समझा। प्रथम दिन तीनों सत्रों में कुल 68 रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए गए, जबकि दूसरे दिन ऑनलाइन मोड से 102 रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए गए। संगोष्ठी में डॉ. विजय प्रकाश, डॉ. मौसमी पॉल, डॉ. संचिता भुई सेन, प्रो. अरविंद पंडित, डॉ. विश्वनाथ सरकार, डॉ. सुनीता मित्रा सरकार सहित विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों से शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं शोधार्थी शामिल हुए। एनवायरमेंटल पॉलिसी एंड पॉलीटिकल स्टेबिलिटी इन इंडिया ए कंप्रिहेंसिव एनालिसिस पर खुशबू कुमारी, 'रिप्रोडक्टिव हेल्थ अवेयरनेस एमांग यंग एडडरोलसेंस इन इंडिया' विषय पर बीआर आभा आयुश्री, 'ग्लोबल वार्मिंग' पर अक्षता शर्मा, 'प्राचीन भारत में आयुर्वेद विज्ञान का विकास' विषय पर डॉ. गरिमा भारती ने पेपर प्रस्तुत किया।

# जगन्नाथ पुरी रथयात्रा

## करें अलौकिक सुख की अनुभूति

पूर्ण परात्पर भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को जगन्नाथपुरी में आरंभ होती है। यह रथयात्रा पुरी का प्रधान पर्व भी है। इसमें भाग लेने के लिए, इसके दर्शन लाभ के लिए हज़ारों, लाखों की संख्या में बाल, वृद्ध, युवा, नारी देश के सुदूर प्रांतों से आते हैं।

दक्षिण भारतीय उड़ीसा राज्य का पुरी क्षेत्र जिसे पुरुषोत्तम पुरी, शंख क्षेत्र, श्रीक्षेत्र के नाम से भी जाना जाता है, भगवान श्री जगन्नाथ जी की मुख्य लीला-भूमि है। उत्कल प्रदेश के प्रधान देवता श्री जगन्नाथ जी ही माने जाते हैं। यहाँ के वैष्णव धर्म की मान्यता है कि राधा और श्रीकृष्ण की युगल मूर्ति के प्रतीक स्वयं श्री जगन्नाथ जी हैं। इसी प्रतीक के रूप श्री जगन्नाथ से संपूर्ण जगत का उद्भव हुआ है। श्री जगन्नाथ जी पूर्ण परात्पर भगवान है और श्रीकृष्ण उनकी कला का एक रूप है। ऐसी मान्यता श्री चैतन्य महाप्रभु के शिष्य पंच सखाओं की है।

### पर्यटन और धार्मिक महत्व

यहाँ की मूर्ति, स्थापत्य कला और समुद्र का मनोरम किनारा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पर्याप्त है। कोणार्क का अद्भुत सूर्य मंदिर, भगवान बुद्ध की अनुपम मूर्तियों से सजा धौल-गिरि और उदय-गिरि की गुफ़ाएँ, जैन मुनियों की तपस्थली खंड-गिरि की गुफ़ाएँ, लिंग-राज, साक्षी गोपाल और भगवान जगन्नाथ के मंदिर दर्शनीय है। पुरी और चंद्रभागा का मनोरम समुद्री किनारा, चंदन तालाब, जनकपुर और नंदनकानन अभ्यारण्य बड़ा ही मनोरम और दर्शनीय है। शास्त्रों और पुराणों में भी रथ-यात्रा की महत्ता को स्वीकार किया गया है। स्कंद पुराण में स्पष्ट कहा गया है कि रथ-यात्रा में जो व्यक्ति श्री जगन्नाथ जी के नाम का कीर्तन करता हुआ गुंडीचा नगर तक जाता है वह पुनर्जन्म से मुक्त हो जाता है। जो व्यक्ति श्री जगन्नाथ जी का दर्शन करते हुए, प्रणाम करते हुए मार्ग के धूल-कीचड़ आदि में लोट-लोट कर जाते हैं वे सीधे भगवान श्री विष्णु के उत्तम धाम को जाते हैं। जो व्यक्ति गुंडिचा मंडप में रथ पर विराजमान श्री कृष्ण, बलराम और सुभद्रा देवी के दर्शन दक्षिण दिशा को आते हुए करते हैं वे मोक्ष को प्राप्त होते हैं। रथयात्रा एक ऐसा पर्व है जिसमें भगवान जगन्नाथ चलकर जनता के बीच आते हैं और उनके सुख दुख में सहभागी होते हैं। सब मनिसा मोर परजा (सब मनुष्य मेरी प्रजा है), ये उनके उद्गार है। भगवान जगन्नाथ तो पुरुषोत्तम हैं। उनमें श्रीराम, श्रीकृष्ण, बुद्ध, महायान का शून्य और अद्वैत का ब्रह्म समाहित है। उनके अनेक नाम है, वे पतित पावन हैं।

### महाप्रसाद का गौरव

रथयात्रा में सबसे आगे ताल ध्वज पर श्री बलराम, उसके पीछे पद्म ध्वज रथ पर माता सुभद्रा व सुदर्शन चक्र और अंत में गरुण ध्वज पर या नंदीघोष नाम के रथ पर श्री जगन्नाथ जी सबसे पीछे चलते हैं। तालध्वज रथ 65 फीट लंबा, 65 फीट चौड़ा और 45 फीट ऊँचा है। इसमें 7 फीट व्यास के 17 पहिये लगे हैं। बलभद्र जी का रथ तालध्वज और सुभद्रा जी का रथ को देवलन जगन्नाथ जी के रथ से कुछ छोटे हैं। संध्या तक ये तीनों ही रथ मंदिर में जा पहुँचते हैं। अगले दिन भगवान रथ से उतर कर मंदिर में प्रवेश करते हैं और सात दिन वहीं रहते हैं। गुंडीचा मंदिर में इन नौ दिनों में श्री जगन्नाथ जी के दर्शन को आड़प-दर्शन कहा जाता है। श्री जगन्नाथ जी के प्रसाद को महाप्रसाद माना जाता है जबकि अन्य तीर्थों के प्रसाद को सामान्यतया प्रसाद ही कहा जाता है। श्री जगन्नाथ जी के प्रसाद को महाप्रसाद का स्वरूप महाप्रभु बल्लभाचार्य जी के द्वारा मिला। कहते हैं कि महाप्रभु बल्लभाचार्य की निष्ठा की परीक्षा लेने के लिए उनके एकादशी व्रत के दिन पुरी पहुँचने पर मंदिर में ही किसी ने प्रसाद दे दिया। महाप्रभु ने प्रसाद हाथ में लेकर स्तवन करते हुए दिन के बाद रात्रि भी बिता दी। अगले दिन द्वादशी को स्तवन की समाप्ति पर उस प्रसाद को ग्रहण किया और उस प्रसाद को महाप्रसाद का गौरव प्राप्त हुआ। नारियल, लाई, गजामूंग और मालपुआ का प्रसाद विशेष रूप से इस दिन मिलता है।

### जनकपुर मौसी का घर

जनकपुर में भगवान जगन्नाथ दसों अवतार का रूप धारण करते हैं..विभिन्न धर्मो और मतों के भक्तों को समान रूप से दर्शन देकर तृप्त करते हैं। इस समय उनका व्यवहार सामान्य मनुष्यों जैसा होता है। यह स्थान जगन्नाथ जी की मौसी का है। मौसी के घर अच्छे-अच्छे पकवान खाकर भगवान जगन्नाथ बीमार हो जाते हैं। तब यहाँ पथ्य का भोग लगाया जाता है जिससे भगवान शीघ्र ठीक हो जाते हैं। रथयात्रा के तीसरे दिन पंचमी को लक्ष्मी जी भगवान जगन्नाथ को ढूँढ़ते यहाँ आती हैं। तब द्वैतापति दरवाज़ा बंद कर देते हैं जिससे लक्ष्मी जी नाराज़ होकर रथ का पहिया तोड़ देती है और हेरा गोहिरी साही पुरी का एक मुहल्ला जहाँ लक्ष्मी जी का मंदिर है, वहां लौट जाती हैं। बाद में भगवान जगन्नाथ लक्ष्मी जी को मनाने जाते हैं। उनसे क्षमा माँगकर और अनेक प्रकार के उपहार देकर उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। इस आयोजन में एक ओर द्वैतापति भगवान जगन्नाथ की भूमिका में संवाद बोलते हैं तो दूसरी ओर देवदासी लक्ष्मी जी की भूमिका में संवाद करती है। लोगों की अपार भीड़ इस मान-मनौव्वल के संवाद को सुनकर खुशी से झूम उठती हैं। सारा आकाश जै श्री जगन्नाथ के नारों से गूँज उठता है। लक्ष्मी जी को भगवान जगन्नाथ के द्वारा मना लिए जाने को विजय का प्रतीक मानकर इस दिन को विजयादशमी और वापसी को बोहतड़ी गोंचा कहा जाता है। रथयात्रा में पारम्परिक सद्भाव, सांस्कृतिक एकता और धार्मिक सहिष्णुता का अद्भूत समन्वय देखने को मिलता है।

### देवर्षि नारद को वरदान

श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा में भगवान श्री कृष्ण के साथ राधा या रुक्मिणी नहीं होतीं बल्कि बलराम और सुभद्रा होते हैं। उसकी कथा कुछ इस प्रकार प्रचलित है - द्वारिका में श्री कृष्ण रुक्मिणी आदि राज महिषियों के साथ शयन करते हुए एक रात निद्रा में अचानक राधे-राधे बोल पड़े। महारानियों को आश्चर्य हुआ। जागने पर श्रीकृष्ण ने अपना मनोभाव प्रकट नहीं होने दिया, लेकिन रुक्मिणी ने अन्य रानियों से वार्ता की कि, सुनते हैं वृंदावन में राधा नाम की गोपकुमारी है जिसको प्रभु ने हम सबकी इतनी सेवा निष्ठा भक्ति के बाद भी नहीं भुलाया है। राधा की श्रीकृष्ण के साथ रहस्यात्मक रास लीलाओं के बारे में माता रोहिणी भली प्रकार जानती थीं। उनसे जानकारी प्राप्त करने के लिए सभी महारानियों ने अनुनय-विनय की। पहले तो माता रोहिणी ने टालना चाहा लेकिन महारानियों के हठ करने पर कहा, ठीक है। सुनो, सुभद्रा को पहले पहरे पर बिठा दो, कोई अंदर न आने पाए, भले ही बलराम या श्रीकृष्ण ही क्यों न हों।

माता रोहिणी के कथा शुरू करते ही श्री कृष्ण और बलरम अचानक अंतःपुर की ओर आते दिखाई दिए। सुभद्रा ने उचित कारण बता कर द्वार पर ही रोक लिया। अंतःपुर से श्रीकृष्ण और राधा की रासलीला की वार्ता श्रीकृष्ण और बलराम दोनो को ही सुनाई दी। उसको सुनने से श्रीकृष्ण और बलराम के अंग अंग में अद्भुत प्रेम रस का उद्भव होने लगा। साथ ही सुभद्रा भी भाव विह्वल होने लगीं। तीनों की ही ऐसी अवस्था हो गई कि पूरे ध्यान से देखने पर भी किसी के भी हाथ-पैर आदि स्पष्ट नहीं दिखते थे। सुदर्शन चक्र विगलित हो गया। उसने लंबा-सा आकार ग्रहण कर लिया। यह माता राधिका के महाभाव का गौरवपूर्ण दृश्य था।

अचानक नारद के आगमन से वे तीनों पूर्व वत हो गए। नारद ने ही श्री भगवान से प्रार्थना की कि हे भगवान आप चारों के जिस महाभाव में लीन मूर्तिस्थ रूप के मैंने दर्शन किए हैं, वह सामान्य जनों के दर्शन हेतु पृथ्वी पर सदैव सुशोभित रहे। महाप्रभु ने तथास्तु कह दिया।

### रथ यात्रा का प्रारंभ

कहते हैं कि राजा इंद्रद्युम्न, जो सपरिवार नीलांचल सागर (उड़ीसा) के पास रहते थे, को समुद्र में एक विशालकाय काष्ठ दिखा। राजा के उससे विष्णु मूर्ति का निर्माण कराने का निश्चय करते ही वृद्ध बढ़ई के रूप में विश्वकर्मा जी स्वयं प्रस्तुत हो गए। उन्होंने मूर्ति बनाने के लिए एक शर्त रखी कि मैं जिस घर में मूर्ति बनाऊँगा उसमें मूर्ति के पूर्णरूपेण बन जाने तक कोई न आए। राजा ने इसे मान लिया। आज जिस जगह पर श्रीजगन्नाथ जी का मंदिर है उसी के पास एक घर के अंदर वे मूर्ति निर्माण में लग गए। राजा के परिवारजनों को यह ज्ञात न था कि वह वृद्ध बढ़ई कौन है। कई दिन तक घर का द्वार बंद रहने पर महारानी ने सोचा कि बिना खाए-पिये वह बढ़ई कैसे काम कर सकेगा। अब तक वह जीवित भी होगा या मर गया होगा। महारानी ने महाराजा को अपनी सहज शंका से अवगत करवाया। महाराजा के द्वार खुलवाने पर वह वृद्ध बढ़ई कहीं नहीं मिला लेकिन उसके द्वारा अर्द्धनिर्मित श्री जगन्नाथ, सुभद्रा तथा बलराम की काष्ठ मूर्तियाँ वहाँ पर मिली।

महाराजा और महारानी दुखी हो उठे। लेकिन उसी क्षण दोनों ने आकाशवाणी सुनी, व्यर्थ दुःखी मत हो, हम इसी रूप में रहना चाहते हैं मूर्तियों को द्रव्य आदि से पवित्र कर स्थापित करवा दो। आज भी वे अपूर्ण और अस्पष्ट मूर्तियाँ पुरुषोत्तम पुरी की रथयात्रा और मंदिर में सुशोभित व प्रतिष्ठित हैं। रथयात्रा माता सुभद्रा के द्वारिका भ्रमण की इच्छा पूर्ण करने के उद्देश्य से श्रीकृष्ण व बलराम ने अलग रथों में बैठकर करवाई थी। माता सुभद्रा की नगर भ्रमण की स्मृति में यह रथयात्रा पुरी में हर वर्ष होती है।

# केदारनाथ

## दर्शनों के लिए फिर से लोगों में उत्साह बनेगा

शिवपुराण की कोटिरूद्र संहिता के अनुसार नर और नारायण दोनों ने पवित्र हिमालय के बद्रिकाश्रम तीर्थ में पार्थिव शिवलिंग निर्मित करके भगवान शिव की पूजार्चना आरम्भ की। वह रोज श्रद्धा-विश्वास के साथ यम-नियम संयम आदि का पालन करते हुए शिव भक्ति में मगन रहते। हर समय उनकी आराधना करते। आखिर शिव उन की भक्ति से प्रसन्न होकर केदार चोटी पर केदारतीर्थ में ज्योतिर्लिंग के रूप में स्थित हो गए। यह स्थल लोगों में अटला आस्था और विश्वास का केंद्र बना हुआ है।

केदारनाथ की रौनक लौटाएगा चन्द्रमा - वर्तमान में प्लंवग नामक संवत्सर के राजा और मंत्री दोनों का अधिकार परम शिवभक्त चन्द्रमा के पास है। चंद्रमा मन बुद्धि एवं अहंकार के अधिपति तो हैं ही, शिवभक्तों पर इनकी विशेष कृपा भी रहती है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार राजयक्ष्मा, क्षयरोग किसी भी तरह के चर्मरोग, मानसिक व्यग्रता पारिवारिक कलह, कफ, नज़ला, निमोनिया श्वास से सबंधित रोग से पीड़ित व्यक्ति जब शिव स्वरूप ज्योतिर्लिंग पर पंचामृत का लेप करता है तो उसकी जन्म कुंडली में चन्द्रजनित दोष शांत हो जाते हैं।

गुरू के इस इस योग का मिलेगा भक्तों को लाभ - इसी वर्ष देवगुरु बृहस्पति ने बारह वर्षों के बाद पुनः परमहंस योग बनाया है। इस योग का खास महत्व है। इस योग में किसी भी ज्योतिर्लिंग या तीर्थक्षेत्र में जाकर थोड़ा-सा भी जप-तप दानपुण्य किया जाए तो व्यक्ति को पूर्ण सुख मिलता है। चन्द्र और गुरु द्वारा बनाया गया यह दुर्लभ योग वर्तमान संवत्सर के अंत 20 मार्च 2015 तक रहेगा। इस अवधि में यह हर दृष्टि से शुभ कल्याणकारी है। दैवीय प्रकोप के पश्चात इस तरह के योग बनते हैं। क्योंकि जीवन में घटने वाली सभी घटनाओं की तिथियाँ पहले से ही तय की जा चुकीं हैं। योग बताते है कि पुनः श्रीकेदारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन हेतु भक्तों का उत्साह बरकरार रहने वाला है। लोग आगे पूरी श्रद्धा और विश्वास से केदारधाम में आएंगे।

# वास्तु : घर में कहां और कैसे रखें आईना

आईना, जिसके बगैर आपकी खूबसूरती अधूरी है समझिए। वह आईना ही है, जो आपकी खूबसूरती को आपके कॉन्फिडेंस के साथ जोड़े रखता है। लेकिन, वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि आईना यदि सही दिशा और सही स्थिति में हो तो आपका फायदा और न हो तो आपको नुकसान भी पहुंचा सकता है। आइए, जानें घर में कहां और कैसे रखें इसे...

-आप जहां रह रहे हों या जहां आपका ऑफिस हो वहां उत्तर-पूर्व दिशा में दर्पण लगाना चाहिए। आप देखेंगे कि इसके लगाते ही आय में वृद्धि तो शुरू होगी ही साथ ही कमाई के रास्ते आनेवाली बाधाएं भी दूर होंगी।

-आईना लगाते समय यह जरूर ध्यान रखें कि उस आईने में किसी शुभ वस्तु का प्रतिबिंब नज़र आ रहा हो। यह आपके भाग्य में वृद्धि लाता है।

-आईना ऐसी जगह न हो, जिसके ठीक सामने आपके घर या ऑफिस की कोई खिड़की या दरवाजा हो।

-ध्यान रखिए कि किसी भी कमरे में चारों और आईना नहीं लगाना चाहिए। जानते हैं? घर में ऐसी व्यवस्था घर के लोगों में उलझन पैदा कर देती है।

-यदि घर का कोई हिस्सा ऐसा हो, जहां अक्सर अंधेरा ही छाया रहता है तो ऐसे जगह गोल आईना लगाकर रखें। यह निगेटिव एनर्जी को भगाने की क्षमता रखता है।

-यदि आपके बेडरूम में बेड के ठीक सामने कोई आईना हो तो उसे फौरन हटाएं, क्योंकि यह आपके शादीशुदा लाइफ में बाधाएं खड़ी कर सकता है।

-कहते हैं आईना जितना बड़ा और हल्का हो, उसे उतना ही बेहतरीन माना जाता है। घर में आईने की संख्या चाहे कितनी हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन यह जरूरी है कि आईने ने अलग-अलग टुकड़ों को एकसाथ जोड़कर एक जगह न रखें, क्योंकि इस तरह के आईने में आपका शरीर खंडित नजर आएगा और यह शुभ नहीं माना जाता।

# भाग्य चमकाएं, नित्य करें यह आसान उपाय...

विपत्ति में घिरे किसी भी प्राणी के लिए तिनका भी सहारा होता है, लेकिन बहुत कम जातक जानते हैं कि प्राचीन धार्मिक ग्रंथों में दी गई सीख को अपनाने मात्र से कैसे भी बुरे दिनों से बाहर निकला जा सकता है।

- जब भी सुबह उठें तो सबसे पहले दोनों हाथों की हथेलियों को कुछ क्षण देखकर चेहरे पर तीन-चार बार फेरें और ईश्वर को नमस्कार करें। इसका कारण है कि हथेली के अग्र भाग में मां लक्ष्मी, मध्य भाग में मां सरस्वती व मूल भाग (मणि बंध) में भगवान विष्णु का स्थान होता है। नित्य यह कर्म करने से जातक का भाग्य चमक उठता है।
- वैदिक ग्रंथों के अनुसार घर में बन रहे भोजन में से पशु (गौ माता) का हिस्सा भी अलग से रखें। वर्तमान में भोजन के लिए बनाई जा रही रोटी को गाय या किसी पशु के लिए निकाल लें और उसे खिलाएं। गौमाता धरती पर ईश्वर का वरदान मानी जाती है। ऐसा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।
- घर में स्थापित देवी-देवताओं को रोज ताजे फूलों से श्रृंगारित करना चाहिए। घर में स्थापित देवी-देवताओं को फूल आदि अर्पित करने से वे प्रसन्न होते हैं व साधक का भाग्य चमका देते हैं।
- अपने निवास में प्रतिदिन सुबह झाड़ू-पोछा करें। शाम के समय घर में झाड़ू-पोछा न करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी रूठ जाती हैं और आर्थिक हानि का सामना करना पड़ सकता है।
- किसी भी तालाब, झील या नदी में मछलियों को नित्य जाकर आटे की गोलियां खिलाएं। मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने का यह बहुत ही अचूक उपाय है। नियमित रूप से जो यह उपाय करता है, कुछ ही दिनों में उसकी किस्मत चमक जाती है।
- जब भी किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए घर से निकलें तो उसके पहले अपने माता-पिता और घर के बड़े-बुजुर्गों के चरण स्पर्श करें और आशीर्वाद लें। माता-पिता को प्रत्यक्ष देवता माना गया है। ऐसा करने से सभी विपरीत ग्रह अनुकूल हो जाते हैं और शुभ फल प्रदान करते हैं।
- ध्यान रहे कि जब भी आप घर में प्रवेश करें तो कभी खाली हाथ न जाएं। घर में हमेशा कुछ न कुछ लेकर ही प्रवेश करें, चाहे वह पेड़ का पत्ता ही क्यों न हो।

# भारतीय कूटनीतिक नजरिए से कितना अहम है ब्रिटेन का सत्ता परिवर्तन

**डॉ. रमेश ठाकुर**

**लेबर पार्टी की यह जीत उम्मीदों को सच करने वाली, अभिलाषाओं को जीवित करने वाली और नए इतिहास और संविधान को स्थापित करने वाली है। नई सरकार पर उम्मीदों का पहाड़ है। चरमराई अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने की चुनौती के अलावा विभिन्न देशों के साथ संबंध सुधारने की परीक्षा भी है। लेबर पार्टी को सरकार को नए किस्म के आतंकवाद से निपटना, अमेरिका की बिलावजह दखलदांजी को रोकना, ऊर्जा स्रोतों को स्थानीय स्तर पर खोजना, गैस और प्राकृतिक संसाधनों का उत्सर्जन करना, यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद बिगड़े कई मुल्कों से संबंधों को फिर से नई धार देना भी होगा।**

ब्रिटेन में बेशक कड़ाके की ठंड पड़ रही हो, लेकिन आम चुनाव के परिणाम ने अचानक मौसम को गरमा दिया है। वहां राजनीति इतिहास का नया पन्ना लिखा जाएगा, क्योंकि सियासत की नई सुबह का आगाज हुआ है। चुनाव का ऐसा रिजल्ट, जिसकी कल्पना तक किसी ने नहीं की थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने भी नहीं सोचा होगा। ब्रिटेनवासियों ने एकतरफा फैसला विपक्ष के हक में सुना डाला। चुनाव में विजय हासिल करने वाली लेबर पार्टी ने ब्रिटेन के सियासी इतिहास में पूर्व में जीत के सभी रिकॉर्ड तोड़ डाले। रिजल्ट देखकर पार्टी प्रमुख कीर स्टार्मर फूले नहीं समा रहे। समाना चाहिए भी नहीं। आखिर उनका सपना जो सच हो रहा है। प्रधानमंत्री का ताज उनके सिर पर सजेगा। ब्रिटेन की नेशनल असेंबली में अभी तक वह नेता विपक्ष की भूमिका में थे। विपक्ष के तौर पर उन्होंने जो जनकल्याणी मुद्दे कुरेदे। उनको देशवासियों ने पसंद किया। चुनावी समर में उन्होंने जनता से जो जमीनी वादे किए, उन्हें देश के मतदाताओं ने सिर आंखों पर उठाया। जनता ने आंख मूंदकर विश्वास किया। फिलहाल उन सभी वादों को पूरा करने की जिम्मेदारी अब नए सरताज के कंधों पर है। चुनौतियां हजार हैं, लेकिन उन्हें खुद पर उम्मीद है कि चुनौतियों का सामना कर लेंगे।

भारत के लिहाज से ऋषि सुनक की हार अच्छी नहीं है, क्योंकि प्रधानमंत्री रहते उनका मंदिरों में जाना, पूजा-अर्चना करना, हिंदू-हिंदुत्व की बातें करना, ये सब सनातनी प्रचार का हिस्सा माना जाता था। शायद ऐसा करना उनके लिए नुकसानदायक साबित हुआ हो। ब्रिटेन में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं। अफसोस इस बात का है कि उन्होंने भी ऋषि सुनक से किनारा कर लेबर पार्टी को वोट किया। भारतीयों ने ऋषि सुनक को क्यों नकारा इसकी समीक्षा लंदन से लेकर भारत में खूब हो रही है। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक बेशक अपनी संसदीय नॉर्थलेरटन सीट से जीते हों। पर, बहुत कम अंतर से? उनकी समूची पार्टी बुरी तरह से हारी है। विपक्ष की ऐसी सुनामी जिसमें मानो सत्तापक्ष असहाय होकर बह गया हो। ऋषि सुनक भी मात्र 23,059 वोटों से ही जीते हैं। वरना, शुरूआती रुझानों में उनकी भी हालत पतली थी। दो राउंड तक पीछे रहे।

ताज्जुब वाली बात ये है कि नॉर्थलेरटन वह क्षेत्र है, जहां सुनक स्वयं रहते हैं और भारतीयों की संख्या भी अच्छी-खासी है। बाकायदा उनके घर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होता है, लोग शामिल होते हैं। इसके अलावा भारतीय तीज-त्यौहारों पर लोगों को जुटना होता हैं। ऐसे मौकों पर तरह-तरह के भारतीय व्यंजन पकते हैं। पर वो लोग और समर्थक भी उनसे छिटक गए। ऋषि के ज्यादातर मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ प्रमुख नेता भी चुनाव में चित हो गए। कइयों की तो जमानत भी जब्त हुई हैं। ब्रिटेन और भारत के मौजूदा चुनाव ने एक बात यह बता दी है कि मतदाताओं के मिजाज को पढ़ना अब आसान नहीं। कोई नेता या दल इस मुगालते में न रहे कि फला समुदाय या मतदाता उनका है।

बहरहाल, ब्रिटेन में चुनाव नतीजे एग्जिट पोल के मुताबिक ही रहे। कुल सीटें 650 हैं जिनमें एग्जिट पोल में लेबर पार्टी को 410 सीट मिलने का अनुमान था। नतीजों को लेबर पार्टी चमत्कार मान रही है। जैसे, दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजों को देखकर खुद अरविंद केजरीवाल हक्के-बक्के रह गए थे। लेबर पार्टी ने 650 सीटों में से 400 पार के साथ 14 साल बाद प्रचंड वापसी की है। ब्रिटेन में चार जुलाई को आम चुनाव हुए थे। चुनावी मुद्दे कुछ ऐसे थे, जिनमें ऋषि सुनक घिर गए थे। दो प्रमुख मसले जिसमें पहला कोरोना में व्यवस्थाओं का चरमराना, वहीं दूसरा देश की अर्थव्यवस्था का ग्राफ नीचे खिसक जाना। इन दोनों मुद्दों को लेबर पार्टी ने अपना चुनावी कैंपेन बनाया था। भारत के साथ मित्रता और देशवासियों के हितों की अनदेखी करने का मुद्दा भी चुनाव में खूब उछला।

ब्रिटेन की नई हुकूमत के साथ हमारे संबंध कैसे होंगे? इस सवाल के अलावा बड़ा सवाल यह भी है कि आखिर भारतीयों का सुनक के प्रति मोहभंग हुआ क्यों? ऋषि के भारतीय मूल के होने पर प्रवासी भारतीयों को उन पर गर्व होता था। पर, जब वोटिंग का समय आया, तो ऐसा प्रतीत हुआ कि भारतीयों ने इमोशनल एंगल की जगह बदलने के लिए मतदान किया। दरअसल इसे कंजर्वेटिव पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के 14 साल के शासन से उपजी निराशा मानी जा रही है। वैसे, दिल पर लेने की जरूरत इसलिए भी नहीं है, राजनीति में हार-जीत कोई बड़ी बात नहीं। बदलाव होते रहते हैं और होने भी चाहिए। किसी एक व्यक्ति या दल के पास सत्ता की चाबी ज्यादा समय तक जनता रखना भी नहीं चाहती। हमारे यहां संपन्न लोकसभा चुनाव में भी दुनिया ने चमत्कारी बदलाव देखें। हालांकि, प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हार स्वीकार करते हुए लंदन वासियों से माफी मांगते हुए लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को दिल खोलकर बधाई दी है। राजनीतिक लोगों में ऐसे नैतिकता हमेशा रहनी चाहिए।

लेबर पार्टी की यह जीत उम्मीदों को सच करने वाली, अभिलाषाओं को जीवित करने वाली और नए इतिहास और संविधान को स्थापित करने वाली है। नई सरकार पर उम्मीदों का पहाड़ है। चरमराई अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने की चुनौती के अलावा विभिन्न देशों के साथ संबंध सुधारने की परीक्षा भी है। लेबर पार्टी को सरकार को नए किस्म के आतंकवाद से निपटना, अमेरिका की बिलावजह दखलदांजी को रोकना, ऊर्जा स्रोतों को स्थानीय स्तर पर खोजना, गैस और प्राकृतिक संसाधनों का उत्सर्जन करना, यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद बिगड़े कई मुल्कों से संबंधों को फिर से नई धार देना भी होगा। भारत के साथ मधुर हुए संबंधों को यथावत रखना किसी चुनौती से कम नहीं होगा। हालांकि स्टॉर्मर ने अपने पहले विजयी भाषण में सिर्फ अपने मुल्कवासियों को संदेश दिया है।उन्होंने कहा है कि ह्यमैं आपकी आवाज बनूंगा, आपका साथ दूंगा, हर दिन आपके लिए लडूंगा। उनके कहे उन शब्दों पर जनता ने खूब तालियां बजाई हैं। लंदन का एक तिहाई समर्थन उनके पक्ष में है। इस जनादेश और जनसमर्थन को सहेजना भी कठिन परीक्षा जैसा रहेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

## संपादकीय

### सावधानी की जरूरत

देश के प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चन्द्रचूड़ ने बाजार नियामक सेबी और सैट को शेयर बाजारों में उल्लेखनीय उछालों के बीच सावधानी बरतने की सलाह दी। अधिक न्यायाधिकरण पीठों की वकालत करते हुए स्थिर नींव सुनिश्चत करने की बात भी उन्होंने बात कही। सीजेआई मुंबई में नये प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण यानी सैट परिसर का उद्घाटन भाषण कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों से सैट की नई पीठें खोलने का अग्रह भी किया क्योंकि अब अधिक मात्रा में लेन-देन और नये नियमों के कारण कार्यभार बढ गया है। उनके अनुसार, शेयर बाजार में जितनी तेजी देखी जाएगी, सेबी और सैट की भूमिका उतनी ही अधिक होगी। सेबी और सैट जैसे संस्थानों को बढ़ावा देने के पीछे उन्होंने अत्यधिक राष्ट्रीय महत्त्व बताया। प्रधान न्यायाधीश जिस वक्त यह सुझाव दे रहे थे, ऐन उसी समय बाजार में जबरदस्त तेजी देखी जा रही थी और बीएसई सेंसेक्स नये शिखर यानी अस्सी हजार को पार कर रहा था। यह अपने आपमें रिकार्ड शिखर है। शेयर बाजार और निवेश को लेकर युवाओं में गजब का उत्साह देखने में आ रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई के अनुसार इस वर्ष जनवरी तक निवेशकों की संख्या 87 मिलियन तक पहुंच चुकी थी। महामारी के बाद से इन नये निवेशकों के बढ़ते रुझान को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि उन्हें भ्रम है कि इससे हर स्थिति में मुनाफा होता रहेगा। भारतीय कंपनियों का मुनाफा अच्छा होने के बावजूद यह कभी भी लुढ़क सकता है। कई बार अचानक किसी आर्थिक गड़बड़ी के चलते घरेलू बाजार अप्रत्याशित रूप से धड़ाम भी हो जाता है। वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं और वित्तीय बाजारों का भी इस पर सीधा असर होता है। शेयर बाजार में होने वाले घोटाले और हेराफेरी पर कड़ी नजर रखी जाने के बावजूद आनन-फानन भारी मुनाफा कमाने के लोभ से मुकरा नहीं जा सकता। ऐसे में सेबी और सैट की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। खासकर छोटे निवेशकों के भरोसे को ये अप्रत्यक्ष तौर पर बढ़ाने का काम करती हैं। देश तभी आगे बढेगा, जब वह आर्थिक रूप से समृद्ध होता रहेगा और लोगों का विश्वास बढ़ता रहेगा जिसके लिए सावधानी बेहद जरूरी है।

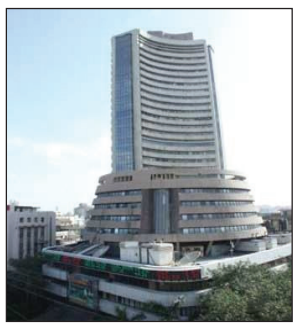

## चिंतन-मनन

### तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी। परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है।

निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

### विश्व जनसंख्या दिवसः बढ़ती जनसंख्या, असीमित चुनौतियां

कुमार कृष्णन

आज 11 जुलाई विश्व जनसंख्या दिवस के रूप में मनाया जाता है। जनसंख्या दिवस की शुरूआत संयुक्त राष्ट्र संघ के विकास कार्यक्रम के तहत 1987 में की गयी थी उस साल विश्व की जनसंख्या 5 बिलियन थी और और आज 37 वर्ष बाद विश्व की जनसंख्या 2024 मैं 8,119 करोड़ जनसंख्या हैं।

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत इस साल के मध्य तक चीन को पीछे छोड़ दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। इस साल के मध्य तक भारत की आबादी 142 करोड़ 86 लाख पहुंचने की उम्मीद है जो चीन की 142 करोड़ 57 लाख की आबादी से 29 लाख ज्यादा होगी। साल 2011 के बाद से भारत में जनगणना नहीं हुई है, इसलिए इस वक्त भारत की जनसंख्या क्या है, इसके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन साल 2020 में नेशनल कमीशन ऑन पॉपुलेशन ने जनसंख्या के अनुमानों पर एक रिपोर्ट जारी की जिसमें कहा गया कि साल 2011 और 2036 के बीच के 25 सालों में भारत की जनसंख्या 121 करोड़ दस लाख से बढकर 152 करोड़ 20 लाख हो जाएगी। इसका नतीजा ये होगा कि जनसंख्या का घनत्व 368 से बढकर 463 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो जाएगा। लेकिन जानकारों का कहना है कि भारत में ज्यादा लोग पहले के मुकाबले लम्बी उम्र तक जी रहे हैं और देश में कम बच्चे पैदा हो रहे हैं जिसकी वजह से भारत की जनसंख्या की वृद्धि दर नीचे जा रही है। वृद्धि दर के घटने के बावजूद भारत की जनसंख्या का बढ?ा जारी है और अगले कई सालों तक जारी रहेगा। ऐसी स्थिति में देश के सामने जो चुनौतियां पेश होंगी, उनका प्रभाव नकारा नहीं जा सकता है। लगातार बढ़ती जनसंख्या वैश्विक परिदृश्य में यह विषय चिंता का सबब बन गया है। सबसे बड़ी चुनौती प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता दबाव है। इन प्राकृतिक संसाधनों में जमीन, पानी, जंगल और खनिज शामिल हैं। धरती पर ये जो संसाधन हैं ,वे निश्चित तौर पर सीमित हैं। ऐसे में प्रश्न उठना स्वभाविक है कि क्या इतने सीमित संसाधनों से इतनी बड़ी आबादी का भरण -पोषण किया जा सकता है ? ऐसे अनेक प्रश्न अपना उत्तर मांगते नजर आते हैं।

जनसंख्या के बढ? की वजह से इन संसाधनों का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल होता है।

जनसंख्या की वृद्धि से अनेक समस्याएं खड़ी हो रही हैं, क्योंकि जिसकी वृद्धि हो रही है, वह कोई निर्जीव वस्तु नहीं है, सजीव इंसान है। इंसान की अपनी आवश्यकताएं होती हैं। उसकी शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक जरूरतें होती हैं। उसे जीवन जीने के तमाम संसाधन चाहिए।

नतीजतन कृषि उत्पादकता और पानी की कमी के साथ पर्यावरण में गिरावट होने की सम्भावना बढ़ जाती है। बढ़ती आबादी के कारण आवास, परिवहन, स्वास्थ्य और शिक्षण सुविधाओं से जुड़े बुनियादी ढांचे का विस्तार करने की जरूरत भी बढ़ जाती है। एक बहुत बड़ी आबादी की जरूरतों को पूरा करना एक मुश्किल काम बन जाता है और आबादी का एक बड़ा हिस्सा बदहाल हालात में जीने के लिए मजबूर हो सकता है। एक बड़ी आबादी की वजह से काम करने की क्षमता रखने वाले लोगों की एक बड़ी संख्या भी खड़ी हो जाती है। इस बड़ी संख्या को रोजगार उपलब्ध करवाना एक बड़ी चुनौती के तौर पर उभरता है। आज भी भारत में बेरोजगारी एक ज्वलंत समस्या है। लगातार बढ़ रही जनसंख्या की वजह से यह समस्या भविष्य में विकराल रूप ले सकती है। रोजगार की कमी आर्थिक असमानता और गरीबी को बढ़ाने का काम काम कर सकती है जिससे सामाजिक अशांति फैल सकती है। शिक्षा और एक बड़ी आबादी को शिक्षित और कुशल बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है क्योंकि समय के साथ जितने लोगों को शिक्षित और कुशल बनाने की जरूरत होगी उतनी क्षमता शैक्षणिक संस्थानों के पास शायद नहीं होगी। इसका सीधा परिणाम ये हो सकता है कि बहुत से लोग अच्छी शिक्षा हासिल नहीं कर पाएंगे और बहुत से लोगों के पास जो कौशल होगा वो नौकरी के बाजार से मेल नहीं खाएगा। बढ़ती जनसंख्या की वजह से गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों की संख्या बढ़ सकती है। साथ ही आमदनी की असमानता भी बढ? का खतरा है। एक बड़ी चुनौती गरीबी कम करने की कोशिशों को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने की भी होगी। कुल मिलाकर लोगों के जीवन स्तर और स्वास्थ्य और शिक्षा तक उनकी पहुंच में गहरी असमानताएं पैदा हो सकती हैं।

बढ़ती जनसंख्या का सीधा असर पर्यावरण पर भी पड़ेगा। वनों की कटाई, वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण पर्यावरण की रक्षा के लिए बड़ी चुनौतियों के तौर पर उभर सकते हैं। वृद्धि दर के घटने के बावजूद भारत की जनसंख्या का बढ?ा जारी है और अगले कई सालों तक जारी रहेगा। ऐसे में सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती लोगों के लिए प्रभावी नीतियां और योजनाएं बनाना और उन्हें लागू करना होगा। भारत की बढ़ती जनसंख्या के मद्देनजर सरकारों के लिए ऐसी नीतियां और योजनाएं बनाना और मुश्किल हो जाएगा जो ये सुनिश्चित करें कि संसाधनों का वितरण बराबरी से हो और सामाजिक व आर्थिक विषमता को दूर किया जा सके। बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी एक बड़ी चिंता ये जताई जाती है कि इससे कई किस्म की सामाजिक चुनौतियां सामने आ सकती हैं। एक बड़ी आबादी भीड़भाड़ को तो बढ़ाएगी ही, साथ ही शहरीकरण को भी बढ़ावा देगी जिसकी वजह से अपराधों में बढ़ोतरी आ सकती है और काानून-व्यवस्था कायम रखना मुश्किल हो सकता है? इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि एक बड़ी आबादी पर्यावरण और संसाधनों पर दबाव डालती है। यही कारण है कि जनसंख्या को लेकर इतना चिंताजनक विमर्श हो रहा है। हालांकि इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि भारत लंबे समय से दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश रहा है और भारत सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने ही वाला था। तो यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। भारत की बढ़ती जनसंख्या को लेकर तरह-तरह की चिंताएं जताई जा रही हैं। तो क्या किसी देश के लिए कोई आदर्श जनसंख्या होनी चाहिए? किसी भी देश के लिए कोई आदर्श जनसंख्या आकार नहीं है। जब आप जनसंख्या की बात करते हैं तो आप लोगों की बात करते हैं और लोग नंबरों से पहले आते हैं, इसलिए संख्या को लोगों से ज्यादा महत्त्व देना मानवाधिकार आधारित दृष्टिकोण नहीं होगा ज्यादा जरूरी यह है कि इस बारे में सवाल पूछे जाएं कि क्या लोगों का स्वास्थ्य अच्छा है, क्या उनके पास सही अवसर हैं, क्या वे पर्याप्त शिक्षित हैं। चर्चा का एक और विषय भारत की प्रजनन दर को लेकर भी है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़ों के अनुसार भारत के सभी धार्मिक समूहों में प्रजनन दर कम हो रही है। जनसंख्या को केवल प्रजनन दर से जोड? का मतलब ये है कि सारा बोझ महिलाओं पर डाला जा रहा है।

भारत में 25 साल से कम उम्र के लोगों की आबादी कुल आबादी का करीब 40 फीसदी है। वहीं देश की करीब आधी आबादी की उम्र 25 से 64 साल के बीच है। भारत की बुजुर्ग होती आबादी (65 साल से ऊपर) कुल आबादी का महज 7 फीसदी है। लेकिन चूंकि भारत की जनसंख्या वृद्धि दर गिर रही है तो इस बात की चिंताएं बढ़ गई हैं कि आने वाले दशकों में भारत की आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा बुजुर्ग लोगों का होगा। अगर एक औसत भारतीय की उम्र आज 28 वर्ष है तो 30 वर्षों में एक औसत भारतीय 58 वर्ष का होगा।

### पुलों का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

ललित गर्ग

बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली हैं। जैसी खबरें हैं, अकेले बुधवार, यानी 3 जुलाई को ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में पांच पुल-पुलिया धराशायी हो गए। इनमें सिवान में छाड़ी नदी पर बने दो पुल शामिल हैं। इससे पहले दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान है। इस हादसे के कारण अनेक वाहन क्षतिग्रस्त हुए एवं एक व्यक्ति की मौत हो गई और 8 लोग घायल हुए थे। सभी को इस बात की हैरानी हो रही है कि देश के सबसे प्रमुख हवाईअड्डे पर इस तरह का हादसा कैसे हो सकता है? मुंबई में भी घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। इन पुलों के गिरने एवं अन्य सरकारी निमार्णों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चाहे राजनीति की हो, सामाजिक हो, पारिवारिक हो, धार्मिक हो, औद्योगिक हो, शैक्षणिक हो, चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। पुल के गिरने से जितने पैसों की बबार्दी हुई, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? बिहार में पुल गिरने की ताजा घटनाएं कोई पहली नहीं है। इससे पहले पिछले साल भर में सात पुलों के ढह जाने की खबरें आईं थी।

जाहिर है, इन पुलों के ढहने एवं गिरने से कई गांवों का आपस में सीधा संपर्क टूट गया है और मानसून के मौसम में उनकी परेशानियां बढ़ गई हैं। बरसात के मौसम में जर्जर ढांचों के गिरने की घटनाएं ज्यादा घटती हैं और इसीलिए सभी राज्यों में स्थानीय प्रशासन मानसून आने से पहले ही उनकी पहचान कर उनका इस्तेमाल प्रतिबंधित कर देता है। मगर पुल कोई रिहाइशी इमारत नहीं, जिसमें चंद परिवार या कुछ लोग रहते हों, और जिसे एहतियातन खाली करा लिया जाए। ये पुल ग्रामीण लोगों के जीवन की अनिवार्यता एवं जीवनरेखाएं हैं। उच्च तकनीक और प्रौद्योगिकी के मौजूदा समय में उच्च लागत के बावजूद छोटी नदियों और नहरों पर बनने वाले पुल भी यदि चंद वर्षों में या बनते ही धराशायी हो जाएं, तो इसको कुदरती कहर का नतीजा नहीं, आपराधिक मानवीय लापरवाही, भ्रष्टाचार एवं सरकारी धन का दुरुपयोग ही मानना चाहिए। बिहार में सिवान की जिस नदी पर दो पुलों के ढहने की घटना घटी है, वह मृत हो चुकी थी और उसे जल-जीवन हरियाली अभियान के तहत पुनर्जीवित किया गया था। निस्संदेह, इसके लिए राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन सराहना के पात्र हैं। आखिर इस नदी के जिंदा होने से हजारों एकड़ भूमि की सिंचाई को बल मिला है। मगर क्या उसी तंत्र को यह भी नहीं सुनिश्चित करना चाहिए था कि जो पुल जर्जर अवस्था में हैं, उनका विकल्प भी साथ-साथ तैयार किया जाए? इस तरह बार-बार पुलों का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में तीव्रता से व्याप्त है, अनेक हादसों एवं जानमाल की हानि के बावजूद भ्रष्ट हो चुकी मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं होता। ये पुल हादसें एवं ध्वस्त होने की घटनाएं बिहार में सरकारी भ्रष्टाचार के चरम पर होने को ही बल देती है। ऐसा नहीं है कि बिहार में ही ऐसे हादसें हो रहे हैं। गुजरात के मोरबी पुल हादसे को लोग अब भी नहीं भूले हैं। इस हादसे में 135 लोगों की मौत हो गई थी। सात साल पहले कोलकाता में विवेकानंद पुल के ढहने से 26 लोगों की मौत की घटना भी सबको याद होगी। सिर्फ बिहार में पुलों का यूं ढहते जाना ही चिंता की बात नहीं है, दूसरे तमाम राज्यों से भी चमचम सड़कों पर बनते गड्ढ़ों और नए निर्माण के दरकने की खबरें लगभग रोजाना सुर्खियां बटोर रही हैं। इसलिए बेहतर होगा कि तमाम सार्वजनिक निर्माण में पारदर्शिता, ईमानदारी एवं आधुनिक स्थापित मानकों की गारंटी सुनिश्चित की जाए और इसमें किसी किस्म की कोताही बरतने वाले की जिम्मेदारी तय हो। देश भर में तमाम पुराने पुलों की समीक्षा के साथ-साथ उनके रखरखाव या वैकल्पिक पुल के निर्माण को लेकर ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

इतना तय है कि ये सभी पुल अगर भरभरा कर गिर रहे हैं तो इनकी डिजाइन गलत होने से लेकर उसमें उपयोग होने वाली सामग्री के घटिया होने का भी साफ संकेत है। लेकिन जिस तरह सरकार इन एवं ऐसे पुलों की गुणवत्ता और जोखिम का अध्ययन करा रही थी, क्या उसके निर्माण के दौरान या उससे पहले डिजाइन सहित उसके हर कसौटी पर बेहतर होने के लिए जांच कराना सुनिश्चित नहीं कर सकती थी? यह तय है कि इन पुलों के निर्माण में व्यापक खामियां थीं और वे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गये। सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को पुल निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती हैं, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता?

देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषतः राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरूद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बड़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है। हादसों का एक बड़ा कारण जांच में दोषी और जिम्मेदार ठहराए गए अधिकारियों एवं ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का न होना भी है। बिहार, दिल्ली, मुम्बई, गुजरात हादसों के दोषियों को बचाने के प्रयास भी सबके सामने हुए हैं। हर हादसे के बाद लीपापोती के प्रयास खूब होते हैं। हादसे में मरने वालों के परिजनों को मुआवजा बांटकर ही अपनी जिम्मेदारी पूरी समझने वाली सरकारों को इससे आगे बढ़ना होगा। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी रखने की पारदर्शी नीति नियामक केन्द्र बनाने के साथ उस पर अमल भी जरूरी है। विकसित देशों में भी ऐसे हादसे होते हैं, लेकिन अंतर यह है कि भारत में ऐसे हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# Kya Pappu pass ho gaya

PAPPU, as Congress leader Rahul Gandhi has been pejoratively called for several years by the ruling BJP, has cleared the people's test, as we know by now, with pretty good marks. Not with a 'first class first', as was said in the good old days, nor with 'distinction' or 'flying colours', because that would have meant that the Congress or the INDIA bloc was voted to power in the recent elections. But certainly enough to make a difference in the 18th Lok Sabha — as well as in the rest of the country.Rahul's speech in this short, inaugural session in which he invoked the gods and saints — from Shiva to Guru Nanak and Jesus Christ — as he sought to draw a distinction between the all-encompassing spirit of Hinduism and a more muscular Hindutva that the BJP has recently espoused, was long needed to be made in Parliament.eanwhile, fiery Trinamool Congress leader Mahua Moitra quoted both Pablo Neruda and Puneet Sharma ("tum kaun ho bey/mujhe poochhtey ho/iss desh se mera rishta kitna gehra hai") to assert the new 'freedom from fear' that she insisted was the new leitmotif of the land.

Significantly, neither Chandrababu Naidu's TDP nor Nitish Kumar's JDU, which help keep Prime Minister Modi in power, made much of a noise. It was almost as if they didn't care. Seems both Naidu and Nitish are keenly aware — despite the latter's alleged medical condition — that this is the time to strike while the iron is hot. Meaning, now is the time to demand cash from the Centre to refurbish their states, with or without 'special category status'.Naidu especially, who furnishes 16 key MPs to the NDA, well understands the nature of his newfound power. He's been in a few political parties, doesn't mind the tag of a turncoat, and as Modi's ally intends to extract his pound of flesh. So, on Thursday in Delhi, he met six ministers — Amit Shah, Nitin Gadkari, Piyush Goyal, Shivraj Singh Chouhan, Manohar Lal Khattar and Hardeep Puri — apart from the PM. The Centre, he added, should set up a mechanism to 'effectively coordinate' with his state's officials for 'timely intervention' in the issues flagged — from building a ring road around the new, unbuilt capital at Amravati to demanding that Finance Minister Nirmala Sitharaman announce the establishment of a new oil refinery for Andhra Pradesh in her Budget speech.It's not clear how much money Naidu wants. Some say Rs 1 lakh crore; others say half of that. What is crystal clear is that he is going to get it. According to this hyper-realist school of thought, warm and fuzzy speeches in Parliament, like those made by Rahul and Mahua, are, frankly, irrelevant. That Modi 3.0 will last only as long as Naidu remains fully satisfied, and that therefore it will be in Modi's interest to keep him in that state of pleasure.

Moreover, it's not as if Delhi doesn't have the money — it does. It also has the smartest bureaucrats to figure out how to pay it out. Both Modi and Naidu know that. Nor has it escaped them that Nitish may be the more dangerous man today because Bihar will go to the polls next year and that a desperate man may go to any lengths to get his needs met – including switching political parties. Fortunately for all sides concerned, India is one of the few sweet spots in the world today, because its economy is doing fairly well — although it's another matter whether a substantial part of the money should be used to dress up just two states.

Which version of Delhi, then, is more true? The one that insists that India has changed because the BJP is not just no longer in majority, but on the back foot, and that people will no longer bend towards the ruling party's majoritarian agenda? Or the one that believes that Parliament must necessarily remain an upscale debating club, because the real exercise of power will always take place outside.

# UK poll verdict more a Tory defeat than a Labour victory

## Rishi Sunak had little time to undo the damage inflicted on the economy by Liz Truss' mismanagement.

THE overwhelming conclusion that emerges from the UK general election results is that it is more of a defeat of the Conservative Party and less of a victory for the Labour Party. Though voters demonstrated their deep disenchantment with the ruling party and the government, they did not show much enthusiasm for Labour.The protest vote against the Conservative government ensured a massive Labour majority. The electoral contest witnessed one of the lowest voter turnouts in the UK's electoral history. Many Conservative supporters simply did not turn out to vote or voted for the more extreme right-wing party, Reform UK. This contributed significantly to the devastating rout of the Tories, to the extent that former Prime Minister Liz Truss and dozens of ministers suffered humiliating defeats.

The lack of enthusiasm for Labour was a result of the general perception that party leader Keir Starmer could not be trusted because he kept making U-turns on policies regarding green transition, taxing billionaires, improving workers' rights, child benefits and the welfare regime. He opted for politics of ambiguity by focusing on promising change, based on his assessment that voters were unhappy with the Conservative Party's governance, but stopped short of offering concrete proposals.he dissatisfaction with the Tories also benefited the Liberal Democrats — the third largest party, after the Conservatives and Labour — who were the main opponents of the Conservatives in some regions, especially South West England. Their tally of 71 seats (in a Parliament of 650 seats) is their best electoral performance since 1923.The Green Party has achieved great success. For over a decade, the party could secure just one seat. But it broke through that barrier this time, winning all four seats it had targeted with massive margins. The party had contested 574 seats all over England and Wales to ensure the presence of its vision and programme even in those places where it did not have an adequate party structure. It emerged in the second place in a substantial number of seats, suggesting the possibility of further expansion. The increasing influence of the Green Party is an indication of the growing consciousness, especially among younger and university-educated voters, of the urgency of green economic policies to avert a climate catastrophe. The party bagged nearly 8 per cent of the votes in the country, indicating that if there were to be a proportional representation system of election, the party's seats and influence in Parliament and policy-making would achieve a substantial boost.

The shift from the flawed first-past-the-post system of elections to the proportional representation system is strongly supported by the Liberal Democrats and the Green Party. The Labour Party conference has also formally passed a resolution in favour of proportional representation, and it remains to be seen whether the new government will actively seek to bring about this change in the electoral system. The UK is the only country in Europe that does not have any proportional representation dimension in its election system. Unfortunately, the first-past-the-post system followed in the UK has left its impact on its erstwhile colonies, such as some countries in South Asia.

The mismanagement of the economy during the past five years of Conservative rule, with an emphasis on a market-oriented mode of governance, led to the weakening of public services — the National Health Service, schools, social care, sewerage and the public transport system, especially the railways. This mismanagement became most glaring during Truss' brief tenure as the PM. Her drastic policy of reducing taxes and depending on debt to finance governance rattled the markets and led to a rise in inflation, which then fuelled an increase in interest and mortgage rates. The rise in mortgage rates, coupled with a surge in food prices because of the Russian-Ukraine conflict, led to a drastic increase in the cost of living for a wide section of the population.Rishi Sunak and his Chancellor (Finance Minister) Jeremy Hunt had little time to undo the damage inflicted on the economy by her mismanagement. Both did demonstrate some economic competence, which is partly the reason that they have won from their respective constituencies, while many of their colleagues have been badly defeated. However, their social base — richer sections of the population — led them to pursue economic policies like reducing welfare expenditure, which damaged their political support.

The UK is composed of four regions (called nations) — England, Scotland, Wales and Northern Ireland — and each of them has its own specific political culture and complexities. England is the biggest of the four nations.

In Scotland, the Scottish National Party (SNP), whose programme centres on seeking independence from the UK, faced a huge defeat despite no decline in the demand for independence. Scottish voters rejected SNP candidates because of the financial mismanagement of the party and voted Labour after a long time to both punish the SNP and defeat the Conservatives.In Wales, the Conservative Party did not win a single seat. Plaid Cymru, a votary of Welsh independence from the UK, increased its seat count and vote share, though Labour won a majority.

In Northern Ireland, Sinn Féin, which advocates for a united Ireland, emerged as the single largest party for the first time; none o the England-based parties has any presence there.The incoming Labour government led by Starmer faces myriad challenges. It has to steer the economy to improve public services, manage immigration to minimise the dangers of the rise of the anti-immigrant Reform UK, devolve power to meet aspirations for independence of non-English regions, contribute to reducing tensions in Ukraine and Gaza and tackle the problems emerging from climate change.

# Learn from tragedies

## Like Naina Devi, ensure safer gatherings

IN the wake of yet another stampede in the country — at Hathras this time, where over 120 lives were tragically lost during a religious congregation — the spotlight falls on the sad fact that we rarely learn from past mistakes. Such tragedies are usually followed by a knee-jerk reaction comprising a patch-up job — thereafter, it's business as usual. Till another tragedy strikes. The urgency of bringing into effect stringent long-term measures and proactive planning to prevent such avoidable disasters is missing in our policies. A case in point is the 2008 Naina Devi temple stampede, in which the lives of 146 devotees were lost due to panic triggered by the rumour of a landslide. It led to some improvements in crowd control, with the implementation of batch-wise movement of pilgrims and enhanced facilities for their comfort and safety. However, all is not hunky-dory as certain other recommendations made by the committee set up for the purpose then have either not been implemented, or are a work in progress even 16 years down the line.

Meanwhile, Rahul Gandhi's meeting with families of some Hathras victims and his call for timely and substantial compensation highlight two crucial aspects of leadership in times of crisis — empathy and accountability. Regardless of political affiliations, the demand for a thorough investigation into the lapses by the administration is a necessary step towards ensuring justice and preventing similar mishaps.

The authorities must adopt robust crowd management strategies, including adherence to venue capacity limits, effective emergency response plans, adequate deployment of security and medical personnel and real-time monitoring through CCTV cameras and effective communication channels. We owe it to the victims of stampedes that their deaths are not in vain but rather catalysts for lasting improvements in crowd safety protocols nationwide.

# Acrimony again trumps parliamentary norms

## It will be good for the country's politics if, at a time when India faces grave security challenges, all political leaders eschew the temptation of making personal remarks.

THE hope that the acrimony of the recent elections and political divisions would be put behind as the 18th Lok Sabha convened has been belied. Both the ruling BJP and the Congress-led Opposition have become more combative, and no accommodation is being shown by either side. In the process, established norms are being abandoned, with both sides blaming each other for doing so. Prime Minister Narendra Modi is attempting to impress upon the nation that the loss of the BJP's majority in the Lok Sabha will not lead to a material change in either his priorities or the manner in which he has led the government over the past decade. The steps he has taken in government formation and his addresses to both Houses of Parliament make that abundantly clear.On the other hand, the Congress and its allies are pushing the idea that the BJP's loss of 63 seats (from 303 in 2019 to 240 this time) has materially altered the political situation and that Modi cannot run the government as he did in his first two terms.

The lack of adherence to parliamentary norms and rules as well as decency by both sides during the debate on the President's address is a precursor to their approach towards each other in the coming months and years. In this context, three points can be made straightaway.

First, Rahul Gandhi, who is the first Leader of the Opposition (LoP) in the Lok Sabha in a decade, made a bitingly critical speech against the ruling dispensation, including its policies and governance style as well as methods. He was within his right to do so. Parts of his speech were expunged, and he protested to the Speaker against the action. It was perhaps the expunging of portions of his speech that led the Opposition to make a ruckus during Modi's speech. This was wrong and disrespectful to the office of the Prime Minister. It was also noteworthy that the treasury benches did not really interrupt Rahul's speech. Hence, it would have been appropriate if the same courtesy was extended to Modi.

Second, no real political gains were made by the Congress in going against convention by having a contest for the Speaker's post. What has been lost, though, is a good convention. Also, the convention that the Deputy Speaker's position goes to the Opposition was followed by previous governments. They did not suffer any political damage by doing so. The Modi government could allow the Deputy Speaker's job to go to an Opposition MP.Third, towards the conclusion of his speech in the Lok Sabha, Modi said (roughly translated from Hindi to English): "They may claim whatever they may about numbers. When we came in 2014, our strength was low in the Rajya Sabha and the chairperson's leaning was somewhat towards the other side. But we remained firm and determined in our commitment to serve." It is sad that the PM cast aspersions on the neutrality of then chairperson of the Rajya Sabha, Hamid Ansari, while speaking in the Lower House.Normally, no remarks are made about the conduct of the chairperson of one House in the other. This principle should extend to former chairpersons too. This is because they belong (or have belonged) to different political formations. Hence, if one party or formation criticises the conduct of a particular ex-chairperson, others are likely to do the same to others. Hence, till now, ex-chairpersons' conduct or inclinations were not commented upon.Allegations of a chairperson lacking neutrality are serious because the first requirement of the chairperson of either House is to treat all members equally. Naturally, if a chairperson does not do so, he or she violates the basic trust reposed in him or her by the House.here is another aspect: Should a charge of this kind be made when the person who held the chair is not present to mount a defence? This is an additional reason why such charges of partiality or impropriety should not be made.In view of these factors, it was surprising that neither the Speaker nor any member of the Opposition came to Ansari's defence. The Speaker could have gently pointed out to the PM that the comment on Ansari was not in keeping with the high standards of Parliament. The LoP could have done the same. It has been seven years since Ansari demitted vice-presidency. But that should not make a difference to the need to omit the PM's remarks on him from the record. Indeed, it would be gracious of Modi himself to ask that they be removed. This would add to his stature, not diminish it.

During the course of his address in the Lok Sabha, Modi — without naming Rahul — made it clear that he thought the Congress leader had exhibited 'balak buddhi' (childish behaviour/intelligence). This is reminiscent of Rahul being referred to as 'Pappu'. That word is no longer used for him. The attention he gained from his Bharat Jodo Yatra and Bharat Jodo Nyay Yatra led to him being taken seriously by a large section of the people.The additional seats won by the Congress — though Modi is right when he says that the NDA won the election — and Rahul becoming the LoP have also meant that he is a pushover no more. The BJP will, therefore, have to do a lot of work to make the term 'balak buddhi' stick in the public imagination for Rahul. It will be facilitated if he makes inaccurate or unsubstantiated comments on matters that are vital to the national interest. Hence, it will be good for the country's politics if, at a time when India faces grave security challenges, all political leaders eschew the temptation of making personal remarks. Instead, they should join hands to address the demands on them for ensuring India's progress and security.

# Union Budget: Infra Push, Structural Reforms For Sustainable Growth Key Industry Wish-List

**New Delhi.**With the government set to present the Union Budget 2024-25 on July 23, industry leaders and experts have reiterated the importance of structural reforms to drive sustainable and inclusive economic growth, especially the critical role of infrastructure development towards India becoming the third largest economy.

According to industry chambers, by prioritising structural reforms, strategic infrastructure development, targeted sectoral initiatives and a rationalised tax system, India can navigate current challenges and emerge as a stronger, more competitive economy in the long run.Assocham has recommended accelerating investments through public-private partnerships (PPPs) with a focus on key sectors like transportation, energy, water supply, and digital infrastructure. This will enhance connectivity, improve productivity, and bolster India's overall competitiveness.In order to address the growing concern for environmental sustainability, the leading chamber of commerce urged the government to introduce policies and incentives that promote clean technologies, renewable energy sources, and sustainable practices across industries like agriculture, manufacturing, and transportation.The government can further streamline regulations, expedite approvals and permits, and leverage digitalisation to attract investments and enhance operational efficiency, according to industry watchers.According to ICRA, the government's revenue receipts are likely to witness an upward revision of Rs 1.2 trillion in the 'FY2025 Revised Budget' over the 'Interim Budget Estimate' (IBE), while pegging a relatively shallower increase in the revenue expenditure (revex) target, largely focused on the rural economy.The rating agency expects the revenue receipts of the government to increase on the back of a higher RBI dividend and a rise in tax collections."The government is likely to set a fiscal deficit target at 4.9-5.0 per cent for FY2025, vis-a-vis the IBE of 5.1 per cent of GDP, without compromising the capital expenditure target of Rs. 11.1 trillion," according to ICRA. The Budget Session of Parliament will start on July 22 and extend till August 12.

Finance Minister Nirmala Sitharaman will present the budget at a time when the Indian economy has clocked a robust 8.2 per cent growth in 2023-24, which is the fastest among the world's major economies, and inflation coming down to below 5 per cent.

The RBI has stated that the economy is headed to an over 8 per cent growth trajectory. Prime Minister Narendra Modi has already declared that "the next five years will be a decisive fight against poverty".

# Ola exits Google Maps, to save Rs 100 cr per year with in-house maps

**NEW DELHI.** After exiting Microsoft's Azure last month, Ola Cabs has now fully exited Google Maps, moving to its in-house Ola Maps, founder-CEO, Bhavish Aggarwal has said in a post on X. He said that the company used to spend Rs 100 crore a year on Google maps, which they have made zero by this move to in-house Ola maps.Aggarwal said that Ola Cabs will see a number of features in the coming months, which include street view, neural radiance fields (NERFs), indoor images, 3D maps and drone maps, among others.

In October 2021, Ola had acquired GeoSpoc, a Pune-based company specialising in geospatial services. Ola Maps now supports the mapping requirements of its primary ride-hailing application. Additionally, the company said that it will integrate Ola Maps into its electric two-wheelers through a software update in January.In May, Aggarwal had said that his company has decided to move its entire workload out of Microsoft Azure to its own cloud platform Krutrim.

The move was a reaction to Microsoft-owned LinkedIn removing Aggarwal's post on 'pronoun illness', in which he called out the platform for imposing a 'forced ideology' over gender pronouns.

Festive offer

This led to a loss of over Rs 100 crore for Microsoft in India, as Ola was its big customer. He also threw an invitation to other developers, saying if they wanted to move out of Azure, he will offer a full year of free cloud usage to them.The only condition being that they should not go back to Azure after that.

# Hindenburg shared Adani report with client two months before publishing it: SEBI

**NEW DELHI.** US short-seller Hindenburg Research had shared an advance copy of its damning report against Adani group with New York-based hedge fund manager Mark Kingdon about two months before publishing it and profited from a deal to share spoils from share price movement, according to market regulator Sebi.The Securities and Exchange Board of India (Sebi), in its 46-page show cause notice to Hindenburg, detailed how the US short seller, the New York hedge fund and a broker tied to Kotak Mahindra Bank benefited from the over USD 150 billion routs in the market value of Adani group's 10 listed firms post-publication of the report.

ebi charged Hindenburg of making unfair profits from collusion to use non-public and misleading information and induce panic selling in Adani Group stocks.Hindenburg, which made public the Sebi notice, in its response, has described the show cause as an attempt to "silence and intimidate those who expose corruption and fraud perpetrated by the most powerful individuals in India" and revealed that the vehicle used to bet against Adani's flagship firm Adani Enterprises Ltd belonged to Kotak Mahindra (International) Ltd, a Mauritius-based subsidiary of Kotak Mahindra Bank Ltd.KMIL's fund placed bets on Adani Enterprises Ltd for its client Kingdon's Kingdon Capital Management.Sebi notice includes extracts of time-stamped chats between an employee of the hedge fund and KMIL traders for selling future contracts in AEL.

# FSSAI Cracks Down on Misleading Claims on Packaged Food: Salt, Sugar, Fat Label In Bigger Font Soon

## FSSAI proposes mandatory bold labeling of salt, sugar, and fat content on packaged foods

**NEW DELHI.** Food regulator Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) on Saturday approved changes in nutritional information labelling on packaged food items, proposing that total salt, sugar and saturated fat should be displayed in bold letters and in bigger font size.he FSSAI will issue a draft notification on this and seek stakeholder comments.FSSAI is the national regulatory body for food in India. It is responsible for ensuring the safety and quality of food items manufactured, stored, distributed, sold and imported in India.n an official statement, Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) said it has approved "a proposal to display nutritional information regarding total sugar, salt and saturated fat in bold letters and relatively increased font size on labels of packaged food items".The decision to approve the amendment in the Food Safety and Standards (Labelling and Display) Regulations, 2020 regarding nutritional information labelling was taken in the 44th meeting of the Food Authority, held under the chairmanship of Apurva Chandra, Chairperson, FSSAI.The amendment aims to empower consumers to understand better the nutritional value of the product they are consuming and make healthier decisions," the regulator said.The draft notification for the said amendment would now be put in the public domain for inviting suggestions and objections.The information regarding per-serve percentage (%) contribution to Recommended Dietary Allowances (RDAs) would be given in bold letters for total sugar, total saturated fat and sodium content, the FSSAI said.

The regulator said that regulations 2 (v) and 5(3) of FSS (Labelling and Display) Regulation, 2020 specify requirements to mention serving size and nutritional information on the food product label, respectively.Along with empowering consumers to make healthier choices, the amendment would also contribute towards efforts to combat the rise of Non-Communicable Diseases (NCDs) and promote public health and well-being," the statement said.The prioritisation of the development of clear and distinguished labelling requirements would help in the global effort to combat NCDs.FSSAI said it has been issuing advisories from time to time to prevent false and misleading claims.

These include advisories sent to e-commerce websites for removal of the term 'Health Drink' as it is not defined or standardized anywhere under the FSS Act 2006 or rules/regulations made thereunder.It has also recently asked all Food Business Operators (FBOs) to remove any claim of '100% fruit juices' from the labels and advertisements of reconstituted fruit juices.The regulator also directed FBOs not to use the term wheat flour/refined wheat flour.

These advisories and directives are issued to prevent misleading claims by FBOs.

Senior officials from the Ministry of Health and Family Welfare, Ministry of Commerce, Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution, Ministry of Law and Justice, Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises; states and Union Territories attended the meeting.Representatives from industry associations, consumer organisations, research institutes and farmers' organisations were also present at the meeting.The FSSAI was established under the Food Safety and Standards Act, of 2006 and has its headquarters in New Delhi. It functions under the Ministry of Health & Family Welfare, Government of India.

# How Much Do High Net-worth Individuals Invest In Term Insurance Policybazaar Reveals Trends

## More individuals are now opting for customising their coverage with suitable riders to ensure an additional layer of protection.

**NEW DELHI.** As the awareness and demand for term insurance gain momentum, Policybazaar has observed a steadily growing preference among High-Net-Worth Individuals (HNIs) for high-value insurance coverage. This shift is visible through an increasing number of HNIs opting for high-value policies of Rs 20 Crore over the last few years, the insurance marketplace said.The data pertains to trends on the Policybazaar platform only.According to Policybazaar, this trend reflects an evolving sense of risk management and financial planning in this segment. Also, this marks a departure from the conventional belief that online platforms are not favoured for high-value transactions.The shift in insurance choices is also clear with more people now opting for Rs 5 Crore policies, which was seen as very high coverage.Currently, these policies are becoming as common as the Rs 1 Crore policies, showing that Rs 5 Crore is becoming the new norm in HNI term insurance.

Key Locations

The trend indicates a notable concentration of such purchases in key metropolitan regions. In the National Capital Region (NCR), followed by Pune, Hyderabad, and Visakhapatnam, several policies worth 20 Crore have been bought by HNIs, reflecting the growing demand for comprehensive financial protection.Similarly, cities like Bengaluru, Chennai and Mumbai have also shown a noticeable uptake, with policies ranging between Rs 10 to 15 Crore being bought by HNIs here.arbvir Singh, joint group CEO, PB Fintech, said, "We are delighted to witness the growing trust of HNIs in Policybazaar for their term insurance needs. The online sale of high-ticket size policies dispels the myth that digital mediums are not preferred by customers for such high-stake transactions. We will continue to provide the accessibility, transparency and convenience that our customers trust us with."There have also been several interesting trends that have been noticed in consumer buying behaviour;Rhishabh Garg, business head, term insurance at Policybazaar, added, "The increasing demand for high-value term insurance policies highlights the importance of growing awareness among HNIs. We are committed to providing solutions that meet our customer's needs at every step of their journey. We will continue to build products that help every customer find the right coverage to protect their loved ones."

# Wealth creators, dharma & Bharat

**NEW DELHI.** World-wide, there is talk about India's economic growth over the past three decades. Estimates show the country could become the third-largest economy in the world by 2030 with a gross domestic product (GDP) of over 7.3 trillion USD. This is attributed to the overall improvement of labour conditions, innovation, research, a pro-entrepreneurial environment, growth of capital stock and the dedicated hard work of wealth creators in the country who contribute significantly to the economy.

This growth is a far cry from the economic-ecosystem of the country in the first few decades after its independence wherein policies were socialistic-leaning. Nationalization and inefficient handling of high-earning sectors created barriers to growth. The stringent "License Raj" regulations hindered the creation of entrepreneurship and free market competition. The 1990's saw the liberalization of the Indian economy, an influx of investments and alleviated over 270 million people from abject poverty.

Thanks to the colonial era and the period after that, it has been ingrained in the mind of the average Indian that those who have created wealth have done it illegally or at the cost of society. This conditioning and mindset will require some serious revisiting, especially considering the "Viksit Bharat" vision, which plans to transform India into a developed nation by 2047. With such a grand scheme, it is important that society supports the growing, aspirational, and young middle class which is a key ingredient in India's 2047 plan. It's time to see beyond the capitalism vs socialism models; a mixed economic model with the state playing the role of an enabler and encouraging businesses works for Bharat.The government plays a necessary role in the changing landscape of new-India. Policies (just to name a few) such the Pradhan Mantri Mudra Yojana which aimed to support MSME businesses through loans without collateral have generated jobs, enabled expansion of enterprises, promotes skill development, and removed barriers for individuals from lower economic backgrounds.The Stand-Up India Scheme for entrepreneurs belonging to Scheduled Castes and Tribes has provided loans and assistance to dozens of innovative individuals.The Mahila Coir Yojana has given rural women-entrepreneurs a subsidy of up to 75% for machinery costs, which has also broken down other socio-economic barriers.In the next few decades, Bharat is primed to see huge multi-national companies originating from the country itself, just how the U.S. and China have seen the growth of multiple Fortune 500 companies from their territories. In the last decade, India has taken some significant policy measures to encourage entrepreneurship and innovation.

# FPIs inject Rs 7,900cr in equities in the first week of July; investment surpasses Rs 1 lakh cr in 2024

**NEW DELHI.** Foreign investors infused over Rs 7,900 crore in Indian equities in the first week of the month amid a healthy economic and earnings growth momentum. With this, total FPI investment in equities reached Rs 1.16 lakh crore this year, data with the depositories showed.Going forward, the Union Budget and Q1 FY25 earnings could determine the sustainability of FPI flows, experts said.According to the data, foreign portfolio investors (FPIs) have made a net inflow of Rs 7,962 crore in equities so far this month (till July 5).This came following an inflow of Rs 26,565 crore in equities in June, driven by political stability and a sharp rebound in markets.Before that, FPIs withdrew Rs 25,586 crore in May on poll jitters and over Rs 8,700 crore in April on concerns over a tweak in India's tax treaty with Mauritius and a sustained rise in US bond yields.Some funds were probably waiting on the sidelines for the election event to be over, Milind Muchhala, Executive Director, Julius Baer India, said."We believe that India remains an attractive investment destination amid a healthy economic and earnings growth momentum, and the FPIs cannot afford to ignore the markets for too long," he added.eojit Financial Services Chief Investment Strategist VK Vijayakumar said a significant feature of FPI flows is that their selling in India has been triggered by external factors like rising bond yields in the US and low valuations in other emerging markets. When that situation changes, they again become buyers in India.In the fortnight that ended June 30, FPIs bought heavily in telecom and financial services. Additionally, they were buyers in autos, capital goods, healthcare and IT. On the other hand, selling was seen in metals, mining and power, which had run up too fast in recent months.Apart from equities, FPIs invested Rs 6,304 crore in the debt market during the period under review. This has pushed the debt tally to Rs 74,928 crore this year so far.

# Healthcare sector witnesses major consolidation

**BENGALURU.** The healthcare sector is on the verge of rapid consolidation as collaborations, mergers and acquisitions (M&A) have become the norm due to market dynamics in the space. Also, this is driven by cost factors and the need to make use of advanced technologies to serve patients better and faster.

The sector has been witnessing many major deals as this year alone it saw over 8 deals amounting to more than $1,068 million. In 2023, PE-VC investments in India stood at $4,506 million across 19 deals.

Dr. B S Ajaikumar, Executive Chairman, Healthcare Global Enterprises Ltd, told TNIE that consolidation is very helpful particularly in a niche space like oncology to bring about uniformity and standardisation of cancer care, as well as excellence in clinical innovation across the length and breadth of India.

HCG last month announced the acquisition of Mahatma Gandhi Cancer Hospital & Research Institute (MGCHRI) in Vizag, Andhra Pradesh, for an enterprise value of Rs 414 crore. HCG will have an initial 51% stake in the hospital, with plans to complete the acquisition of the additional 34% stake over the next 18 months.

Speaking about it, Ajaikumar said this consolidation will ease our process of key data collection, as also the analysis of case histories and outcomes specific to the Indian sub-continent.

He is looking forward to scaling new highs by virtue of the hospital's association with a renowned surgeon like Dr. Murali Krishna Voonna (oncology surgeon). "This acquisition is a win-win for both partners given the financial fillip and economies of scale through shared services and tapping of growth opportunities in a strategic location like Vizag," he said.On July 1, global investment firm KKR announced the acquisition of a controlling stake in Baby Memorial Hospital, a multi-specialty hospital network in India. This transaction builds on KKR's track record in the healthcare sector in the country and across the Asia Pacific, which includes Max Healthcare, Healthium, and Infinx, among others.Early this year, New Delhi-based private hospital chain Max Health Institute made two big acquisitions – Nagpur-based Alexis Multi-Speciality Hospital for an enterprise value of Rs 412 crore and Lucknow-based Sahara Hospital for an enterprise value of Rs 940 crore.Can consolidation help boost healthcare?

Dr Debojyoti Dhar, Co-founder and Director, Leucine Rich Bio, a microbiome company, pointed out that as per the report by the National Conference of State Legislatures, consolidation of the

health system may improve care coordination, quality and efficiency. Consolidation in the healthcare sector is a crucial step towards simplifying the customer experience and accelerating the adoption of novel technologies.

"As new start-ups develop groundbreaking technologies, combining these different services into one place makes it easier for patients. This approach not only makes things run smoother but also speeds up how quickly new technologies are used and expanded. It means that advanced healthcare solutions can get to people faster and be more accessible to everyone. Secondly, it helps to scale up the new technologies faster and make it more accessible to the end user," he said. Kaushik De, Manager, Growth Advisory, Aranca, pointed out a few examples including Apollo Hospitals, which acquired Artemis and Sanjeevani Hospitals, and Fortis Healthcare, which made multiple acquisitions such as SRL Diagnostics, Escorts Heart Institute, and Malar Hospitals. Manipal merged with Columbia Asia in 2021, enhancing its coverage to 7,300 beds across 27 hospitals.He said, "Key drivers include regulatory changes such as Foreign Direct Investment (FDI) policies and the National Health Policy 2017, which encourage mergers to meet standards and improve service delivery, as seen with IHH Healthcare Berhad, Malaysia, acquiring a controlling stake in Fortis Healthcare in 2018. Financial stability is another factor, allowing larger organisations to better absorb economic shocks and invest in growth."

# Hathras Stampede Puts Spotlight On India's Craze For Godmen

**A gathering addressed by the former police head constable in a crowded field last week drew a quarter of a million people and caused one of the deadliest stampedes in the country.**

**New Delhi:** Just a pat on the back by preacher "Bhole Baba" and Ramkumari said a stone in her kidney vanished. The 85-year-old gave no proof but this story and countless others of similar "miracles" led to Baba's following rocketing in India's northern states.

A gathering addressed by the former police head constable in a crowded field last week drew a quarter of a million people and caused one of the deadliest stampedes in the country.Bhole Baba was born Suraj Pal Singh Jatav. He quit the police in 2000 to join a series of Hindu preachers and gurus who are sought by millions for miracle cures and spiritual advice. They are often called godmen, and many have been wooed by politicians for the influence they wield.

Their patrons have included international celebrities like the Beatles, who spent days in the ashram of Maharishi Mahesh Yogi in the late 1960s. Some of these gurus expanded beyond India, most famously Osho, who lived and preached in the United

States in the early 1980s.

Almost all of them are credited by their followers with miraculous powers."I had gone to one of his early gatherings and told him I had chronic pain from a kidney stone for many months," said Ramkumari, Baba's former neighbour in Bahadurnagar village in India's Uttar Pradesh state, where he was born and still has a home.The village has only about 50 homes in all and is set amid fields which grow corn, wheat and rice. On the periphery is a sprawling, pearly-white ashram run by devotees of Baba."He smiled and blessed me with a pat on the back. The stone vanished soon after," said Ramkumari, who gave just one name.Another resident in the village, 55-year-old Surajmukhi, said Baba's blessing helped her give birth to a son after seven daughters. Sons are sought after in many Indian families."We desperately wanted a by," said Surajmukhi. "Then I met Baba with my husband. He made me chant some mantras (verses), gave me some water to drink and patted me on my back. After nine months I had a baby boy."

Lying on a cot next to her, Baba's older sister Sonkali, thin and frail, said: "It was a miracle".Baba, formally known as Narayan Sakar Hari now, is estimated to be about 72 by his family and followers, who are spread across India's heartland states of Uttar Pradesh, Rajasthan, Haryana and Madhya Pradesh.

**LINE TO GOD**

Two neighbours who have known him since his childhood, including Ramkumari, said he took the path after a dream one night about 25 years ago that a divine spirit had given him supernatural powers. He quit the police in the city of Agra and started preaching, they said.Baba would later claim he had a direct line to God and could channel divine blessings to people."Soon after we saw a line of cars bringing Suraj Pal into the village and people said he would henceforth be called a Baba (elder)," Ramkumari said.

Reuters could not contact Baba. He told Reuters partner ANI that he was grieving and his aides would help the injured and the families of those who died.The stampede at his gathering on Tuesday killed 121 people, mostly women, and injured scores out of about 250,000 who had congregated in a canopied paddy field to listen to him, many trampling over one another as they ran after his car when he was leaving.

Police say authorities had allowed only 80,000 to attend, and have arrested six aides to Baba who were involved in organising the event. The main organiser surrendered to police on Friday.

## 7 Dead, Many Trapped As 6-Storey Building Collapses In Gujarat's Surat, Rescue Underway

**New Delhi:**At least seven people died and 10 others were injured when a multi-storey building collapsed on Saturday in Surat, Gujarat, amid heavy rains. Rescue operations are underway in the Sachin area, where many are feared to be trapped under the debris.Commissioner of Police, Surat, Anupam Gehlot, informed ANI, "Rescue operations are being conducted by the SDRF

and NDRF teams. According to the information received, 6-7 people are trapped, and three bodies have been retrieved."

The incident occurred around 3 p.m. during heavy rainfall. Residents of the six-storey building became trapped, prompting immediate responses from the fire department, NDRF, and SDRF.Gehlot noted that the building contained around 30 flats, of which 4–5 were occupied. Many residents were at work, while those who were sleeping after a night shift became trapped in the collapse.

## "We Bow To Mahaprabhu Jagannath": PM Modi's Rath Yatra Greetings

**New Delhi:** President Droupadi Murmu, Prime Minister Narendra Modi, and Odisha Chief Minister Mohan Charan Majhi on Sunday wished the people on the occasion of Rath Yatra of Lord Jagannath.The President, in X posts in Odia and Hindi, greeted people on the auspicious dayI extend my heartiest greetings to all people of our country on the occasion of the world-famous Rath Yatra of Mahaprabhu Shree Jagannath. Countless Jagannath lovers of the country and the world are eagerly waiting to see three deities on the chariot today," she said.Notably, President Murmu is in Odisha and is scheduled to witness Rath Yatra in Puri this afternoon.

On the occasion of the mega festival, she prayed to Lord Jagannath for everyone's happiness, peace and prosperity.PM Modi posted on X, "Greetings on the start of the sacred Rath Yatra. We bow to Mahaprabhu Jagannath and pray that His blessings constantly remain upon us."

Similarly, in a video message, the Chief Minister expressed his heartiest greetings to the people of Odisha on Rath Yatra. He prayed before Lord Jagannath for the development of Odisha in every sphere and for building a new prosperous Odisha with the cooperation of all.Among others, Odisha Governor Raghubar Das, Union Home Minister Amit Shah, Union Education Minister Dharmendra Pradhan, and Railway Minister Ashwini Vaishnaw have extended their greetings to the people of India on this special day.

## Mayawati Demands CBI Probe Into Aide's Murder In Chennai

**Chennai:** Bahujan Samaj Party (BSP) chief Mayawati on Sunday demanded a CBI probe into the death of her party's Tamil Nadu president K Armstrong, who was hacked to death in Chennai on Friday.

She claimed those who have been arrested so far were not the real culprits and urged Chief Minister MK Stalin to refer the probe to the central agency to ensure justice for the victim.Mayawati, former Chief Minister of Uttar Pradesh, paid homage to Armstrong here and placed a wreath before the body of the 52-year-old leader at a private school in Perambur in the city.

Expressing anguish over Armstrong's death, she also said the way he was killed, by a group of assailants late in the evening, showed "there was nothing called law and order" in the state.Mr Stalin must ensure justice for Armstrong and transfer the probe to the Central Bureau of Investigation, he said."The way he was killed, shows there is nothing called law and order in Tamil Nadu. Those who have killed him, the real culprits have not been nabbed," she said.

The real culprits have not been nabbed. Transfer the probe to CBI. We are not hopeful that the state government will ensure justice. So, refer the matter to CBI immediately," she demanded.

The BSP leader further said Dalits all over the state were apprehensive following Armstrong's killing and urged the Chief Minister to ensure their safety.

## Soon, Food Packets Will Have Bigger, Bolder Info On Sugar, Salt, Fat

**New Delhi:** In a historic move, the Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) has approved a proposal to make a bolder and bigger display of nutritional information regarding total sugar, salt and saturated fat on packaged food items, the Ministry of Health and Family Welfare (MoHFW) said on Saturday.

The proposal calls for packaged food items to carry the amount of total sugar, salt and saturated fat "in bold letters and relatively increased font size."The Ministry noted that "the information regarding per serve percentage contribution to Recommended Dietary Allowances (RDAs) would be given in bold letters for total sugar, total saturated fat and sodium content."The decision that will amend the Food Safety and Standards (Labelling and Display) Regulations, 2020 was taken in the 44th meeting of the Food Authority.

Regulation 2 (v) and 5(3) specify requirements to mention serving size and nutritional information on the food product label, respectively.

"The amendment aims to empower consumers to better understand the nutritional value of the product they are consuming and make healthier decisions," the MoHFW said.Healthcare and nutritional experts have been calling out the need to curb the intake of packaged food items, rich in sugar, salt and saturated fats -- a major reason for the rising incidences of non-communicable Diseases (NCDs).The proposal will enable "people to make healthier choices as well as contribute towards efforts to combat NCDs and promote public health and well-being."

The FSSAI is also expected to share the draft notification for the said amendment in the public domain for inviting suggestions and objections.Further, FSSAI has been issuing advisories from time to time to prevent false and misleading claims such as 'Health Drink', '100% fruit juices', the use of the term wheat flour/ refined wheat flour, the advertisement and marketing of ORS along with prefix or suffix, nutrient function claim for multi-source edible vegetable oils etc.These advisories and directives are issued to prevent misleading claims by FBOs, MoHFW said.

## Lashkar's Most-Wanted Terrorist Behind String Of Attacks In J&K: Sources

**New Delhi:** A Pakistan-based operative of Lashkar-e-Toiba arm, The Resistance Front, is behind the latest spike in terrorist activities in Jammu and Kashmir, according to sources in security agencies.

Saifullah Sajid Jatt is from Shangamanga village in Kasur district of Pakistan's Punjab and is a "hardcore terrorist", according to the National Investigation Agency (NIA). There is a bounty of ? 10 lakh on his head.

Jatt, sources said, is operating from a base camp in Pakistan capital Islamabad. His wife is of Indian origin and stays with him, they added. He has earlier worked in Pakistan Occupied Kashmir and is currently handling Lashkar's recruitment and helping terrorists cross over into India, the sources said.Sajid Jatt is considered to be an operational commander of Lashkar and also handles its terror funding. He is on the most wanted list of the NIA. Security agencies suspect that he has a contact person named Qasim in Jammu and Kashmir, and a

search is on for him. Jatt, they suspect, is behind several terror strikes in the Valley over the past few years.The Union Territory has witnessed a string of terror attacks over the past couple of months. Last month, terrorists opened fire at a bus in which pilgrims were travelling. The bus fell into a gorge in Reasi district and nine people were killed.Days after the Reasi incident, two armed terrorists entered a village and opened fire. Villagers informed authorities and security forces arrived. In the gunfight that followed, a CRPF personnel was killed and the terrorists shot dead.

Over the past two days, five terrorists have been killed in separate encounters in the Kulgam district of Jammu and Kashmir. The encounters also left two soldiers, including a para-trooper, dead. The attack comes at a time when the Amarnath Yatra is on.

## Heavy Rain In Early July Bridges India's Monsoon Deficit But Causes Flooding

**India logged a rainfall deficit of 11 percent in June, with northwest India recording a shortfall of 33 per cent.**

**New Delhi:** Heavy rainfall across large parts of India has compensated for the June deficit, bringing the overall monsoon precipitation into the surplus category.According to the India Meteorological Department (IMD), more spells of heavy to very heavy rain are likely over northwest India and the western parts of the peninsular India during the next two-three days and over the northeast during the next five days.

ndia, the world's top producer of critical crops such as rice, wheat and sugarcane, logged a rainfall deficit of 11 percent in June, with northwest India recording a shortfall of 33 per cent.Heavy rain in the first week of July compensated for the shortfall but caused flooding in many northeastern states.

Since the four-month monsoon season began on June 1, the country has received 214.9 mm of rainfall against a normal of 213.3 mm, according to IMD data.Northwest India and the southern peninsula have recorded 3 per cent and 13 per cent above-normal rainfall, respectively.The heavy rain in the east and northeast region has reduced the deficit from 13 per cent on June 30 to zero on July 6.The rainfall deficit in central India has decreased from 14 per cent to 6 per cent during this period.The IMD data showed that 23 per cent of the sub-divisional area of the country experienced excess to large excess rainfall, 67 percent received normal rainfall, and only 10 per cent experienced

deficient rainfall.

After making an early onset over Kerala and the northeastern region on May 30, and progressing normally up to Maharashtra, themonsoon lost momentum.This delayed the rains in West Bengal, Jharkhand, Bihar, Uttar Pradesh, Chhattisgarh, and Madhya Pradesh and exacerbated the impact of a scorching heatwave in northwest India.

Monsoonal winds stalled from June 10 to June 18 and made slow progress until June 26-27. The annual rain-bearing system covered a major part of northwest India after June 25, according to IMD data.The weather department on Saturday said heavy rainfall will continue in northeast India over the next five days.

The northeastern states are already grappling with severe floods.Assam's flood situation remains critical, with over 2.45 million people affected and 52 lives lost in the second wave of flooding this year.Heavy rainfall in Manipur, Mizoram, and Arunachal Pradesh has caused rivers to reach warning levels and triggered landslides.The IMD earlier this week said India could experience above-normal rainfall in July, and heavy rain may lead to floods in the hilly states and river basins in the central parts of the country.Experts from the International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD), a Nepal-based intergovernmental organisation, have also warned about a difficult monsoon season for the countries in the Hindukush Himalayan region, including Bangladesh, Bhutan, India, Nepal, and Pakistan.

NEWS BOX

## US elections: At Essence, Black Democrats rally behind Biden and talk up Kamala Harris

**NEW ORLEANS**.As President Joe Biden tries to revive his embattled reelection bid, Vice President Kamala Harris led a parade of Black Democrats who warned Saturday that the threat of another Donald Trump presidency remains the most important calculation ahead of November.Yet in more than 20 minutes on stage at the Essence Festival of Culture, Harris did not acknowledge Biden's dismal debate performance or calls for the 81-year-old president to end his reelection bid. In fact, she barely mentioned Biden at all – a stark contrast to the Congressional Black Caucus members who forcefully and repeatedly defended the president by name."This is probably the most significant election of our lifetime," Harris said, before riffing on Trump musing about being a dictator, pushing the Supreme Court rightward and promising retribution on political enemies. "In 122 days, we each have the power to decide what kind of country we want to live in."

Harris's appearance at the nation's largest annual celebration of Black culture underscores what a difficult task it is for the White House and campaign to navigate questions about the president's aptitude. The dynamics are especially fraught for Harris, the first Black woman and person of South Asian descent to be elected vice president, and for the Black Democrats who were so instrumental in electing Biden and her in 2020.On one hand, Harris fills the traditional role of loyal lieutenant, a job she did enthusiastically — and on the fly — in television appearances immediately after Biden's lacklustre debate ended. Yet should Biden ultimately decide to step aside as presumptive nominee, she would be among the favourites, if not the favourite, to carry the Democratic banner against Trump.

Black leaders and voters who gathered in New Orleans, meanwhile, walked the line Saturday between backing Biden and insisting that, if he does end his campaign, the party should elevate the barrier-breaking vice president rather than consider governors like Gavin Newsom of California or Gretchen Whitmer of Michigan, both of whom are white.The purpose of a vice president is to be a No. 2, to be able to step in," said Glynda Carr, who leads the Higher Heights political action organization that works to elect more Black women. "If this was an all-white male ticket, would we be talking about other people who have less experience, less qualifications?"

## It's France's moment of truth. Here's how its snap elections work and what comes next

**PARIS**. French voters face a decisive choice Sunday in the runoff of snap parliamentary elections that could produce the country's first far-right government since the World War II Nazi occupation — or no majority emerging at all.Marine Le Pen's anti-immigration, nationalist party National Rally stands a chance of winning a legislative majority for the first time, but the outcome remains uncertain because of a complex voting system and tactical maneuvers by political parties.

What's happening Sunday?

Voters across France and overseas territories can cast ballots for 501 of the 577 seats in the National Assembly, the lower and most important of France's two houses of parliament. The other 76 races were won outright in the first round of voting.

The National Rally and its allies arrived ahead in Round 1 with around one-third of the votes. A coalition of center-left, hard-left and greens parties called the New Popular Front came in second position, well ahead of President Emmanuel Macron's struggling centrist alliance.In the frantic wek between the two rounds, more than 200 centrist and left-wing candidates pulled out of races to boost the chances of their moderate rivals and try to keep National Rally candidates from winning.Final pre election polls suggest that tactic may have diminished the far right's chances of an absolute majority. But Le Pen's party has wider and deeper support than ever before, and it's up to voters to decide.

What are the possible outcomes?

Polling projections suggest the National Rally is likely to have the most seats in the next National Assembly -- which would be a historic first.

If it wins an absolute majority of 289 seats, Macron would be expected to appoint National Rally president Jordan Bardella as France's new prime minister. Bardella could then form a government, and he and Macron would share power in a system called ''cohabitation.''

## France is voting in key elections that could see a historic far-right win or a hung parliament

**PARIS.** France will vote Sunday in pivotal runoff elections that could hand a historic victory to Marine Le Pen's far-right National Rally and its inward-looking, anti-immigrant vision - or produce a hung parliament and years of political deadlockSunday's snap elections in this nuclear-armed nation have potential impact on the war in Ukraine, global diplomacy and Europe's economic stability. And they're almost certain to undercut President Emmanuel Macron for the remaining three years of his presidency.Racism and antisemitism have marred the electoral campaign, along with Russian cybercampaigns, and more than 50 candidates reported being physically attacked - highly unusual for France. The government is deploying 30,000 police on voting day.The heightened tensions come while France is celebrating a very special summer: Paris is about to host exceptionally ambitious Olympic Games, the national soccer team reached the semifinal of the Euro 2024 championship, and the Tour de France is racing around the country alongside the Olympic torch.Meanwhile, 49 million voters are in the midst of the country's most important elections in decades.France could have its first far-right government since the Nazi occupation in World War II if the National Rally wins an absolute majority and its 28-year-old leader Jordan Bardella becomes prime minister. The party came out on top in the previous week's first-round voting, followed by a coalition of center-left, hard-left and Green parties, and Macron's centrist alliance.The outcome remains highly uncertain. Polls between the two rounds suggest that the National Rally may win the most seats in the 577-seat National Assembly but fall short of the 289 seats needed for a majority. That would still make history, if a party with historic links to xenophobia and downplaying the Holocaust, and long seen as a pariah, becomes France's biggest political force.

# Israeli strike in Gaza school kills 16, army says targeted Hamas gunmen

**An Israeli strike on a school sheltering displaced Palestinians in Gaza has killed at least 16 and wounded dozens. Israel claimed it targeted militants, while Hamas denied their presence and described the civilian toll as catastrophic.**

**Cairo/Gaz** At least 16 people were killed in an Israeli strike on a school sheltering displaced Palestinian families in central Gaza on Saturday, the Palestinian health ministry said, in an attack Israel said had targeted militants.The health ministry said the attack on the school in Al-Nuseirat killed at least 16 people and wounded more than 50.The Israeli military said it took precautions to minimize risk to civilians before it targeted the gunmen who were using the area as a hideout to plan and carry out attacks against soldiers. Hamas denied its fighters were there.At the scene, Ayman al-Atouneh said he saw children among the dead. "We came here running to see the targeted area, we saw bodies of children, in pieces, this is a playground, there was a trampoline here, there were swing-sets, and vendors," he said.Mahmoud Basal, spokesman of the Gaza Civil Emergency Service, said in a statement that the number of dead could rise because many of the wounded were in critical condition.The attack meant no place in the enclave was safe for families who leave their houses to seek shelters, he said.Al-Nuseirat, one of Gaza Strip's eight historic refugee camps, was the site of stepped-up Israeli bombardment on Saturday. An air strike earlier on a house in the camp killed at least 10 people and wounded many others, according to medics.In its daily update of people killed in the nearly nine-month-old war, the Gaza health ministry said Israeli military strikes across the enclave killed at least 29 Palestinians in the past 24 hours and wounded 100 others.Among those killed in separate air strikes on Saturday were

five local journalists, raising the toll of journalists killed since October 7 to 158, according to the Hamas-led Gaza government media office.Gaza health uthorities say more than 38,000 Palestinians have been killed in Israel's offensive. The health ministry does not distinguish between combatants and non-combatants but officials say most the dead are civilians.Israel has lost 323 soldiers in Gaza and says at least a third of the Palestinian dead are fighters.Israel launched its offensive, aimed at eliminating the militant Islamist group Hamas, in response to a Hamas-led assault on Israel on Oct. 7 in which 1,200 people were killed and over 250 taken hostage, according to Israeli tallies.

RAFAH OPERATIONS

Israeli forces, which have deepened their incursions into Rafah, in the south of the enclave near the border with Egypt, killed four Palestinian policemen and wounded eight others, in an air strike on their vehicle on Saturday, health officials said.

A statement issued by the Hamas-run interior ministry said the four included Fares Abdel-Al, the head of the police force in western Rafah neighbourhood of Tel Al-Sultan.The Israeli military said forces continued "intelligence-base operations" in Rafah, destroyed several underground structures, seized weapons and equipment, and killed several Palestinian gunmen.

Israel has said its operations in Rafah aim to eradicate the last Hamas armed wing battalions.e Israeli military said it eliminated a Hamas rocket cell in Deir Al-Balah in central Gaza that operated from inside a humanitarian-designated area. It said it carried out a precise strike after taking measures to ensure civilians were unharmed.

# Joe Biden says only 'Lord Almighty' could convince him to quit White House race

**World.** US President Joe Biden insisted that his goal was to defeat his Republican rival and former President Donald Trump, adding that only "Lord Almighty" could persuade him to withdraw himself from the race, The Guardian reported.His remarks came amid a section of Democrats calling on the 81-year-old president to pull himself out of the race following a shaky performance at the June 27 presidential debate, which saw him slipping up, stammering, appearing confused and perceived loss of train of thought.Biden, who is the oldest US President, has been under the scanner over his mental health and age concerns and whether he is fit to serve another four-year term. The Democrat leader has repeatedly insisted he was fine.In an interview with George Stephanopoulos of ABC News on Friday, Biden said, "Look. I mean, if the Lord Almighty came down and said, 'Joe, get out of the race', I'd get out of the race," he said, adding, "The Lord Almighty's not coming down."He also dismissed his lacklustre performance at the presidential debate as a "bad

episode" and took full responsibility for what transpired. "I just had a bad night. I don't know why," he said.Biden also refused to get a detailed cognitive test done and make the results public to reassure voters he is fit to run for a second time in office."I have a cognitive test every single day. Every day I have that test - everything I do (is a test)," he said.The 81-year-old Democrat insisted that fatigue was the only issue and that there were "no indications of any serious condition". "I was exhausted. I didn't listen to my instincts in terms of preparing," Biden said.He further said it was no one else's fault but his own, admitting that he had been feeling "terrible" before the debate and mentioned undergoing a Covid-19 test and checks for other infections, all of which came back negative. "I just had a really bad cold."

The President also mentioned the ongoing assessments by his personal doctors, who he said would not hesitate to inform him if something were wrong. "Can I run the 100 in 10 flat? No. But I'm still in good shape," Biden remarked.Despite the debate setback, Biden exuded confidence about having what it takes to beat Trump, brushing off growing concerns and polls showing him trailing the Republican. "I don't think anyone is more qualified," he stated.He also noted that Trump's disruptions during the debate had been distracting, admitting, "I realised that, even when I was answering a question and they turned his mic off, he was still shouting and I let it distract me. I'm not blaming it on that. But I realised that I just wasn't in control."he interview, along with campaign stops in battleground states Wisconsin and Pennsylvania, is part of Biden's effort to win back voters after his faltering debate performance. At the Wisconsin rally, he doubled down on staying in the race, declaring.

# Reformist Pezeshkian wins Iran's presidential runoff election, besting hard-liner Jalili

**DUBAI.**Reformist candidate Masoud Pezeshkian won Iran's runoff presidential election Saturday, besting hard-liner Saeed Jalili by promising to reach out to the West and ease enforcement on the country's mandatory headscarf law after years of sanctions and protests squeezing the Islamic Republic.ezeshkian promised no radical changes to Iran's Shiite theocracy in his campaign and long has held Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei as the final arbiter of all matters of state in the country. But even Pezeshkian's modest aims will be challenged by an Iranian government still largely held by hard-liners, the ongoing Israel-Hamas war in the Gaza Strip, and Western fears over Tehran enriching uranium to near-weapons-grade levels. vote count offered by authorities put Pezeshkian as the winner with 16.3 million votes to Jalili's 13.5 million in Friday's election.Supporters of Pezeshkian, a heart surgeon and longtime lawmaker, entered the streets of Tehran and other cities before dawn to celebrate as his lead grew over Jalili, a hard-line former nuclear negotiator.But Pezeshkian's win still sees Iran at a delicate moment, with tensions high in the Mideast over the Israel-Hamas war in the Gaza Strip, Iran's advancing nuclear program, and a looming U.S. election that could put any chance of a detente between Tehran and Washington at risk.The first round of voting on June 28 saw the lowest turnout in the history of the Islamic Republic since the 1979 Islamic Revolution. Iranian officials have long pointed to turnout as a sign of support for the country's Shiite theocracy, which has been under strain after years of sanctions crushing Iran's economy, mass demonstrations and intense crackdowns on all dissent.Government officials up to Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei predicted a higher participation rate as voting got underway, with state television airing images of modest lines at some polling centres across the country.However, online videos purported to show some polls empty while a survey of several dozen sites in the capital, Tehran, saw light traffic amid a heavy security presence on the streets.The election came amid heightened regional tensions. In April, Iran launched its first-ever direct attack on Israel over the war in Gaza, while militia groups that Tehran arms in the region — such as the Lebanese Hezbollah and Yemen's Houthi rebels — are engaged in the fighting and have escalated their attacks.Iran is also enriching uranium at near weapons-grade levels and maintains a stockpile large enough to build several nuclear weapons, should it choose to do so. And while Khamenei remains the final decision-maker on matters of state, whichever man ends up winning the presidency could bend the country's foreign policy toward either confrontation or collaboration with the West.

# France to vote in presidential runoff today as far-right bids for power

**Paris.** France is set to vote in a presidential runoff on Sunday that will reconfigure the political landscape, with opinion polls forecasting the far-right National Rally (RN) will win the most votes, but likely fall short of a majority.Such an outcome could plunge the country into a chaotic hung parliament, severely denting the authority of President Emmanuel Macron.Equally, if the nationalist, eurosceptic RN did win a majority, the pro-business, pro-Europe president could find himself forced into a difficult "cohabitation".Marine Le Pen's RN scored historic gains to win last Sunday's first-round vote, raising the spectre of France's first far-right government since World War Two.

But after centrist and leftist parties joined forces over the past week in a bid to forge an anti-RN barricade, Le Pen's hopes of the RN winning an absolute

majority in the 577-seat National Assembly seem less certain.Polls suggest the RN will become the dominant legislative force, but fail to reach the 289-seat majority that Le Pen and her 28-year-old protege Jordan Bardella believe would allow them to claim the prime minister's job and drag France sharply rightward.

Polls open at 8 am and close at 6 pm in towns and small cities and 8 pm in larger cities, with initial projections expected the moment voting ends, based on partial counts from a sample of polling stations.Much will depend on whether voters follow the calls of leading anti-RN alliances to block the far right from power, or support far-right contenders.Raphael Glucksmann, a member of the European Parliament who led France's leftist ticket in last month's European vote, said he viewed Sunday's run-off as a simple referendum on whether "the Le Pen family takes over this country".

"France is on the cliff-edge, and we don't know if we're going to jump," he told France Inter radio last week.A longtime pariah for many due to its history of racism and antisemitism, the RN has increased its support on the back of voter anger at Macron, straitened household budgets and immigration concerns.

# Trump distances himself from 'Project 2025' to overhaul US administration

**The Project 2025 outlines a dramatic expansion of presidential power and a plan to fire as many as 50,000 government workers to replace them with Trump loyalists.**

**Washington** Former President Donald Trump tried to distance himself on Friday from a conservative group's sweeping plans for the next Republican presidency, days after its leader claimed a second American Revolution was underway that would "remain bloodless if the left allows it to be."The Republican presidential candidate renounced any connection with Project 2025, a plan Democrats have been attacking to highlight what they say is Trump's extreme policy agenda for a second term should he beat President Joe Biden in the Nov. 5 election.Many people involved in the project led by the Heritage Foundation, America's top conservative think tank, worked in the Trump White House and would likely help fill out his administration if he wins in November.But Trump said on his Truth Social platform he had nothing to do with the plan."I know nothing about Project 2025. I have no idea who is behind it," he wrote."I disagree with some of the things they're saying," he continued, adding some of their assertions were "absolutely ridiculous and abysmal."

Trump's post came three days after Heritage Foundation president Kevin Roberts' comments on Steve Bannon's "War Room" podcast about a second American Revolution. Democrats and others criticised what they viewed as a veiled threat of violence.In a statement provided by a Project 2025 spokesperson on Friday, Roberts repeated his claim that Americans were carrying out a revolution "to take power back from the elites and despotic bureaucrats" and said it was the political left that had a history of political violence.The spokesperson said that

while Project 2025 provided recommendations for the next Republican president, it would be up to Trump, should he win, to decide whether to implement them.Trump's move to create distance with Project 2025 could in part reflect an effort to moderate his message in the final months of the race, especially with Biden's campaign faltering after the Democratic candidate's June 27 debate, said James Wallner, a political science professor at Clemson University."Trump is basically now seeking to appeal to a broader audience," Wallner said.The Biden campaign has stepped up its efforts to tie Trump's campaign to Project 2025."Project 2025 is the extreme policy and personnel playbook for Trump's second term that should scare the hell out of the American people," campaign spokesperson Ammar Moussa said in a statement.The 900-page blueprint calls for drastic reform of the federal government, including a gutting of some federal agencies and a vast expansion of presidential power. Trump's statements and policy positions suggest he is aligned with some but not all of the project's agenda.The plans have been drawn up by the Heritage Foundation in coordination with a collection of other like-minded groups.A number of people who worked on Project 2025 have close ties to the former president. Russ Vought, who was Trump's director of the Office of Management and Budget and is heading up a key committee at the Republican National Convention, authored one of the project's chapters.Stephen Miller, a former senior adviser to Trump who is widely expected to be tapped for a top job in a second Trump administration, heads up a legal group on Project 2025's advisory board.

NEWS BOX

## Wimbledon 2024, Day 7 Order of Play: Alcaraz, Sinner set for 4th round action

**New Delhi.** The Day 7 of Wimbledon 2024 will see several big names in action as defending champion and third seed Carlos Alcaraz will take on 16th-seeded Ugo Humbert from France in the round of 16 of men's singles at the All England Lawn Tennis and Croquet Club (AELTC), London on Sunday, July 7.rench Open champion Alcaraz had to fight his way back against Frances Tiafoe in the third round as the Spaniard sealed the fourth set in a tiebreak before claiming a convincing victory in the fifth. He will be given some tough competition from Humbert who's coming into the fixture after beating Brandon Nakashima over four closely fought sets.World Number one Janik Sinner will be up against 4th-seeded American Ben Shelton in his fourth-round fixture while Fifth seeded Daniil Medvedev will take on tenth-seeded Grigor Dimitrov.Sinner faced some difficulty in the first two rounds where he dropped a set each but later sailed through third round with a straight-sets win over Miomir Kecmanovic. On the other hand, Shelton has been pushed into a fifth set in each round will look to gain confidence from his ability to perform under pressure.In women's singles, second seed Coco Gauff will face-off with the 19th seeded Emma Navarro. Gauff has reached the Wimbledon fourth round twice, but has never been able to progress further ahead. However, the 20-year-old looks in good form this year coming in from three straight-set wins.

## Young India trying their best to carry forward Rohit, Virat's legacy: Ravi Bishnoi

**New Delhi.** India spinner Ravi Bishnoi has said that the young team is trying their best to take forward the legacy of Virat Kohli, Rohit Sharma and Ravindra Jadeja, three modern-day greats who retired from the T20I format after India's triumphant T20 World Cup run in the USA and Caribbean islands. Speaking in Harare after India's loss in the first T20I against Zimbabwe, Bishnoi said that the Indian players were given their best.

World Champions India were shocked by minnows Zimbabwe in the first T20I match of the series on Saturday, 7 July. The Indian team failed to chase down 116 runs in Harare, and lost their first T20I match in 2024. The entire Indian batting unit, which included the likes of Shubman Gill, Abhishek Sharma, Riyan Parag and Ruturaj Gaikwad failed, as Zimbabwe scripted a memorable victory.Indian Premier League stars Riyan Parag and Rinku Singh were heavily trolled by fans on social media after their loss. Both Riyan and Rinku got out to fast bowler Tendai Chatara. While Riyan scored 2 off 3 balls, Rinku got out trying to pull the fast bowler in the second ball of his innings, when he had not scored a single run.Speaking to the media after the game Bishnoi blamed the loss on the batting order collapse. At one point in time, India had lost 6 wickets inside the first 50 runs, while chasing only 116. Bishnoi felt that if India could have gotten a 20-30-run partnership in the middle overs, things might have looked different."We collapsed. The lack of partnerships, that made a difference. If we could have had 20-30 runs partnerships, the story could be different," Bishnoi said in Saturday after the match.

"The seniors handed the responsibility to us and it is our responsibility to take the flag ahead, we are trying our best," Bishnoi further said.

## Euro 2024: Netherlands storm into semi-finals with comeback win over Turkiye

**New Delhi,** A spirited Turkiye were knocked out by Netherlands in the quarter-final of Euro 2024 on Saturday, 6 July. Playing at the Olympiastadion in Berlin, the Dutch held on despite Turkiye taking the lead the in first half, to reach their first Euro semi-final in 20 years.Turkiye were fantastic throughout the match, but were undone in two crucial moments. The first one came from de Vrij in the 70th minute of the game, when the Netherlands were frustrated and were looking out of the game. De Vrij converted the cross from Memphis Depay inside the box to help Netherlands draw level against their wily opponent. The second one came just 6 minutes later when Dezel Dumfries put in a harmless low cross into Depay and Cody Gakpo. Turkiye defenders, who had done so well till that time to push the attackers off were caught napping and it ended resulting in an own goal when Mert Muldur tried to slide tackle Gakpo from behind at the far post.Turkiye tried hard in the final 10 minutes of the game to search for the equalizer, but it never came. Dutch goalkeeper Bart Verbruggen made two crucial saves - first, a low freekick from Arda Guler that was finger-tipped into the side bar - and then a reflex save from close range to keep the Oranje ahead in the game.

Turkiye were the more creative of the two teams, breaking the lines from all parts of the pitch. Hakan Calhanoglu, Arda Guler ran the show in the attacking mid-field, while Baris Alper Yilmaz ran himself to the ground, driving the ball in the final third. Arda and Calhanoglu's street smarts, mixed with Yilmaz's character and ability to give hundred per cent in every single challenge he made helped Turkiye take the lead in the first half of the match.

# Zimbabwe vs India 2nd T20I, Predicted Playing XI: Battered India eager to fightback

**Zimbabwe and India will lock horns in the second T20I of the five-match series on Sunday, July 7. India will be eager to bounce back after humiliating loss in the first game.**

**New Delhi.** A young team India was handed a surprise defeat by Zimbabwe in the first T20I of the five-match series on Saturday, July 6 at Harare Sports Club, Harare. Chasing a low total of 116, the Men in Blue were bundled out for 102 in 19.5 overs with captain Shubman Gill being the top scorer with 31 (29).

After a humiliating loss, India don't have much time to regroup as they will take the field in the second T20I on Sunday, July 7 at the same venue. The young Turks will be desperate to turn things around after tainting the crown of world champions handed over by the senior pros.There are a lot of areas to improve with the bat for the young side as they failed to stitch small partnerships in the middle overs which eventually cost them the game. A total of three debutants featured for India in the first T20I namely Riyan Parag, Dhruv Jurel and Abhishek Sharma.

However, the trio had a game to forget with Sharma getting dismissed for a four-ball duck while Parag (2 off 3) and Jurel (6 off 14) got dismissed cheaply. Ravi Bishnoi shone with the ball registering figures of 4/13 in four overs. Despite being hammered in the first T20I, the team management is unlikely to make any changes in the playing XI and will look to give more chances to the underperforming youngsters.

ZIM vs IND Predicted Playing XI

On the other hand, Zimbabwe will be delighted with the clinical performances of their players which brought the world champions down to their knees. Captain Sikandar Raza was the star of the show as his all round show played a pivotal role in his team's win. Raza scored 17 (19) and later picked up 3/25 dismissing his counterpart Shubman Gill, Ravi Bishnoi and Mukesh Kumar.

Hence, changes are unlikely to happen in both the teams for the upcoming clash as both sides won't be willing to chop and change this early in the series.

India's Predicted XI: Shubman Gill (c), Abhishek Sharma, Ruturaj Gaikwad, Riyan Parag, Rinku Singh, Dhruv Jurel (wk), Washington Sundar, Ravi Bishnoi, Avesh Khan, Mukesh Kumar, Khaleel AhmedZimbabwe's Predicted XI: Wessly Madhevere, Innocent Kaia, Brian Bennett , Sikandar Raza (c), Dion Myers, Johnathan Campbell, Clive Madande (wk), Wellington Masakadza, Luke Jongwe, Blessing Muzarabani, Tendai Chatara

# India announce squad for women's Asia Cup 2024 set to begin from July 19

**New Delhi.** The BCCI (Board of Control for Cricket in India) announced the squad for the upcoming women's Asia Cup 2024 on Friday, July 6. The selection committee has retained 15 out of the 17 players currently playing in the series against South Africa and left out Amanjot Kaur and Shabnam Shakil.

Shakil was a late addition to the team for all three formats to reinforce the seam attack and is yet to make her debut for the national side. On the other hand, all-rounder Kaur also didn't feature in any of the matches of the tour.The rest of the squad contains all the familiar names with Harmanpreet Kaur set to lead the team with Smriti Mandhana acting as her deputy. Apart from the 15-member squad, the selection committee has also named Shweta Sehrawat, Saika Ishaque, Tanuja Kanwer and Meghna Singh as travelling reserves. The ninth edition of the women's Asia Cup will begin from July 19 in Sri Lanka with the final of the competition to be played on July 28\

A total of eight teams will be seen participating in the event which have been divided into two groups. India have been put in Group A alongside Pakistan, UAE and Nepal. On the other hand, Group B contains Malaysia, Thailand, Bangladesh and Sri Lanka.

The opening game of the event will be played between UAE and Nepal on July 19 at Rangiri Dambulla International Stadium, Dambulla while India will begin their campaign against arch-rivals Pakistan at the same venue later in the day.

India are the defending champions

The continental event will be held in the T20 format and will serve as a dress rehearsal for the women's T20 World Cup scheduled to be held later this year in Bangladesh from October 3. Notably, the Women in Blue are the defending champions of the event having won the trophy in the previous edition held in 2022. India are also the most dominant team of the tournament having won seven out of the eight editions contested so far with Bangladesh being the only other winner in 2018.Squad: Harmanpreet Kaur (c), Smriti Mandhana (vc), Shafali Verma, Deepti Sharma, Jemimah Rodrigues, Richa Ghosh (wk), Uma Chetry (wk), Pooja Vastrakar, Arundhati Reddy, Renuka Singh Thakur, Dayalan Hemalatha, Asha Sobhana, Radha Yadav, Shreyanka Patil, Sajana Sajeevan

## Cop congratulates Rohit Sharma for T20 World Cup triumph at airport

**New Delhi.** Indian cricket team captain Rohit Sharma has been spreading smiles wherever he goes after leading India to T20 World Cup 2024 triumph in the West Indies. The Indian skipper once again made the day of his special fan as he posed with him for a photograph at the airport.In a viral video, a policeman at the airport can be seen a bit nervous up first seeing Rohit up close as he offers him a handshake. In a heartwarming gesture, the Indian skipper obliged to his request and shook hands with him while exchanging smiles.Later ahead in the video, the person also requests for a photograph with the Indian captain and he happily accepts his request by posing alongside him with the camera.Ever since the team India's arrival back home from the West Indies, Rohit has been felicitated all across the country. Prime Minister Narendra Modi hosted the entire team India for a special breakfast meeting at his residence. Later, Rohit was also invited by Maharashtra Chief Minister Eknath Shinde for felicitation alongside teammates Suryakumar Yadav, Shivam Dube and Yashasvi Jaiswal.

The India captain also gave a speech at Maharashtra Vidhan Bhawan in Mumbai where he made a hilarious remark about Suryakumar's game-changing catch of David Miller in the final.

"After Surya caught the ball. He told me that the ball got stuck in his hand. Otherwise, I would have stuck it into him," Rohit said in the assembly.Rohit's phenomenal T20 World Cup with bat

Notably, Rohit played a pivotal role in India's successful campaign being the second-highest run scorer of the tournament. The opening batter gave explosive starts to the team scoring 257 runs from eight innings at an average of 36.71 and a strike rate of 156.70 with three fifties to his name.

The Indian captain started the tournament with a brilliant knock of 52* (37) against Ireland. His best innings came against Australia in the Super 8 clash as smoked the Australian bowlers all over the park scoring a breathtaking 92 (41) with the help of seven fours and eight sixes.

## John Cena announces WWE retirement, to finish up with company in 2025

**New Delhi.** John Cena has announced his shock retirement from WWE with the 16-time World Champion set to end his time inside the ring by 2025. Cena made the announcement during the Money In The Bank Premium Live Event in Toronto, where he made a surprise appearance. Cena was sporting a new t-shirt which had the words 'the Last Time is Now' written on it.

Cena was introduced by WWE Hall Of Famer Trish Stratus to the crowd in Toronto, before Cena would announce his retirement from the company. At first, it was thought that the 16-time World Champion would wrestle for the last time at WrestleMania. However, Cena stated in the post Money In The Bank media scrum that WrestleMania 41 would be his final appearance at the Show Of Shows and he aims to wrestle until December 2025.

"Tonight, I announce my retirement from the WWE," said Cena inside the ring.Cena is expected to be on WWE RAW's debut on Netflix, Royal Rumble 2025, Elimination Chamber 2025 and WrestleMania 41.

**John Cena's WWE career so far**

Cena has had a Hall Of Fame career in WWE, since making his debut in the company in 2002 when he answered an open challenge from Kurt Angle during an episode of SmackDown in June.enaquickly adopted the 'Doctor of Thuganomics' persona, that made him an instant hit amongst the fans and he would go on to win the WWE Championship for the first time in his career.Cena has then gone on to win the WWE title a total of 13 times, World Heavyweight championship 3 times and won the Royal Rumble 2 times. Cena has adopted a lesser role in WWE over the past few years given his Hollywood commitments.Cena has taken time off his schedule to make appearances in WWE and also made the trip to India for the first time in his career last year. Cena's last appearance in the WWE before Sunday was during the WrestleMania 40 main event when he got involved in the match between Roman Reigns and Cody Rhodes.

# ZIM vs IND, 2nd T20I: Prediction, team news, pitch conditions and predicted XI

**India cricketer Krunal Pandya penned an emotional note for brother Hadik after his historic T20 World Cup 2024 triumph. Hardik was booed by fans during IPL 2024 after replacing Rohit Sharma as skipper.**

**New Delhi,** Shubman Gill's India were handed a reality check by Sikandar Raza's Zimbabwe in the opening T20I of the 5-match series on Saturday, 6 July. India failed to chase down 116 runs in Harare, and were bundled out for their lowest T20I score in the last 8 years. Star players who have already made a name in the Indian Premier League miserably failed in the sticky track in Harare as India got bundled out for just 102 runs in 19.5 oversIndia captain Shubman Gill said that the team looked rusty and asked his batters to step up in the next game. The India side will do well to keep their ego and methods aside as the Harare track is not the one where they will get to make 200+ runs every day. The team will look to shake the defeat off and get into their zone quickly as they face Zimbabwe once again on Sunday, 7 July.

The batters including debutants Riyan Parag, Abhishek Sharma and Dhruv Jurel will hope to assess the situation quickly as India cannot let another game slip against a team that was not able to qualify for the T20 World Cup 2024. Zimbabwe were beaten by Uganda in the African qualifiers and had to sit out this year's competition despite being a legacy team in the history of African cricketIndia are likely to field an unchanged XI as interim coach VVS Laxman would hope that it was just one bad day at the office for the batters. There are several players in this team who are expected to take over the mantle from Virat Kohli, Rohit Sharma and Ravindra Jadeja, and they will need to prove their worth on Sunday, when India face the wily Zimbabwean team once again.

ZIM VS IND, 2ND T20I: PITCH AND WEATHER REPORT

Zimbabwe captain Sikandar Raza said after the first T20I that in the winter the pitch was expected to remain sticky, helping the spinners. Something similar can be expected in the 2nd T20I match as well. The weather is expected to be sunny without any rainfall at all.

**ZIM vs IND: WHEN AND WHERE TO WATCH?**

Harare Sports Club in Harare will host all the T20Is in Harare. The matches will get underway at 1 pm local time and 4:30 pm IST.

**ZIM vs IND, 2ND T20I: PREDICTED PLAYING XIS**

Both teams are unlikely to change their playing XI for the second match of the series. Zimbabwe have won the match and do not need to break their winning combination. On the other hand, it is too early for Team India to snatch away the trust from their preferred playing XI.

**India Playing XI**

Shubman Gill (c), Abhishek Sharma, Ruturaj Gaikwad, Riyan Parag, Rinku Singh, Dhruv Jurel (wk), Washington Sundar, Ravi Bishnoi, Avesh Khan, Mukesh Kumar, Khaleel Ahmed

**Zimbabwe Playing XI**

Wessly Madhevere, Innocent Kaia, Brian Bennett, Sikandar Raza (c), Dion Myers, Johnathan Campbell, Clive Madande (wk), Wellington Masakadza, Luke Jongwe, Blessing Muzarabani, Tendai Chatara

# Taapsee Pannu

## Reveals She Would Have Agreed To Star In Animal 'On Paper': 'But The Difference Is...'

The influence of films on audiences and the moral responsibilities of actors and filmmakers have been longstanding topics of discussion. This debate intensified following the release of director Sandeep Reddy Vanga's "Animal" last December, which faced criticism for allegedly glorifying misogyny and violence. In a recent edition of Expresso, Taapsee Pannu was asked whether she would have agreed to star in a film like 'Animal.' Her response was direct: "On paper, yes.She elaborated, "If I would have read the script of Animal, I would have been equally excited as Ranbir Kapoor… But, the difference is… when you read a script and when you see what you see, it is the director's medium. When I am reading a script, I don't know which shot he is putting low angle and high BGM on… I can't see that through script. It is only the director who can communicate that with the shot-taking and with the post-production. You conceive a certain scene and shot. Heroism, or how you celebrate (a character, depends on how the scene is shot), it will not be on paper."Using her role in the film 'Badla' as an example, Taapsee explained that she was fully aware of the character she was signing up for—a thoroughly dark character who would receive no redemption. "Nowhere in the entire film you will see them celebrating my darkness," she noted. She went on to emphasize, "Now, that's where director's politics comes in. That's why it is a director's medium which no actor can read when they are reading the script."

Reaffirming that she would have agreed to 'Animal' based on the script, Taapsee commented, "It was a little strange to hear cheers and whistles at certain moments and points where I wouldn't have liked the BGM to grow like that, where the audience is forced to cheer, clap and whistle at certain moments. That's the issue.In a star-studded cast including Ranbir Kapoor, Rashmika Mandanna, Anil Kapoor, and Triptii Dimri, 'Animal,' under the direction of Sandeep Reddy Vanga, raked in a staggering Rs 900 crore worldwide. However, the film faced significant criticism for its portrayal of misogyny and violence, sparking a heated debate amongst viewers and critics alike.

# Juhi Chawla

## Reveals Secret Wedding With Jay Mehta Was Due To Fear Of Losing Her Career: 'We Kept It Quiet...'

During the heights of her career in the 1990s, actress Juhi Chawla clandestinely tied the knot with businessman Jay Mehta, veiling their union from the public eye. In a previous interview, Juhi disclosed how the absence of mobile phone cameras in that era allowed their secret nuptials to remain hidden. Fearing for her career, Juhi opted for a covert marriage with Jay in 1995, and the couple now shares two children, Jhanvi and Arjun.In a conversation with former journalist Rajeev Masand on his YouTube channel a few years back, Juhi revealed, "I was just about established and just starting to do well. That's the time Jay was serenading me, and I was afraid of losing my career just when I kind of got there. So, I wanted carry on and this seemed the midway, that let's keep it quiet and it's okay, you carry on working."Reflecting on that period, Juhi shared the challenging circumstances she faced with the loss of her mother, expressing, "That year my mother passed away as well so I had another tragedy and that was a very difficult time for me as well because I felt I was going to lose everything I had, everything I loved, my work an my mum."During a recent discussion at an event organized by the Gujarat Chamber of Commerce & Industry, Juhi shared a heartwarming anecdote about her wedding. Juhi revealed how her mother-in-law intervened to simplify their grand wedding plans, prompting the cancellation of nearly 2000 invitations that had been dispatched worldwide. She recounted the intimate ceremony that followed, where they exchanged vows in a cozy setting surrounded by only their immediate family and closest friends, "She convinced the family to not have the big wedding and I got married at home with just the family and closest friends in attendance. So with just 80-90 people present. Imagine your mother-in-law cancelling the invites that had already been sent out," she stated.It was in the year 1998 when Juhi was shooting for the movie Duplicate, when she received the bad news about the untimely demise of her mother Mona Chawla, in an accident. Jay, who had seen his own share of misfortune as he lost his first wife Sujata Birla in a plane crash in 1990, comforted Juhi and helped her cope with the mammoth loss. "That was a very difficult time fome, because I felt I was going to lose everything I loved," the actress had earlier told CNN-News18."From then on, everywhere I went, he turned up. Everywhere I looked, he was there with flowers and notes and gifts. Every day! On my birthday, I remember he sent me a truckload of red roses. I was like, 'What do you do with a truckload of flowers?' He really did all he could. After a year, he proposed," Juhi had recalled.

# Manisha Koirala Reveals She Was Labeled 'Easy' for Dating Men: 'I Lead My Life On My Own Terms'

Manisha Koirala, who was one of the most popular Hindi movie stars of the 1990s, recently opened up about the time when she was asked to not reveal that she drank alcohol and had a boyfriend. Manisha shared that during the making of Saudagar, which was her debut in Hindi films, she was asked to hide the fact that she was having vodka at a party because "actresses are not meant to be drinking alcohol.Speaking to Filmfare, she said, "At the time of Saudagar, there was a coke mixed with vodka, and I was told by people around me not not tell people that I am drinking vodka because actresses are not meant to be drinking alcohol. I was told to say that I'm drinking coke. I learnt that new thing. I told my mom, 'I am drinking coke', and she knew I put vodka in it and she said, 'Listen, if you are drinking vodka, say you are drinking vodka, don't say you are drinking coke, don't lie for such small little things'."

Manisha said that she did not like the idea of keeping secrets, so if she was dating somebody, she would say it. "If I was dating somebody, I am dating somebody. You want to judge me? Go ahead and judge me but that's me, this is me and I lead my life on my own terms," she added. She also talked about the sexism in the movie industry, where male actors were seen as "macho" for having many girlfriends, but female actors were labeled "easy" for dating someone.Manisha said that she faced criticism because, in those days, male actors with many girlfriends were called macho, while actresses were expected to be "untouched." "I faced some flak for it because in those days, the heroes could have many girlfriends, and they were called macho men, but the actress was supposed to be this, 'no no no, nobody is touching me' and 'we are very untouched'," she said and added, "It was also misunderstood that (she is) very easy or easy girl to you know… But I took it on my stride.

# Arjun Kapoor, Akash Ambani Turn DJ At Anant Ambani-Radhika Merchant's Sangeet, Groove To Arjan Vailly

Anant Ambani and Radhika Merchant are all set to tie the knot on July 12, but their pre-wedding festivities have been a whirlwind since March. The Ambani family has pulled out all the stops by organizing a grand sangeet ceremony for the couple, scheduled for this Friday at the prestigious Nita Mukesh Ambani Cultural Centre (NMACC).A video is going viral on the internet from the sangeet night. In the short clip, Arjun Kapoor can be seen taking over the DJ console and was soon joined by none other than the groom-to-be's brother, Akash Ambani. The duo jammed and grooved together to Arjan Vailly from Sandeep Reddy Vanga's film Animal, bringing the night to life. Judging by the video, they had an amazing time! Check out the clip here:

Bhupinder Babbal's powerful rendition of the song "Arjan Vailly" from Sandeep Reddy Vanga's film Animal created a buzz among movie enthusiasts. The song, featuring Ranbir Kapoor, Anil Kapoor, Rashmika Mandanna, and Bobby Deol, became a social media sensation, with users incorporating it into countless reels on Instagram. No wonder it was on playlist of the big night.

The highlight of the sangeet, however, was a performance by popstar Justin Bieber. The singer, whose triumphant return to the stage in an intimate Toronto concert at Drake's club earlier this year made a lot of noise, performed his popular songs such as Baby, Never Let You Go, Love Yourself, Peaches, Boyfriend, Sorry and Where Are U Now at the sangeet.eliance Industries Chairman Mukesh Ambani and his wife Nita Ambani kicked off the wedding festivities for their son Anant Ambani and his fiancée Radhika Merchant with the Mameru ceremony at their residence, Antilia, in Mumbai on Wednesday.